Page 11

खेल

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 10

देश

मूल्य ₹ 2.00

कृष्ण पक्ष, उत्तराषाढ़ा, विक्रम संवत् 2081 • औरंगाबाद • सोमवार • 24 मार्च 2025 • वर्ष 27 • अंक 102 • पृष्ठ 12

आईपीएल 2025 : हैदराबाद ने आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया

एक्ट्रेस एंजेल राय को जान से मारने की धमकी, बांगुर नगर पुलिस स्टेशन में...

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 89,780	₹1,01,000

आज का इतिहास

- **1998 : भारत में दान्तान के माध्यम में तेज तूफान के कारण 250 लोग मारे गए और 3000 घायल हो गए।**
- **1977 : मोरारजी देसाई भारत के चौथे प्रधानमंत्री बने और उन्होंने केन्द्र में पहली बार गैर-कांग्रेसी सरकार बनायी।**

न्यूज बाइट्स

प्रधानमंत्री ने भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शहीद दिवस के अवसर महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को श्रद्धांजलि दी और कहा कि आज हमारा राष्ट्र भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के सर्वोच्च बलिदान को याद करता है।

राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान का किया शुभारंभ, कहा

देश को टीबी मुक्त बनाने के लिए सभी एकजुट होकर करें कार्य : द्रौपदी मुर्मु

- टीबी के उन्मूलन हेतु नागरिकों से जनभागीदारी की भावना से युद्धस्तर पर एकजुट होकर कार्य करने का आग्रह

एजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज वर्चुअल रूप में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान को उच्च प्राथमिकता देना तथा इस अभियान को जन-आंदोलन बनाना सभी नागरिकों का कर्तव्य है, क्योंकि टीबी हमारे देश में अन्य सभी संक्रामक बीमारियों से सबसे अधिक मृत्यु का कारण है। उन्होंने कहा कि भारत की आबादी विश्व की आबादी से 20 प्रतिशत से थोड़ा कम है लेकिन विश्व के कुल टीबी मरीजों का 25 प्रतिशत से अधिक है। यह चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि टीबी रोग से ग्रसित अधिकतर लोग समाज के गरीब वर्ग के हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि 'न्यू इंडिया' की सोच और कार्य पद्धति भारत को विश्व का अग्रणी राष्ट्र बनाना है। कोविड-19 महामारी से निपटने में भारत ने विश्व के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत किया है। विश्वास के साथ आगे बढ़ने की 'न्यू इंडिया' की नीति टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में भी दिख रही है। संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के अनुसार सभी देशों ने 2030 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य तय किया है, लेकिन भारत सरकार ने वर्ष 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य रखा है और इस संकल्प को पूरा करने के लिए प्रत्येक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए लोगों में टीबी के बारे में जागरूकता पैदा करनी होगी। उन्हें बताना होगा कि इस बीमारी की रोकथाम संभव है। इसका इलाज प्रभावी और सुलभ है तथा सरकार इस बीमारी की रोकथाम और उपचार के लिए निःशुल्क सुविधा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि कुछ रोगियों और समुदायों में इस बीमारी को लेकर हीन भावना है और लोग इस बीमारी को कलंक के रूप में देखते हैं। यह भ्रम दूर करना होगा। सभी को यह जानकारी होनी चाहिए कि टीबी के कीटाणु हर व्यक्ति के शरीर में मौजूद होते हैं। किसी कारणवश जब किसी व्यक्ति की रोग-प्रतिरोधी क्षमता कम हो जाती है तो व्यक्ति में यह रोग दिखता है। इलाज से इस बीमारी से जरूर छुटकारा मिल सकता है। ये सभी बातें लोगों तक पहुंचनी चाहिए, तभी टीबी से प्रभावित लोग इलाज की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान की परिकल्पना सभी सामुदायिक हितधारकों को टीबी के इलाज में समर्थन देने और टीबी के उपचार की दिशा में देश की प्रगति में तेजी लाने के लिए की गई है। इस वर्चुअल समारोह में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार, राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेश के राज्यपाल तथा उप-राज्यपाल, राज्य तथा जिला स्वास्थ्य प्रशासन के प्रतिनिधि एवं अन्य हितधारक उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर मिली भारी नकदी का वीडियो किया जारी

- चार-पांच बोरे में थे नोट

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक चौंकाने वाले घटनाक्रम में वह वीडियो जारी किया है, जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से कथित रूप से भारी मात्रा में नकदी बरामद होते हुए दिखाया गया है। यह खुलासा न्यायपालिका में उथल-पुथल पैदा करने वाले घटनाक्रमों की श्रृंखला के बीच सामने आया है, जिसने उच्च पदों पर जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

14/03/25 को रात्रि 11:43 बजे एक पीसीआर कॉल के माध्यम से सूचना मिली कि 30 तुगलाक़ क्रेसेंट कोठी के अंदर आग लगी है। ये कोठी माननीय उच्च न्यायालय, दिल्ली के न्यायमूर्ति, यशवंत वर्मा को आवंटित है। इसमें तुरंत दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया। आग कोठी के एक कोने में चारदिवारी से लगे हुए कुछ कमरे हैं, उनमें लगी थी। इन कमरों का इस्तेमाल स्टोर के रूप में किया जाता था। इन्हीं में से एक कमरे में कोठी पर तैनात कुछ सुरक्षाकर्मी भी रहते हैं। आग पे तुरंत काबू किया गया। प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।

घटनाक्रम की समयरेखा

विवाद की शुरुआत 14 मार्च की रात को हुई जब लुटियन्स दिल्ली स्थित न्यायमूर्ति वर्मा के सरकारी आवास पर आग लगने की सूचना मिली। दिल्ली फायर सर्विस को रात 11:35 बजे कॉल प्राप्त हुई और टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग मुख्यतः एक स्टोररूम में लगी थी जिसमें स्टेशनरी और घरेलू सामान भरा हुआ था। कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन दमकल कर्मियों को ऑपरेशन के दौरान कथित रूप से बड़ी मात्रा में नकदी मिली।

15-16 मार्च : आरोप सामने आए

प्रारंभिक रिपोर्टों में बताया गया कि न्यायमूर्ति वर्मा के आवास से करीब 15 करोड़ रुपये की बेहिसाबी नकदी मिली है। हालांकि, इसके बाद अलग-अलग दावे सामने आए। दिल्ली फायर सर्विस प्रमुख अतुल गर्ग ने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि कोई नकदी नहीं मिली, जिससे पहले की मीडिया रिपोर्टों पर सवाल उठे।

21 मार्च : इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन का विरोध

इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन (एचसीबीए) ने न्यायमूर्ति वर्मा के तबादले का कड़ा विरोध किया। एसोसिएशन ने एक प्रेस विज्ञप्ति और मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजकर विरोध दर्ज कराया। अध्यक्ष अनिल तिवारी ने कहा, "इलाहाबाद हाईकोर्ट कोई कूड़ेदान नहीं है कि जिसे वहां भेज दिया गया है।" उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की कमी और नियुक्तियों के अभाव को उठाया और चेतावनी दी कि यदि जरूरत पड़ी तो वे अदालत का कार्य अनिश्चितकाल तक बंद कर देंगे।

सरकार ने घटाया राजस्व संग्रह लक्ष्य

- 1219.80 करोड़ रुपये की कम

निज संवाददाता | पटना

खान एवं भू-तत्व विभाग ने वर्ष 2024-25 के राजस्व संग्रहण के लक्ष्य में 1219.80 करोड़ रुपये की कमी कर दी है। वर्ष के प्रारंभ में विभाग ने 5489.03 करोड़ राजस्व वसूलने का लक्ष्य रखा था, जिसे अब घटाकर नया लक्ष्य 4269.23 करोड़ रुपये कर दिया गया है। खान एवं भू-तत्व विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पिछले कई महीनों से हो रही नियमित विभागीय समीक्षा बैठक में कई जिलों से राजस्व संग्रहण की गति बहुत धीमी की जानकारी सामने आ रही थी। गौरतलब है कि खान एवं भूतत्व विभाग के राजस्व संग्रहण का बड़ा हिस्सा बालू खनन और बिक्री से आता है।

215 बच्चों की होगी मुफ्त क्लेफ्ट सर्जरी, कटे तालु और होंठ वाले बच्चों को मिलेगा नया जीवन

निज संवाददाता | पटना

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि राज्य में जन्मजात विकृतियों से जूझ रहे बच्चों के लिए मुफ्त क्लेफ्ट सर्जरी की शुरुआत हो चुकी है। श्री पांडेय ने रविवार को कहा कि पूर्वी चंपारण के रक्सौल स्थित डंकन हॉस्पिटल में 23 से 27 मार्च तक चलने वाले इस विशेष कैंप में आठ जिलों के 215 बच्चों की निःशुल्क सर्जरी की जा रही है। इसमें कटे तालु, होंठ और हकलाने की समस्या से पीड़ित बच्चों को नया जीवन देने का लक्ष्य है। सर्जरी के लिए चयनित जिलों में पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी और मधेपुरा शामिल है।

अमित शाह के दौरे से पहले बिहार बीजेपी के नेताओं का दिल्ली में जुटान

पटना (नि.सं.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दो दिवसीय बिहार दौरे से पहले आगामी 26 मार्च को बिहार भाजपा के नेताओं का दिल्ली में जुटान होगा। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ संजय जायसवाल के आवास पर होने वाली इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, बिहार भाजपा प्रभारी विनोद तावड़े भी मौजूद रहेंगे। बिहार भाजपा के अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा सहित अन्य नेता भी इस बैठक में शामिल होंगे। पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार संसद सत्र के दौरान बिहार भाजपा के कोई न कोई एक सांसद अपने सरकारी आवास में रात्रि भोज का आयोजन किया करते हैं। इस बार 26 मार्च को भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ संजय जायसवाल अपने आवास पर रात्रि भोज का आयोजन कर रहे हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

नन्हें बच्चों ने किया नृत्य, पौधे दे दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

गया। आरंभिक प्ले हाउस में बिहार दिवस धूमधाम से मनाया गया। स्कूल के निदेशक विनीत कुमार और सचिव रजनीश कुमार ने बच्चों को बताया कि 22 मार्च को बिहार दिवस मनाया जाता है। बिहार भारत का अभिन्न अंग है, जो उत्तर-पूर्व में स्थित है। यह 22 मार्च 1912 को बंगाल से अलग हुआ था। इसी कारण हर साल इस दिन को बिहार दिवस के रूप में मनाया जाता है। व्यवस्थापक मृगांक नारायण सिंह और अलका सिंह ने बच्चों को बताया कि एक बिहारी सब पर भारी। हर बिहारी को अपने राज्य पर गर्व होना चाहिए। बिहार की राजधानी पटना है। डांस टीचर गौतम सर ने ''जय बिहार'' गाने पर बच्चों को नृत्य करवाया। बच्चे झूमते नजर आए। स्कूल के बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। आते-जाते लोगों को उपहार स्वरूप पौधे भेंट किए।

हर तरह की सेवइयां मिल रहीं, टोपी, गमछा व रुमाल की भी दुकानों में रौनक

बिहारशरीफ। अल्लाह की रहमत व बरकत वाला माह-ए-रमजान अब विदा होने को है। ईद की खुशियां घरों पर दस्तक देने ही वाली है। त्योहार को लेकर बाजार सज गयी हैं। ईद में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की दुकानें मौसमी कारोबारियों द्वारा सजाई गयी है। दुकानदारों ने ईद में बिक्री होने वाले समानों से अपनी दुकानों को पाट रखा है। कहीं सेवइयां, लच्छे, अनेक प्रकार की टोपियां तो कहीं तस्वीह के दानों की दुकानें सजकर तैयार है। थोक व खुदरा कारोबार से जुड़े व्यापारियों की सक्रियता बढ़ गई है। स्थिति यह है कि मंडियों व थोक से खरीदारी कर अब खुदरा दुकानदार मोहल्लों में खुली दुकानों को सजा दिया है। बाजार में हर प्रकार की टोपी भी आ चुकी है। रुमाल, अतर, गमछा व अन्य समानों की दुकानों में भी अभी से ही भीड़ जुटने लगी है। लेकिन ईद को लेकर सबसे अधिक सेवई व लच्छे की दुकानों पर ही ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। ईद पर पकवानों के सेवन की अलग मान्यता है। कहा जाता है कि इस दिन सेवई-लच्छे व अन्य मीठे चीजों का सेवन इसलिए किया जाता है, क्योंकि ये आपसी तालमेल और रिश्ते में मिठास भरता है। लोग इसे खाने के अलावा एक दूसरे को उपहार में भी देते हैं और भाईचारे में मिठास की कामना करते हैं। लाखों का होगा व्यापार कारोबारियों की मानें तो रमजान व ईद में बिहारशरीफ में लाखों रुपये का केवल सेवई व लच्छे का व्यापार होगा। बिस्किट गली के दुकानदार मो. इकराम उद्दीन ने बताया कि बाजार में हर प्रकार के सेवई व लच्छे उपलब्ध हैं। इसमें महीन सेवई सादी 80 से 110 रुपये प्रति किलो, मोटी सेवई 90 से 140 रुपये प्रति किलो, सादी महीन सेवई 24 से 28 रुपये पैकेट प्रति 150 ग्राम, मोटी सेवई 12 से 15 रुपये प्रति 100 ग्राम के पैकेट में, लच्छा रिफाइंड 140 से 180 रुपये तक, लच्छा सेवई उत्तम 150 से 250 रुपये प्रति किलो, बंगाली लच्छा 180 से 220 रुपये प्रति किलो तक की दर पर बाजार में उपलब्ध है।

बौद्ध भिक्षुओं ने राजगीर से बोधगया के लिए शुरू की पैदल धम्म पदयात्रा

राजगीर। शांति और प्रेम का संदेश देने के उद्देश्य से थाईलैंड के 324 बौद्ध भिक्षुओं ने शुक्रवार को राजगीर से बोधगया के लिए पैदल धम्म पदयात्रा शुरू की। धम्म पदयात्रा 22 दिनों तक चलेगी। इससे जुड़े बौद्ध भिक्षु भगवान बुद्ध से जुड़े स्थलों पर जाएंगे। इस अवसर पर बौद्ध गुरु अचान चरन ने कहा कि आज पूरी दुनिया कई चुनौतियों से गुजर रही है। दुनिया को केवल आर्थिक या तार्किक नेताओं की नहीं, बल्कि आध्यात्मिक नेताओं की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि धम्म का अर्थ है सद्गुण, धार्मिकता, सामाजिक कर्तव्य, ब्रह्मांडीय कानून और व्यवस्था। धम्म की खोज करते हुए, हम प्रकृति की सुंदरता और सादगी में ध्यान कर रहे हैं। प्रधान बौद्ध भिक्षु डा. वांग यिहान ने कहा कि बौद्ध भिक्षु जब अपने दिमाग के बारे में बात करते हैं तो वे अपने दिल की ओर इशारा करते हैं। बौद्ध भिक्षु मागबो शोआ ने कहा कि राजकुमार के रूप में जन्मे गौतम बुद्ध ने सत्य के लिए राजपाट और घर को छोड़ दिया था।

छात्र व उनके माता-पिता बिना संकोच अपने विचार साझा करें

राजगीर। बिहार दिवस पर ऑल सेंट्स स्कूल ने एक नई पहल करते हुए "हम सब की बात" शुरू की है। जिसमें छात्रों और अभिभावकों को अपनी भावनाएं, सुझाव और विचार साझा करने का अवसर दिया जा रहा है। इस पहल के तहत स्कूल परिसर में एक ड्रॉप बॉक्स स्थापित किया गया है। जहां छात्र और अभिभावक अपनी "मन की बात" लिखकर डाल सकते हैं। निदेशक डा. राजेश नंदन ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों और माता-पिता के विचारों को समझना, उनकी चिंताओं को सुनना और संवाद की एक नई परंपरा को बढ़ावा देना है। छात्रों और अभिभावकों की भावनाओं को समझना और उन पर विचार करना शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बना सकता है। विद्यालय की प्रधानाचार्या मीनाक्षी ने बताया कि हम चाहते हैं कि हमारे छात्र और उनके माता-पिता बिना किसी संकोच के अपने विचार साझा करें। यह ड्रॉप बॉक्स एक ऐसा मंच होगा, जहां वे अपनी समस्याएं, इच्छाएं और सुझाव खुलकर रख सकेंगे। बिहार दिवस पर स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम, पोस्टर प्रतियोगिता और परिचर्चा सत्र का आयोजन किया गया। छात्रों ने बिहार के गौरवशाली इतिहास पर आधारित प्रस्तुति दी। इस पहल की प्रशंसा करते हुए कई अभिभावकों ने कहा कि हम सबकी बात न केवल संवाद को मजबूत करेगा बल्कि स्कूल और परिवार के बीच रिश्ते को और अधिक मजबूत बनाएगा।

नालंदा में आज निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नालंदा। नालंदा जिले के नागरिकों के लिए एक राहत भरी खबर है। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की जिला शाखा नालंदा द्वारा आज एक साप्ताहिक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर सुबह 7:30 बजे से 9:00 बजे तक भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के जिला कार्यालय, बिहार शरीफ में संचालित होगा। इस स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित चिकित्सक अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। डॉ. विपिन कुमार वर्मा (शिशु रोग विशेषज्ञ), डॉ. सुमित राज (हड्डी एवं नस रोग विशेषज्ञ), डॉ. दीनानाथ वर्मा और डॉ. अखिलेश कुमार (फिजिशियन), डॉ. प्रशांत कुमार (नेत्र रोग विशेषज्ञ), डॉ. उदय देव रंजन (दंत रोग विशेषज्ञ), डॉ. मोहम्मद शहजाद आलम (फिजियोथैरेपिस्ट) तथा डॉ. गौतम कुमार (होम्योपैथिक चिकित्सक) सहित कई विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद रहेंगे।

शुगर जांच भी निःशुल्क की जाएगी: भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के जिला सचिव ने बताया कि इस शिविर में आने वाले सभी रोगियों की शुगर जांच भी निःशुल्क की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि होम्योपैथिक चिकित्सा की सुविधा भी नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को भी बढ़ावा मिलेगा। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के जिला अध्यक्ष ने सभी नागरिकों से इस शिविर का लाभ उठाने और अपने स्वास्थ्य की नियमित जांच कराने की अपील की है। उन्होंने कहा, "स्वस्थ जीवन की ओर एक कदम बढ़ाएं और अपने परिवार के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें।"

गया में हत्या के मामले में 7 की हुई गिरफ्तारी

गया। गया के कोंच थाना क्षेत्र में हत्या हुई थी। पुलिस ने महज 2 घंटे में 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एसडीपीओ ने बताया कि शनिवार को वादी विवेक कुमार ने शिकायत दी कि वह सड़क किनारे गेहूं भून रहा था। इसी दौरान रमेश मिस्त्री अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और भुना हुआ गेहूं मांगने लगा। जब मना किया गया, तो उसने गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान वादी के फूफा ने बीच-बचाव किया, तो आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया और उनकी इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पुलिस की रणनीति और कार्रवाई: डीएसपी टिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। इस टीम में कोंच थाना प्रभारी, अन्य पुलिसकर्मी और गया पुलिस की तकनीकी शाखा को शामिल किया गया। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस टीम ने तकनीकी जांच और सूचना संकलन कर महज 2 घंटे में 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अन्य फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है।

मजदूरी के लिए चेन्नई जाने से पहले युवक की हत्या

निज संवाददाता। गया

गया के अतरी में शनिवार की रात घर में सो रहे एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली चलने के बाद युवक की पत्नी की नींद खुली और उसने शोर मचाना शुरू किया। महिला के शोर मचाने के बाद अपराधी घटनास्थल से फरार हो गए। उधर, मौके पर पहुंचे गांव के लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मामले की जांच में जुट गई। घटना टेंटुआ टांड़ इलाके की है। मृतक की पहचान सुबोध चौधरी के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, शुरुआती जांच के दौरान पुलिस ने मृतक की पत्नी का

मोबाइल जब्त कर लिया है। अतरी थाना के थानेदार नीरज कुमार सिंह का कहना है कि युवक की हत्या की गई है, लेकिन हत्या की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाई है। मृतक की पत्नी समेत अन्य परिजन और गांव के लोगों से जानकारी जुटाने के साथ-साथ पूछताछ चल रही है। डॉग स्क्वायड की टीम बुलाई गई है।

पत्नी बोली- साथ सोई थी, गोली चलने की आवाज से नींद खुली: सुबोध की पत्नी ने बताया

- घर में घुसकर सिर में मारी गोली, शक के आधार पर पत्नी का मोबाइल जब्त, पड़ताल जारी

कि मैं शनिवार की रात खाना खाकर बेटे और पति सुबोध के साथ सो रही थी। बगल के कमरे में सास, ससुर सो रहे थे। देर रात करीब साढ़े बारह बजे अचानक मैंने गोली चलने की आवाज सुनी और मेरी नींद खुली। मैं उठी तो देखा कि एक युवक भाग रहा है और उनके हाथ में पिस्टल है। अंधेरा होने की वजह से मैं उसका चेहरा नहीं देख पाई। पति की ओर देखा तो उनके सिर से खून निकल रहा था। मैंने शोर मचाना शुरू किया जिसके बाद बगल के कमरे में सो रहे सास ससुर उठकर आए और फिर गांव के लोगों के साथ-साथ पुलिस को सूचना दी गई।

गांव के लोगों ने मृतक की पत्नी पर ही जताया शक: मृतक की पत्नी ने बताया कि बदमाश दरवाजे के एक पल्ले को उखाड़ कर घर मे घुसे थे, लेकिन इसकी भनक नहीं लगी। इस बात को लेकर गांव के लोग मृतक की पत्नी पर ही शक जता रहे हैं कि आखिर कैसे कोई दरवाजा तोड़ रहा है, कमरे के अंदर एंट्री कर रहा है और मृतक की पत्नी को जानकारी नहीं होती है। जानकारी के जुटाने के बाद पुलिस भी फिलहाल इसी एंगल से मामले की जांच में जुट गई है। सुबोध के मोबाइल को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है।

सांप्रदायिक हिंसा और हत्या के प्रयास मामले में 4 गिरफ्तार

निज संवाददाता। गया

गया पुलिस ने अपराधियों पर नकेल कसते हुए दो अलग-अलग मामलों में त्वरित कार्रवाई की। हत्या के प्रयास और साम्प्रदायिक हिंसा के मामलों में कुल चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।

जमीनी विवाद में हमला, मुख्य आरोपी गिरफ्तार: घटना 18 मार्च 2025 की है। वादी ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि सरोज कुमार ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर जमीनी विवाद को लेकर गाली-गलौज किया। विरोध करने पर लोहे की रॉड से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस मामले में पंचानपुर थाना कांड संख्या-66/25 के तहत हत्या के प्रयास सहित कई धाराओं में केस दर्ज किया गया। 8स मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्ष को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। पंचानपुर पुलिस ने छापामारी कर मुख्य आरोपी सरोज कुमार को गिरफ्तार कर लिया। अन्य आरोपियों की तलाश अभी जारी है।

साम्प्रदायिक तनाव में तीन गिरफ्तार: दूसरी घटना 15 मार्च की है। आंती गांव में दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। सूचना पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी टिकारी और आंती थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचे और स्थिति को काबू में किया। इस मामले में आंती थाना कांड संख्या 37/25 के तहत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया। 21 मार्च को पुलिस ने छापेमारी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पकड़े गए अपराधियों में टुलु पासवान उर्फ विनोद पासवान, पिता कृष्णा पासवान, तारीक अनवर, पिता स्व. मो. सहरेयार, हसिम, पिता मो. इदरिस।(तीनों निवासी आंती, थाना आंती, जिला गया) जिला पुलिस का कहना है कि कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

नालंदा में राष्ट्रगान अपमान पर कांग्रेस का प्रदर्शन

निज संवाददाता। नालंदा

बिहार शरीफ के हरदेव चौक पर रविवार को जिला कांग्रेस के नेतृत्व में विरोध-प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला दहन किया गया। प्रदर्शन का मुख्य कारण मुख्यमंत्री के कथित तौर पर राष्ट्रगान का अपमान करना बताया गया। जिला कांग्रेस नालंदा के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। अस्पताल चौराहा पर हुए इस विरोध-प्रदर्शन में प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी की और उनका पुतला जलाया।

किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेंगे: जिला अध्यक्ष जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राष्ट्रगान का अपमान किया है। यह अपमान सिर्फ नीतीश ही नहीं, बल्कि पूरी मोदी सरकार द्वारा देश के पूर्वजों और राष्ट्रीय धरोहरों का किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से माफी मांगने, सरकार को बर्खास्त करने और उन्हें मानसिक दिवालियापन घोषित करने की मांग की। सिंह ने आगे कहा कि "हम इन मुद्दों पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेंगे और जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होतीं, हमारा विरोध-प्रदर्शन जारी रहेगा।" पार्टी कार्यालय से निकलकर कांग्रेसियों का जत्था हरदेव चौराहा पहुंचा और मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया।

राजवंशी समाज ने मनाया भव्य जयंती समारोह

निज संवाददाता। नालंदा

- राजगीर पहुंचे देश समेत नेपाल के प्रतिनिधि, सामाजिक एकता और चेतना पर केंद्रित सम्मेलन

भारतीय रजवार राजवंशी समाज द्वारा राजगीर में एक भव्य जयंती समारोह सह सम्मेलन का आयोजन किया गया। "सामाजिक एकता एवं चेतना" विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन नवादा के जिला परिषद अध्यक्ष पुष्पा देवी ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य पार्षद जीरो देवी राजगीर एवं उपमुख्य पार्षद मुन्नी देवी भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस अवसर पर 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों जवाहिर राजबार, क़ारू राजबार और एतबारी राजबार का जयंती समारोह भी मनाया गया। इन वीर स्वतंत्रता सेनानियों ने अंग्रेजों के खिलाफ राजगीर, नवादा और गया के जंगलों में संघर्ष किया था। समारोह में बोलते हुए रजवार समाज के महासचिव श्याम देव राजवंशी ने कहा की इस सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव से पूर्व बिखरे हुए राजवंशी समाज को एकजुट करना है। हम चाहते हैं कि हमारा समाज राजनीतिक रूप से भी सशक्त हो और आने वाले विधानसभा चुनावों में टिकट की दावेदारी कर सके।" सम्मेलन में न केवल भारत के विभिन्न राज्यों बल्कि नेपाल से भी प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़ से लगभग 50 प्रतिनिधि, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड से 10-11 प्रतिनिधि और नेपाल से भी 10 प्रतिनिधि सम्मेलन में शामिल हुए।

भविष्य की रणनीति तय करने का अवसर: राजवंशी समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने बताया कि यह सम्मेलन वीर शहीदों की स्मृति को सम्मानित करने के साथ-साथ समाज के भविष्य की रणनीति तय करने का अवसर भी है। समाज के युवाओं ने भी बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में भाग लेकर अपनी ऐतिहासिक विरासत से जुड़ने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए और राजवंशी समाज के इतिहास और योगदान पर प्रकाश डाला गया। समारोह का समापन समाज के सदस्यों द्वारा आपसी एकता और समन्वय बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ। आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर राजवंशी समाज के लोग कटिबद्ध दिखें।

गया में मां मथुरासिनी महोत्सव की निकली शोभायात्रा

निज संवाददाता। गया

गया में चैत्र कृष्ण अष्टमी पर मां मथुरासिनी महोत्सव की शोभायात्रा निकाली गई। माहुरी समाज के इस 3 दिवसीय आयोजन में भक्तों का सैलाब उमड़ा। पूरा शहर मां की भक्ति में रंगा दिखा। सुबह गोसांईबाग स्थित माहुरी वैश्य मंडल भवन से मां मथुरासिनी की शोभायात्रा निकली। पहले विशेष पूजन हुआ। श्रद्धालुओं ने पीले वस्त्र धारण कर शोभायात्रा में भाग लिया। गुरुद्वारा रोड, स्टेशन रोड, टेकारी रोड, गोल पत्थर, जीबी रोड, रमना, रीवर साइड रोड, किरानी घाट होते हुए यात्रा निकली। रास्ते भर जयकारे गूंजते रहे। फूलों और झालरों से सजा भव्य रथ पर मां की प्रतिमा विराजमान थी। श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए रथ के साथ चल रहे थे। हर तरफ भक्ति

का माहौल था।

बुजुर्गों के लिए विश्राम केंद्र, चिकित्सा सुविधा थी: मेयर गणेश पासवान, पूर्व मेयर मोहन श्रीवास्तव, डॉ. प्रेम कुमार, समाजसेवी राजू बरनवाल समेत कई गणमान्य लोग शोभायात्रा में शामिल हुए। समाज के विभिन्न संगठनों ने भी भाग लिया। श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा ख्याल रखा गया। बुजुर्गों के लिए विश्राम केंद्र, चिकित्सा सुविधा और बैठने की विशेष व्यवस्था थी। मंदिर में विशेष पूजा, भंडारा और शोभायात्रा दोपहर 12:30 बजे मां मथुरासिनी मंदिर, जनकपुर (मानपुर) पहुंची। यहां हवन, आरती और विशेष पूजन हुआ। श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया। 25 मार्च को माता का जागरण और 30 मार्च को महाभंडारा होगा। समाज के सहयोग से आयोजन भव्यता से हो रहा है। माहुरी वैश्य मंडल के सदस्यों ने इस महोत्सव को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- रथ पर मां की प्रतिमा रही आकर्षण का केंद्र, श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए बढ़ते रहे

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में पहले दिन 547 मरीजों का इलाज

निज संवाददाता। गया

गया में समाजसेवी, शिक्षाविद जगजीवन कॉलेज के संस्थापक बालेश्वर प्रसाद उर्फ गुरुजी की 126 वीं जयंती के मौके पर कोलकाता, उड़ीसा, दिल्ली, लखनऊ, गया के डॉक्टरों ने सेवा दी। जयंती सोहैपुर स्थित बालेश्वर वाटिका में मनाई गई। यहां स्वास्थ्य शिविर दो दिनों तक चलेगा। बताया गया कि स्वास्थ्य शिविर निःशुल्क है। इस शिविर में मानपुर और टनकुप्पा प्रखण्ड से बड़ी संख्या ग्रामीण अपना स्वास्थ्य जांच कराने पहुंचे। शिविर का उद्घाटन डॉ. सुमित कार, गोपाल कृष्ण मेहता उर्फ बबलू मेहता और डॉ. नीरज कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

बीपी, शुगर और ईसीजी जांच की सुविधा: शिविर में मरीजों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श के साथ बीपी, शुगर और ईसीजी जांच की सुविधा दी गई। आयोजक बबलू मेहता ने बताया कि शिविर में देशभर के चर्म रोग, हड्डी रोग, मूत्र रोग, गैस्ट्रो, न्यूरो, कैंसर, नेत्र, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों समेत जनरल फिजीशियन मौजूद हैं। बबलू मेहता ने बताया कि पहले दिन 547 मरीजों का इलाज किया गया। दूरदराज से भी लोग इलाज कराने पहुंचे। आयोजकों के मुताबिक, शिविर के दूसरे दिन और अधिक मरीजों की जांच व इलाज की उम्मीद है।

- बालेश्वर प्रसाद की जयंती पर डॉक्टर्स ने दी सेवा, कहा- कैंसर से संबंधित बढ़ रहा मामला

वजन घटे और मल का रंग काला पड़े तो कैंसर की संभावना: एम्स उड़ीसा के प्रोफेसर पंकज कुमार ने बताया पेट में गैस से संबंधित बीमारी की वजह से कैंसर की समस्या तेजी से सामने आ रही है। उन्होंने लोगों से अपील की तेजी से वजन घटने लगे और मल काले रंग की आने लगे तो तत्काल डॉक्टर से सम्पर्क करें। यह कैंसर का बेसिक साइन है। इस दौरान बेहतर इलाज संभव है, लेकिन घटते वजन और बदलते मल के रंग की अनदेखी जान पर भारी पड़ सकती है। शिविर में डॉ. सुमित कार, डॉ. मंटू जैन, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. अचल कुमार, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. कुमार रामकृष्ण, डॉ. विनीता शर्मा, डॉ. रौशन कुमार वर्मा सहित पूर्व सांसद रामजी मांझी, डॉ. रामकुमार मेहता, गोरेलाल, अजय मेहता, विजय मेहता और रवि मेहता मौजूद रहे।

नालंदा के अनुज हाइब्रिड स्ट्रॉबेरी की कर रहे खेती

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा के नगरनौसा प्रखंड में एक ऐसी क्रांति चल रही है, जो बिहार के खेती की कल्चर को बदल रही है। परंपरागत धान-गेहूं की खेती से हटकर यहां के किसान अब स्ट्रॉबेरी जैसी फसल की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे न केवल उनकी आय में वृद्धि हो रही है बल्कि क्षेत्र के कृषि अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा मिल रही है। इसकी पहल करने वाले हैं अनुज कुमार, जिन्होंने अपने लगभग दो एकड़ जमीन पर स्ट्रॉबेरी और लहसुन की हाइब्रिड खेती का एक अनोखा उदाहरण पेश किया है। अनुज द्वारा उगाई गई स्ट्रॉबेरी न केवल बिहार के बाजारों में बल्कि कोलकाता और सिलीगुड़ी जैसे बाहरी बाजारों में भी अपनी पहचान बना रही है।

फसलों की वैराइटी किसानों के लिए महत्वपूर्ण: अनुज कुमार ने बताया कि स्ट्रॉबेरी की खेती से प्रति एकड़ दो से तीन लाख रुपए का मुनाफा आसानी से कमाया जा सकता है, जो परंपरागत फसलों से कहीं अधिक है," उन्होंने आगे कहा कि यदि सरकार इस क्षेत्र में स्ट्रॉबेरी प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करे, जिससे ब्यूटी और आइसक्रीम जैसे उत्पाद बनाए जा सकें, तो इसकी मांग और मुनाफा दोनों में और भी अधिक वृद्धि हो सकती है।" अनुज की सफलता ने क्षेत्र के अन्य किसानों को भी प्रेरित किया है। पिछले सात वर्षों में, कई किसानों ने स्ट्रॉबेरी की खेती शुरू की है, जिससे इस क्षेत्र में एक नया कृषि आंदोलन शुरू हो गया है। स्ट्रॉबेरी के साथ-साथ, अनुज शिमला मिर्च का भी सफल उत्पादन कर रहे हैं। उनका मानना है कि फसलों की वैराइटी किसानों के लिए महत्वपूर्ण है। "हमें परंपरागत खेती से आगे बढ़कर नई संभावनाओं की तलाश करनी चाहिए। इससे न केवल आय बढ़ेगी बल्कि मिट्टी की उर्वरता भी बनी रहेगी।

ड्रिप तकनीक से करते हैं सिंचाई: अनुज जल संरक्षण के महत्व पर भी जोर देते हैं और ड्रिप तकनीक से सिंचाई करते हैं।

'पुतला जलाने वालों को रांची में इलाज कराना चाहिए'

निज संवाददाता। गया

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने शनिवार को राजद पर तीखा हमला बोला है। गया में एक इफ्तार दावत में शामिल होने पहुंचे मांझी ने कहा कि राजनीति में हर किसी की अपनी सोच होती है, लेकिन कुछ लोग बिना तर्क के विरोध कर रहे हैं। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, जैसा चश्मा लगाएंगे, दुनिया वैसी ही दिखेगी। अगर हरा चश्मा पहनेंगे तो सबकुछ हरा नजर आएगा, काला चश्मा पहनेंगे तो सब काला ही दिखेगा। इसके बाद उन्होंने तुलसीदास की चौपाई का हवाला देते हुए कहा, जाकी रही भावना जैसी, प्रभु देहि मूरत तिन तैसी।

पुतला जलाने वालों पर तंज: मांझी ने राजद कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन को लेकर कहा, जो लोग पुतला जला रहे हैं, असल में उनका ही पुतला जलना चाहिए, ना कि जिनका वे पुतला जला रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग मानसिक रूप से अस्वस्थ हो चुके हैं और उन्हें रांची जाकर इलाज कराना चाहिए।

बिहार दिवस पर बधाई: इसके साथ ही मांझी ने बिहार दिवस की बधाई देते हुए कहा कि एनडीए सरकार में बिहार का विकास तेजी से हो रहा है। उन्होंने कहा कि विरोध करने वाले यह देख लें कि बिहार किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। बिहार को आगे बढ़ाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं, लेकिन कुछ लोग बेवजह राजनीति कर रहे हैं।वहीं मौर्या हाइट्स के इकबाल भाई की ओर से आयोजित इफ्तार दावत में बड़ी संख्या में लोग जुटे। भव्य तरीके से आयोजित इस दावत में शहर के कोने कोने लोग पहुंचे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

मारपीट के आरोपी की गिरफ्तारी

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के लक्ष्मी बिगहा गांव से पुलिस बलों ने मारपीट के मामले में फरार चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि लक्ष्मी बिगहा गांव निवासी स्व। दहन राजवंशी के पुत्र दिलीप राजवंशी के फर्द ब्यान पर मारपीट को लेकर थाना कांड संख्या 44/25 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद आरोपियों की तालाश में पुलिस छापेमारी कर रही थी। इसी बीच एक अभियुक्त के बारे में गुप्त सूचना मिली। सूचना के आलोक में अपर थानाध्यक्ष सह एसआई अजय कुमार ने सशस्त्र पुलिस बलों के सहयोग से वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान लक्ष्मी बिगहा गांव निवासी शिव बालक राजवंशी के पुत्र सुरेश राजवंशी के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार युवक का अस्पताल में स्वस्थ जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

बिहार दिवस पर साहित्यिक संगोष्ठी

नवादा (नि.सं.)। राष्ट्रीय साहित्यिक-सह-सांस्कृतिक संस्था शब्दवीणा की बिहार प्रदेश समिति द्वारा बिहार दिवस 2025 के अवसर पर आयोजित साहित्यिक परिचर्चा एवं काव्यांजलि में बिहार के नवादा, गया, पटना, जहानाबाद, औरंगाबाद, बेगूसराय, नालंदा, समस्तीपुर आदि जिलों के शब्दवीणा कवियों व साहित्यकारों ने बिहार के गौरवशाली अतीत, चुनौतियों से परिपूर्ण वर्तमान एवं स्वर्णिम भविष्य पर अपने विचार रखते हुए बिहार की शस्यश्यामला धरती को भावभीनी काव्यांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं शब्दवीणा गीत से हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता शब्दवीणा गया जिला संरक्षक वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रामसिंहासन सिंह ने तथा संचालन शब्दवीणा की संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. डॉ रश्मि प्रियदर्शनी ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में शब्दवीणा बिहार प्रदेश संगठन मंत्री प्रो. डॉ. दीनानाथ एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो डॉ. सुनील कुमार उपाध्याय की उपस्थिति रही। परिचर्चा एवं काव्यांजलि में डॉ रामसिंहासन सिंह, जैनेन्द्र कुमार मालवीय, डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी, अनामिका अनु, डॉ रवि प्रकाश, पंकज मिश्र, प्रो. सुशील कुमार उपाध्याय, प्रो. दीनानाथ, डॉ गोपाल निर्दोष, ललित शंकर, दीपक कुमार, अनिल कुमार, सुरेश विद्यार्थी, गोविंद सिंह भारद्वाज, सावन कुमार ने भारत देश की प्रगति में बिहार के मूल्यवान योगदान, कुछ प्रदेशों में मेहनती व प्रतिभावान बिहारियों के साथ किये जा रहे अनुचित दुर्व्यवहार एवं बिहार में कैसे रहेगी बहार विषयों पर विचार प्रकट करते हुए अपनी स्वरचित रचनाएँ पढ़ीं। डॉ रश्मि ने 'है गौतम की जो तपोभूमि, गंगा-फल्गू की जहाँ धार। हैं जहाँ नारियाँ सीता-सी वह है अपना प्यारा बिहार' जैसी पंक्तियों द्वारा बिहार की गौरवमयी महिमा का सारगर्भित चित्रण किया। शब्दवीणा बिहार प्रदेश साहित्य मंत्री एवं जहानाबाद जिला अध्यक्ष ललित शंकर की पंक्ति 'नालंदा की ईंट में छिपा ज्ञान का सार। विश्व गुरु की राह में, जग में था विस्तार' को भी बहुत सराहना मिली। जहानाबाद के ही वरिष्ठ कवि दीपक कुमार की 'हे भइया मिल के गावा महिमा बिहार के' एवं 'दिवस का मेला ताम-झाम का, निशा गहनतम निरा अकेली' तथा अनिल कुमार की 'हम वेद पाठ करने वाले सन्यासी हैं। हम त्रिभुवन की शुभ शांति के अभिलाषी हैं' पर खूब वाहवाहियाँ लगीं। शब्दवीणा के गया जिला अध्यक्ष जैनेन्द्र कुमार मालवीय की 'हरि अनंत हरि कथा अनंता चहुंओर विस्तार है। धन्य, धन्य है देवभूमि ये, धन्य बिहार हमार है' तथा पटना जिला साहित्य मंत्री प्रो। डॉ. सुनील कुमार उपाध्याय की 'आई, आई, हे गणेश जी पधारी अंगना, लेखनी में धार रहीं, आई जंग ना' एवं 'नगरिया छोड़ी जाए के पड़ी' की मधुर प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। राष्ट्रीय उप संगठन मंत्री पंकज मिश्र की 'मगध की पावन धरती में शूरवीरों की निशानी है। बिहार की अमर कहानी है' तथा कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ। राम सिंहासन सिंह की 'कैसे तुझे पुकारूँ मन में भाव अनेकों उठते। नये नये अक्षर भी जुटते। कैसे तुझे संवारूँ' पंक्तियाँ स्वयं में बिहार और भारत देश के प्रति असीम श्रद्धा के भाव पिरोये हुई थीं। शब्दवीणा बिहार प्रदेश प्रचार मंत्री एवं नवादा जिला अध्यक्ष डॉ। गोपाल निर्दोष की 'आँख खोलकर दुनिया देखे, क्या गजब आज हो गया। अपना बिहार फिर से देश का सरताज हो गया' सुनकर मंच जय बिहार, जय भारत के नारों से गूंज उठा। शब्दवीणा बेगूसराय जिला साहित्य मंत्री गोविंद सिंह भारद्वाज की 'महावीर, गुरुगोविंद सिंह का, है ये जन्म स्थान। गर्व है हमें बिहार पर, बिहारी होने का हमें अभिमान' तथा गया जिला उपाध्यक्ष कवयित्री अनामिका अनु की सीता की यह भूमि है, पावन पूज्य बिहार। काव्य की बहती धारा। ज्ञान का भरा पिटारा। चंद्रगुप्त का शौर्य है, अशोक की तलवार' रचनाओं ने भी बिहारवासियों के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला। शब्दवीणा नवादा जिला कोषाध्यक्ष कवि सावन कुमार ने देश प्रेम पर रचना पढ़ी, तो औरंगाबाद जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार विद्यार्थी ने औरंगाबाद की महत्ता पर कविता पढ़ी। डॉ रश्मि ने शब्दवीणा बिहार प्रदेश सचिव व समस्तीपुर के वरिष्ठ कवि अर्जुन प्रभात द्वारा प्रेषित रचना 'बाल अरुण की नवल रश्मियाँ पहनाती हैं हार। धर्म भूमि है, कर्म भूमि यह अपना राज्य बिहार' कविता पढ़कर सुनाया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण शब्दवीणा केन्द्रीय पेज फेसबुक पेज से किया गया, जिससे जुड़े शब्दवीणा बिहार प्रदेश संरक्षक प्रो। सुबोध कुमार झा, आर। के। निगम, अर्जुन प्रभात, डॉ आशा मेहर किरण, डॉ। वीरेन्द्र कुमार, प्रो। दीनानाथ, पुरुषोत्तम तिवारी, प्यारचन्द कुमार मोहन, डॉ। रवि प्रकाश, सुनील कुमार सिन्हा, ज्ञानेन्द्र मोहन ज्ञान, विनोद मिश्र, दुर्गा दांगी, फतेहपाल सिंह सारंग, दिनेश कुमार, रामधन राम एवं हजार से अधिक दर्शक एवं श्रोताओं ने प्रतिभागी कवियों व साहित्यकारों का अपनी टिप्पणियों द्वारा उत्साह वर्द्धन किया।

चुनाव को लेकर हुई जदयू की बैठक

नवादा (नि.सं.)। जिले के वारिसलीगंज रेलवे स्टेशन रोड के पास CPI के दिवंगत पूर्व विधायक देवनन्दन प्रसाद के मकान स्थित जदयू कार्यालय में रविवार को प्रखंड एवं नगर JDU के बूथ अध्यक्षों की संयुक्त रूप से बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जदयू प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार राय ने की। कार्यक्रम में पहुंचे वारिसलीगंज विधानसभा प्रभारी मो। सादिक अख्तर ने हर बूथ, ग्यारह यूथ के संकल्प को दोहराते हुए एक सप्ताह के भीतर प्रखंड एवं नगर की सभी बूथ कमिटी का गठन करने का आग्रह किया। उन्होंने वारिसलीगंज विधानसभा क्षेत्र में अभियान चलाकर कलम बांटने की घोषणा की ताकि नफरत को तिलांजलि देकर प्यार का अलख जगाया जा सके। कार्यकर्ताओं की भावना को देखते हुए मो। सादिक ने वारिसलीगंज विधानसभा क्षेत्र से JDU उम्मीदवार बनाए जाने की पार्टी नेतृत्व से मांग की। मो। अख्तर के साथ गया से पहुंचे पत्रकार मो। शफी तथा मो। सुहैल को अंग वस्त्र तथा फूल माला पहनाकर सम्मानित किया गया। बिहार प्रदेश जदयू महिला प्रकोष्ठ की महासचिव सह वारिसलीगंज के पूर्व सीपीआई विधायक देवनन्दन प्रसाद की पुत्रवधु पूर्व प्राचार्या कुसुम कुमारी मंजुबाला ने पार्टी कार्यकर्ताओं से पूरे जोश के साथ आगामी विधानसभा चुनाव में 2025 से 2030 - फिर से नीतीश के नारे को धरती पर उतारने का संकल्प दिलाया। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को अंगवस्त्र तथा फूल माला पहनाकर स्वागत किया। मौके पर जदयू जिला उपाध्यक्ष सह नए उपाध्यक्ष अरुण कुमार राय, जेडीयू जिला उपाध्यक्ष अनिल यादव, जिला महासचिव अधिवक्ता चंद्रमौलि शर्मा, जिला महासचिव संजय कुमार, जिला महासचिव महेश प्रसाद पटेल, नगर अध्यक्ष रणविजय प्रसाद, लोजपा के जिला महामंत्री पूर्व प्रखंड प्रमुख नरेश पासवान, अति पिछड़ा समन्वय समिति के प्रदेश नेता विजय कुमार राय, काशीचक प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप कुमार, प्रखंड जदयू उपाध्यक्ष अनिल कुमार, प्रखंड उपाध्यक्ष पूर्व वार्ड पार्षद सुमिता कुमारी, मीडिया प्रभारी विकास कुमार सत्री, आमोद कुमार, ललन पटेल, बिनोद कुमार सिंह, बिन्दु प्रसाद, तनवीर आलम, मो। रमापति सिंह, मनीष लाल, मंटू कुमार, बिरेंद्र चौहान, रामरतन ठाकुर आदि ने अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठन की मजबूती पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने दावत-ए-इफ्तार का किया आयोजन

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1 अणे मार्ग स्थित 'नेक संवाद' में पवित्र रमजान के अवसर पर रोजेदारों को दावत-ए-इफ्तार पर आमंत्रित किया। दावत-ए-इफ्तार में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान सहित बड़ी संख्या में रोजेदारों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। इफ्तार के पहले मित्तन घाट के सज्जादानशीं हजरत सैयद शाह शमीमउद्दीन अहमद मुनअमी ने रमजान एवं रोजे की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला और सामूहिक दुआ की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सहित आमंत्रित अतिथियों ने सामूहिक दुआ में शामिल होकर राज्य की तरक्की, प्रगति, आपसी भाईचारे एवं मोहब्बत के लिए खुदा-ए-ताला से दुआयें कीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को पुष्प गुच्छ भेंटकर तथा टोपी एवं साफा पहनाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने बारी-बारी से तमाम आगत अतिथियों एवं रोजेदारों का स्वागत किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री पंचायती राज, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, सूचना एवं जन-सम्पर्क मंत्री महेश्वर हजारी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो० जमा खान, राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा, सांसद कौशलेन्द्र कुमार सहित अन्य मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण, विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण, राज्य के वरीय प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में रोजेदार उपस्थित थे।

तेज आंधी में घर की दीवार गिरने से महिला की हुई मौत

सहरसा (नि.सं.)। सहरसा में तेज बारिश और आंधी के कारण एक बड़ा हादसा हुआ है। नगर निगम के वार्ड 28 में अहले सुबह एक घर की दीवार गिर गई। इस हादसे में तीन लोग दब गए। दीवार गिरने से 48 वर्षीय रुखसाना खातून की इलाज के दौरान मौत हो गई। उनके साथ उनके भाई मोहम्मद इकबाल (25) और बहन शहबाना (20) भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। रुखसाना के परिवार ने बताया कि उनके पति की मौत 2020 में कोरोना से हो गई थी। लेकिन अभी तक उन्हें इसका कोई मुआवजा नहीं मिला है।

अखिल भारतीय पान महासंघ ने महारैली का किया आयोजन

समस्तीपुर (नि.सं.)। अखिल भारतीय पान महासंघ की ओर से पान समाज के लोगों की महारैली ताजपुर एल के भी डी कॉलेज मैदान में आयोजित की गयी। पान,तांती,ततवा समाज के लोगों ने इस समाज के अनुसूचित जाति में वापसी और समाज को राजनीतिक भागीदारी दिलाने का संकल्प लिया। इस मौके पर अखिल भारतीय पान महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ई आई पी गुप्ता ने कहा कि यह आंदोलन और हांको रथ हम पान हैं। कार्यक्रम उनके समाज के बच्चों के भविष्य और समाज के युवाओं को राजनीतिक भागीदारी दिलाने के लिए है। यह तब तक जारी रहेगा जब तक इस समाज को एससी में आरक्षण वापसी नहीं हो जाता है और हमारे समाज के लोगों को राजनीतिक भागीदारी नहीं मिल जाती।

सोशल मीडिया पर हथियार लहराना युवक को पड़ा महंगा

» युवक हाथ में हथियार लेकर वीडियो बनाया। फिर युवक ने अपने क्षेत्र में अपना भौकाल टाइट करने को लेकर उस वीडियो को सोशल मीडिया पर डाल दिया।

निज संवाददाता | मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में सोशल मीडिया पर हथियार लहरा कर भौकाल टाइट करना एक युवक को महंगा पड़ गया। वरीय अधिकारियों के संज्ञान में मामला आते ही पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बता दें कि दरअसल पूरा मामला मुजफ्फरपुर जिले के सकरा थाना क्षेत्र के एक गांव का है। जहाँ का रहने वाला एक युवक हाथ में हथियार लेकर वीडियो बनाया। फिर युवक ने अपने क्षेत्र में अपना भौकाल टाइट करने को लेकर उस वीडियो को सोशल मीडिया पर डाल दिया। जिसके बाद उस युवक का हथियार के साथ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा। वही इस वायरल वीडियो के संज्ञान में आते ही ग्रामीण एसपी विद्या सागर ने सकरा थाना प्रभारी राजू कुमार पाल को जांच कर कारवाई का निर्देश दिया। वही ग्रामीण एसपी के निर्देश के आलोक में सकरा थाना प्रभारी राजू कुमार पाल ने मामले का सत्यापन कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद अब न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बता दें की आये दिन पुलिस की ओर से हथियार नहीं लहराने की अपील की जाती है। फिर भी लोग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ आ रहे हैं। इसी कड़ी में यह कार्रवाई की गयी है।

जन-जागृति फाउंडेशन का दूसरा कारवां पहुंचा ऐतिहासिक गांव हंड़िया

निज संवाददाता | नवादा

नवादा के चहुंमुखी विकास के लिए चलाए जा रहे जन जागृति फाउंडेशन के द्वारा जन-जागरण अभियान का दूसरा कारवां पूरे दल बल के साथ जिला के नारदीगंज प्रखंड के ऐतिहासिक गांव हंड़ियां पहुंचा। जहां फाउंडेशन के संयोजक, नवादा के चर्चित शिक्षाविद, गरीबों के हमदर्द, समाजसेवी डॉ अनुज सिंह ने ऐतिहासिक द्वापर कालीन सूर्य मंदिर में पूजा आराधना कर ग्रामीणों के बीच जाकर जन-संवाद किया। जन संवाद को संबोधित करते हुए डॉ अनुज ने कहा कि यह अभियान नवादा विधानसभा के शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार, एव्रं सुरक्षा के लिए समर्पित है। आज भी हमारा नवादा विधानसभा राजनीतिक एवं सामाजिक स्तर से पिछड़ा हुआ है जिस पर किसी भी प्रतिनिधि का कोई ध्यान नहीं है।आज तक जो भी यहां के जन प्रतिनिधि हुए हैं, उन्होंने केवल अपनी सुख सुविधा लेने का काम किया। जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास किसी ने नहीं किया है। यहां तक कि पार्टी के द्वारा कभी-कभी तो नवादा के बाहरी लोगों को भी टिकट देकर जनप्रतिनिधि बना दिया जाता है और स्थानीय लोगों पर ध्यान नहीं दिया जाता है। हमने थोड़े से प्रयास से नवादा को शिक्षित करने का बीड़ा उठाया है, जिसका परिणाम है कि अब आपके जिला को पहली बार अपना विश्वविद्यालय मिलने जा रहा है, पर केवल शिक्षा से हमारा नवादा का विकास नहीं होगा। हम कुछ वैसा करेंगे, जिससे यहां के लोगों को रोजगार मिल सके। स्वास्थ्य का समुचित उपाय हो, कृषि समस्याओं का समाधान हो, साथ ही साथ नवादा के जन-जन की सुरक्षा हो। उन्होंने अपने संवाद में मौके पर उपस्थित ग्रामीणों से आने वाले विधानसभा चुनाव में साथ देने की अपील की ताकि एक सशक्त जनप्रतिनिधि के रूप में नवादा विधानसभा का प्रतिनिधित्व मजबूती से कर सके। हम नवादा को राष्ट्रीय स्तर पर एक विकसित जिला के रूप में देखना चाहते हैं और यह तभी संभव होगा जब जनता जनार्दन का हमें सहयोग मिलेगा।हमारा काम जाति धर्म से ऊपर उठकर होगा। आज नवादा की बदहाली के लिए यहां के जनप्रतिनिधि जिम्मेदार है। मैं जनता जनार्दन को यह विश्वास दिलाता हूं कि अगर आपका सहयोग हमें मिला तो निश्चित आपके विश्वास पर खड़ा रहूंगा। मेरा प्रयास है कि हम नवादा के हर गांव जाकर लोगों को जगाने का काम करें, इसलिए यह अभियान चलाया जा रहा है। मौके पर उपस्थित समाजसेवी में से अनिल कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में नवादा विधानसभा में शिक्षित एवं योग उम्मीदवार के रूप में अनुज सिंह के अलावा कोई विकल्प नहीं है क्योंकि अभी तक इन्होंने जो कहा है वह करके दिखाने का प्रयास किया आज उनके द्वारा चलाया जा रहे मॉडर्न संस्थान के द्वारा न केवल हमारे बच्चे शिक्षित हो रहे हैं बल्कि हजारों लोगों को कहीं ना कहीं रोजगार भी मिल रहा है। उन्होंने लोगों से आने वाले विधानसभा चुनाव में डॉ अनुज के हाथों को मजबूती प्रदान करने का अपील की। अभियान में लोगों का अपार समर्थन फाउंडेशन को देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर साथ चल रहे अभियान में इचुआ करना पंचायत के सरपंच सीमा देवी, ग्राम पंचायत रामे के पूर्व मुखिया रविंद्र सिंह, बस्ती बीघा निवासी डॉ जेपी चौधरी, गोनामा निवासी युवा नेता चंदन सिंह, भदोखड़ा पंचायत के पूर्व पैक्स अध्यक्ष उमेश सिंह, पटवासराय सरपंच देवराज पासवान, मियां बिगहा निवासी रामसागर सिंह, जनपुरा के दीनानाथ सिंह कृष्ण मुरारी सिंह, सोनू कुमार, अंबुज कुमार,अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह कोसला, पूर्व मुखिया रविन्द्र सिंह, कोसला के चुनचुन सिंह, पचाढ़ा पंचायत के पूर्व मुखिया महेश कुमार, पूर्व प्रबंधक कोऑपरेटिव बैंक हंड़िया निवासी, रौशन कुमार, अनिल कुमार, सहजपुरा के सुनील कुमार, कुंदन कुमार, गोरेलाल सिंह जन प्रतिनिधि समय पंचायत, नारदीडीह के सेवानिवृत शिक्षक प्रवीण कुमार, पारस कुमार, अनिरुद्ध सिंह, बिपिन सिंह,अरुण कुमार, प्रोफेसर कृष्ण कुमार प्रभाकर, सहित हजारों की संख्या में समर्थक भ्रमण करते दिखे।

विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने रामनवमी शोभायात्रा निकालने हेतु किया चर्चा

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

नगर पंचायत मुख्यालय स्थित राजशिवाला में 23 मार्च दिन रविवार को शहादत दिवस के अवसर पर मातृभूमि की रक्षा के लिए जान देने वाले महापुरुष भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के बलिदान हो जाने पर नम आंखों से श्रद्धांजलि दिया गया। तत्पश्चात विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के द्वारा रामनवमी विराट शोभायात्रा निकालने हेतु विश्व हिंदू परिषद नगर उपाध्यक्ष अरविंद विश्वकर्मा की अध्यक्षता में बैठक प्रारंभ किया गया। इस दौरान निर्णय लिया गया की विराट शोभायात्रा 7 अप्रैल दिन सोमवार को दोपहर 11:00 बजे निकाली जाएगी। इस बार रामनवमी शोभायात्रा में सहयोग के लिए 11 सदस्य की टीम बनाई गई है। जिनके द्वारा शोभायात्रा का आयोजन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में हर संभव मदद किया जाएगा। बजरंग दल के प्रखंड संयोजक पिंटू वर्मा ने बताया कि रामनवमी शोभायात्रा समापन के बाद दुर्गा वाहिनी और मातृशक्ति संगठन का गठन किया जाएगा। प्रखंड संयोजक ने तमाम रजौली की माता एवं बहनो से अपील किया कि हो शोभायात्रा में शामिल होकर अपनी नारी शक्ति का परिचय दें। उन्होंने कहा कि इस बार शोभायात्रा में लगभग डेढ़ से दो लाख रूपये खर्च होने की संभावना है। विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड उपाध्यक्ष मनीष सिंह ने फोन कर श्री रामनवमी शोभायात्रा की कमिटी के नये सदस्य को बहुत-बहुत बधाई दिए और और बताया कि इस बार श्री रामनवमी शोभायात्रा बहुत ही विराट तरीके से निकल जाएगी, पूरा रजौली श्री राम के जयकारों से गूंजेगा। जिले से आये विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री सुबोध लाल ने बताया की इस बार जिला जिला की टीम रजौली शोभायात्रा में शामिल होंगे और बहुत ही धूमधाम से मनाने का आग्रह किया। राज शिव मंदिर के अध्यक्ष संतोष सिंह ने बताया इस बार विराट शोभायात्रा राज शिव मंदिर नीचे बाजार से बीच बाजार होते संगत होते बिजली ऑफिस रोड बजरंगबली चौक होते पुरानी बस स्टैंड, जग जीवन नगर होते हुए पुनः राज शिव मंदिर के पास समाप्त किया जाएगा। राज शिव मंदिर के उपाध्यक्ष नवीन कन्धवे ने बताया की इस बार शोभायात्रा में बाहर से भव्य झांकी मंगाया जाएगा। वहीं भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष गौरव सांडिल उर्फ गगन सिंह ने बताया कि श्री राम नवमीं शोभायात्रा शांतिपूर्ण ढंग से निकले, हरेक वर्ग के लोग आगे आकर शामिल हों एवं हिंदुत्व एकता का परिचय दें। स्वेच्छा पूर्वक 7 अप्रैल को अपना प्रतिष्ठान बंद रखें। बजरंग दल सहसंयोजक और सूर्य नारायण देव मंदिर अध्यक्ष संदीप वर्मा ने बताया कि पूरे रजौली बाजार को भगवा पताका से भगवा मय किया जाएगा। रामनवमी पूजा के दिन सभी मंदिरों को सजाया जाएगा। विश्व हिंदू परिषद के मीडिया प्रभारी संतोष वर्मा ने बताया कि हर बार प्रशासन और पदाधिकारी से सहयोग मिलता है।उन्होंने इस बार भी उनसे सहयोग करने का अपील किये हैं। मौके पर मौजूद ऋषभ अठघरा ने बताया विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल सेवा सुरक्षा संस्कार के लिए जाना जाता है, बजरंग दल हमेशा लोगो की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहता है, बजरंग दल के सुरक्षा प्रमुख राजा सिंह ने रजौली वासी से अनुरोध किया की शोभायात्रा में भगवा रंग का वस्त्र ही पहनकर आने का कष्ट करें। डीह रजौली निवासी कौशल सिंह ने बताया कि इस बार डीह रजौली से भी शोभायात्रा निकाली जाने पर विचार किया जाएगा। बाजार निवासी पापुलर मेडिकल के संचालक पिंटू कुमार ने पूरे रजौली बाजार वासियों से निवेदन करते हुए कहा कि इसबार रामनवमी शोभा यात्रा में वे लोग तन मन धन से लगें। मनिहारी दुकान के अध्यक्ष चिंटू लाल ने कहा कि गर्मी का प्रकोप देखते हुए शोभायात्रा में पानी की समुचित व्यवस्था किया जाए। मौके पर मौजूद सुनील साव ने लोगों से अपील किया की बढ़-चढ़कर इस शोभायात्रा में शामिल होकर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम शोभायात्रा को सफल बनाएं। मौके पर मौजूद माहुरी वैश्य मण्डल अध्यक्ष चंदन सेठ, बजरंग दल मिलन प्रमुख सुमित कुमार बिट्टू, बजरंग दल के अनुज एयरटेल, निशांत कुमार, छोटू वर्मा, अरुण कुमार, गौतम ताती, धोनी यादव, मुकेश दास, राहुल यादव, टिंकू सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नुनु राजवंशी, संदीप कुमार बाना, विल्सन हलवाई, लड्डू लाल, अरुण सिंह, संतोष लाल के साथ दर्जनों लोग मौजूद थे।

मनाई गयी प्रोफेसर बिंदेश्वरी प्रसाद सिंह की पुण्यतिथि

निज संवाददाता | नवादा

नवादा। राम नगर नवादा स्थित बी पी एस पब्लिक स्कूल सह बी पी एस किड्स जोन के संस्थापक एवं मगध विश्वविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर बिंदेश्वरी प्रसाद सिंह की पुण्यतिथि रविवार को भावुक माहौल में विद्यालय प्रांगण में मनाई गई। विद्यालय के निदेशक पंकज कुमार की देखरेख में आयोजित इस श्रद्धांजलि सभा में दर्जनों शिक्षाविदों, स्कूल प्रबंधन से जुड़े लोगों, छात्रों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। सभी ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए और उनके योगदान को याद किया। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति था विशेष समर्पण विद्यालय के निदेशक पंकज कुमार ने कहा कि प्रोफेसर बिंदेश्वरी प्रसाद सिंह शिक्षा के क्षेत्र में एक आदर्श व्यक्तित्व थे, जिनका सपना था कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और समाज में रोजगार के अवसर बढ़ें। उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों से यह विद्यालय स्थापित हुआ, जहां कई शिक्षित बेरोजगार अपनी सेवा देकर सम्मानपूर्वक जीविका चला रहे हैं। शिक्षा के प्रति उनकी निष्ठा को आगे बढ़ाने का संकल्प विद्यालय परिवार द्वारा लिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रो. सिंह एक चलते-फिरते पुस्तकालय और ज्ञान के भंडार थे। जिन लोगों ने उनके सानिध्य में शिक्षा ग्रहण की, वे निश्चित रूप से आज भी उनकी विद्वता और मार्गदर्शन को याद करते हैं। उन्होंने अर्थशास्त्र पर कई महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखीं, जिनसे न केवल बिहार बल्कि देशभर के छात्र लाभान्वित हो रहे हैं। गरीबों को भोजन व वस्त्र वितरण, आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना पुण्यतिथि के अवसर पर समाज सेवा के तहत गरीबों के बीच भोजन और वस्त्र वितरित किए गए। इस सेवा कार्य में विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा

निज संवाददाता | नवादा

नगर के प्रसिद्ध भगत सिंह चौक पर विश्व हिन्दू परिषद, छत्रपति शिवाजी संस्थान और बजरंग दल के लोगों ने आजादी के दीवाने शहीदे आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु का शहादत दिवस मनाया। शहादत दिवस समारोह जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम का नेतृत्व जीतू जी और कैलाश विश्वकर्मा ने किया। कार्यक्रम काफी आकर्षक और प्रेरणादायक व उत्साहवर्द्धक रहा। अगल-बगल से कई लोग बिना न्योता व निमंत्रण के सहर्ष शहादत दिवस समारोह में शामिल हुए। सर्वप्रथम भगत सिंह चौक पर अवस्थित शहीदे आजम भगत सिंह के स्मारक पर उपस्थित तमाम लोगों ने माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की। भगत सिंह अमर रहें, सुखदेव व राजगुरु अमर रहें, भारत माता की जय तथा बन्दे मातरम् जैसी गगनभेदी नारों से नगर गूंजायमान हो उठा। कार्यक्रम में शामिल दर्जनों लोगों ने भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु के स्मारक व तैल चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

कलकत्ता से आ रही बस की छत पर 324 बोतल विदेशी शराब जब्त, एक तस्कर एवं तीन बस स्टाफ गिरफ्तार

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

बिहारी-झारखण्ड के सीमावर्ती चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद बलों ने ईद को लेकर शराब के भंडारण के विरुद्ध एक बस की छत पर लदे 24 कार्टूनों में रहे 324 बोतल विदेशी शराब को जब्त किया है। वहीं एक शराब तस्कर के साथ तीन बस स्टाफ को गिरफ्तार किया गया है। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि बिहार मद्यनिषेध एवं त्यौहार को लेकर जांच चौकी पर उत्पाद एसआई राजेश कुमार पटेल के नेतृत्व में जांच चौकी पर झारखंड की ओर से आने वाली प्रत्येक छोटी एवं बड़ी वाहनों की सघन जांच किया जाता है। जांच के क्रम में रविवार की अहले सुबह कलकत्ता से आ रही अर्चना बस संख्या बीआर27पी3415 की गई। जांच के दौरान बस की छत से बोरा में पैक किया हुआ रॉयल स्टैग प्रीमियम ग्रेन व्हिस्की के 24 कार्टून में रहे कुल 324 बोतल शराब बरामद किया गया। बरामद शराब में रॉयल स्टैग के 750 एमएल के 252 बोतल एवं 375 एमएल के 72 बोतल शामिल है, जिसकी कुल मात्रा 216 लीटर है। वहीं जब्त शराब का बाजार मूल्य दो लाख रुपए से अधिक आंकी जा रही है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार शराब धंधेबाज की पहचान नवादा जिले के नगर थाना क्षेत्र के गोंदापुर निवासी मो. कमालुद्दीन के पुत्र मो. इबरार आलम के रूप में हुई है। वहीं गिरफ्तार बस चालक की पहचान नवादा जिले के नगर थाना क्षेत्र के भदौनी निवासी मो. सत्तार के पुत्र मो. अरमान, खलासी भदौनी निवासी मरहूम मोईन खान के पुत्र मो. नौशाद एवं उपचालक रोह थाना क्षेत्र के मरूई गांव निवासी मो. मुस्लिम अंसारी के पुत्र मो. इस्लाम अंसारी के रूप में हुई है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि जब्त शराब एवं बस के अलावे गिरफ्तार लोगों के विरुद्ध बिहार उत्पाद के सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वहीं गिरफ्तार लोगों से आवश्यक पूछताछ के बाद अस्पताल में स्वास्थ्य जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इस दौरान उत्पाद एसआई प्रवीण कुमार, एएसआई सौरभ कुमार, एएसआई विकास कुमार के अलावे उत्पाद सिपाही एवं गृहरक्षक के जवान मौजूद रहे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरण्य देवी मंदिर निर्माण में दिए 5 लाख

आरा| भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जयसवाल ने मां आरण्य देवी के भव्य मंदिर निर्माण के लिए 5 लाख रुपये की सहयोग राशि दी। यह राशि आरा विधायक अमरेंद्र प्रताप सिंह के माध्यम से मां आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट को सौंपी गई। शनिवार को मंदिर प्रांगण में ट्रस्ट के अध्यक्ष एमएलसी राधा चरण साह, मुख्य संरक्षक पद्मश्री भीम सिंह भवेश, सचिव अरविंद पांडेय और अन्य ट्रस्टियों की मौजूदगी में यह राशि प्रदान की गई। ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल पिछले महीने मां आरण्य देवी मंदिर दर्शन के लिए आए थे। तब उन्होंने मंदिर निर्माण में 5 लाख रुपये सहयोग देने का वादा किया था। उसी वादे के तहत उन्होंने यह राशि विधायक अमरेंद्र प्रताप सिंह के माध्यम से भेजवाई।

अवसरः 25 मार्च को लगेगा जॉब कैंप

आरा| जिला नियोजनालय के कार्यालय कृषि भवन परिसर में 25 मार्च दिन मंगलवार को जॉब कैंप लगेगा। इसमें क्वालिटी चेकिंग और ऑपरेशन मोल्डिंग पदों पर भर्ती होगी। पुणे की निजी क्षेत्र की कंपनी जयश्री ग्रुप योग्य बेरोजगार युवाओं का ऑन द स्पॉट चयन करेगी। अभ्यर्थियों की उम्र 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं, आईटीआई और ग्रेजुएशन उत्तीर्ण तय की गई है। चयनित उम्मीदवारों को 18000 से 25000 रुपए मासिक वेतन मिलेगा। इसमें महिला व पुरुष अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। जॉब कैंप में शामिल होने के लिए नियोजनालय में निबंधन अनिवार्य है। जिला नियोजन पदाधिकारी अनीश तिवारी ने बेरोजगार युवाओं से जॉब कैंप में शामिल होने की अपील की। जिन अभ्यर्थियों ने अब तक निबंधन नहीं कराया है, उनसे जल्द निबंधन कराने को कहा गया है।

संगोष्ठी में विवि के पूर्व सीनेटर को मिला सम्मान

आरा| वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षकों की भूमिकाः संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हुआ। इस संगोष्ठी में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व सीनेटर अजय कुमार तिवारी मुनमुन को शिक्षा विभाग के डायरेक्टर डॉक्टर के के सिंह ने शाल एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इधर, डॉ. दीक्षा तिवारी ने स्वतंत्रता प्राप्ति एवं शैक्षिक सुधार : एक समालोचनात्मक अध्ययन पर अपनी बातों को रखा। शोध सार में बताया कि शिक्षा किसी भी आधुनिक, सभ्य, उन्नत और विकसित कहे जाने वाले समाज का अनिवार्य लक्षण है और इसके बिना प्रगति कभी भी पूर्ण एवं बहुआयामी नहीं हो सकती है। एक शिक्षित व्यक्ति शिक्षित राष्ट्र ही प्रगति के दुर्गम पथ पर यात्रा कर पाने में समर्थ होता है।

फरार दो आरोपितों समेत तीन किए गए गिरफ्तार

कोईलवर| स्थानीय कोईलवर थाने की पुलिस ने पूर्व में दर्ज अलग-अलग मामले में आरोपितों को गिरफ्तार किया है। एक मामला 2021 का और एक मामला 2022 का है। इस संबंध में ग्राम बिसुनपुर के रहने वाले रंजन कुमार ने थाने में अपने बाइक को छीन लेने का आरोप लगाते हुए कांड 486/21 दर्ज कराया था। इस मामले में अप्रथमिक अभियुक्त अंशु कुमार को उसके घर धोबड़ी और अभिषेक कुमार को उसके घर बधुआई थाना नारायणपुर से नारायणपुर थाने के सहयोग से गिरफ्तार किया गया है। दोनो पिछले 4 वर्षों से इस कांड में फरार चल रहे थे। जबकि एक अन्य मामले में कोइलवर पुलिस ने कोईलवर ने नारायणपुर थाना के खेड़ी निवासी मनोरंजन सिंह को उसके घर से गिरफ्तार किया है।

निजी विद्यालयों में नामांकन के लिए द्वितीय चरण का खुला पोर्टल

आरा। अलाभकारी एवं कमजोर वर्ग के बच्चों को निजी विद्यालयों में निःशुल्क नमांकन के लिए फिर से रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो गया है। निजी विद्यालयों में 25 प्रतिशत आरक्षित सीट पर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। बच्चे अगामी 10 अप्रैल तक ज्ञानदीप पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। फॉर्म भरते समय माता, पिता अभिभावक एवं बच्चे का आधार कार्ड के साथ अभिभावक अपने मोबाइल नंबर के साथ ज्ञानदीप पोर्टल पर पंजीयन कर सकते हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के बाद पंजीकृत छात्रों का सत्यापन 26 मार्च से 12 अप्रैल तक की जायेगी। इसके बाद 15 अप्रैल को सत्यापित्त छात्रों का ऑनलाइन विद्यालय आवंटन किया जायेगा तथा 16 से 25 अप्रैल तक चयनित विद्यार्थी का विद्यालय में प्रवेश होगा। उक्त निर्देश निदेशक प्राथमिक शिक्षा, शिक्षा विभाग बिहार सरकार द्वारा निर्गत है। जिला शिक्षा पदाधिकारी अहसन ने बताया कि शैक्षणिक सत्र, 2025-26 में आरटीई के तहत नामांकन लेने के लिए आवेदकों को ज्ञानदीप पोर्टल पर निर्धारित समयानुसार कार्य करना होगा। छात्रों के सत्यापन, ऑनलाइन स्कूल आवंटन एवं चयनित छात्रों का स्कूल में प्रवेश का प्रोग्राम जारी कर दिया गया है। द्वितीय चरण में नामांकन के लिए पोर्टल खोला गया है। राइट टू एजुकेशन के तहत उन्हीं बच्चों का नामांकन निजी स्कूलों में होगा जिनके माता-पिता का वार्षिक आय एक लाख रुपए (अलाभकारी समूह) दो लाख रुपए (कमजोर वर्ग) तक का है।

बेहतर कॅरियर के लिए मोबाइल फोन नहीं, अखबार जरूरी

आरा। बिहार दिवस पर आरा शहर के आरके एकेडमी, पकड़ियावर-चंदवा के कक्षा-8 समूह के सभी छात्र-छात्राओं को दैनिक भास्कर के पटना में प्रिंटिंग प्रेस (छापाखाना) का शैक्षिक भ्रमण कराया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य देश-दुनिया के बदलते परिवेश में समाचार-पत्रों की भूमिका, शिक्षा व समाज पर उसका प्रभाव और असर, खबरों को जनता तक पहुंचाने में समाचार-पत्रों की भूमिका के बारे में छात्र-छात्राओं को अवगत कराना था। छात्र-छात्राओं को प्रैक्टिकल यह भी दिखाना और सिखाना था कि समाचार-पत्र का मुद्रण-प्रकाशन, उसकी टेक्नोलॉजी, खबरों और उसके प्रकाशन में कौन-कौन सी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। खबरें कहां से और किस प्रकार छापी जाती हैं। इन खबरों में संपादक की क्या भूमिका होती है। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान कक्षा-8 के छात्रों-छात्राओं ने समाचार संबंधित संपूर्ण जानकारी प्राप्त किया। भोजपुर के विज्ञापन विभाग केसी दुबे एवं विद्यालय के प्रबंध निदेशक रोहित सिंह के मार्गदर्शन से छात्राओं ने पूरी तत्परता एवं उत्सुकता के साथ भ्रमण किया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक रोहित सिंह ने समाचार-पत्र के शैक्षिक महत्व की भी शिक्षा दी। बताया कि जीवन में अखबार की भूमिका अहम है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपने शैक्षिक जीवन में एक अखबार अवश्य पढ़ना चाहिए। छात्र-छात्राओं ने कहा कि अखबार विद्यार्थी जीवन के लिए बहुत लाभकारी है, यह आज सीखने को मिला। अखबार से जेनरल नॉलेज में वृद्धि होती है। अखबार में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और रोजगार समाचार होते हैं। यह छात्र-छात्राओं के करियर के लिए लाभदायक होता है।विद्यालय की प्रिंसिपल मोनिका राज ने अपने अनुभवों को बयां की। कहा-वहां बच्चों ने कई अच्छी बातें सीखी। अखबार की प्रिंटिंग कैसे होती है। मोबाइल फोन के बजाय अखबार में अधिक सकारात्मक ज्ञान मिलता है। इसलिए अखबार पढ़ने की आदत बनाए रखनी चाहिए।

विधानसभा चुनाव में 243 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी बसपा

बक्सर। बक्सर के किला मैदान में बसपा का विधानसभा कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बसपा के राज्यसभा सांसद रामजी गौतम मुख्य मेहमान के रूप में शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने उनका 40 किलोग्राम की माला पहनाकर स्वागत किया। रामजी गौतम ने घोषणा करते हुए कहा कि बसपा बिहार विधानसभा चुनाव में किसी से गठबंधन नहीं करेगी। बहन मायावती के निर्देश पर पार्टी सभी 243 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि बसपा बिहार की जनता को तीसरा विकल्प देगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला करते हुए गौतम ने कहा कि उनकी उम्र अब शासन के लिए उपयुक्त नहीं है। उन्हें राष्ट्रगान और गाने में अंतर समझ नहीं आता। वक्फ बोर्ड संशोधन बिल 2024 को लेकर बिहार के प्रमुख मुस्लिम संगठनों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इफ्तार पार्टी का बहिष्कार किया था। इस मुद्दे पर बोलते हुए रामजी गौतम ने कहा, किसी भी बिल को जनता की राय लेकर पास किया जाना चाहिए। किसी भी दल को केवल संसदीय दबाव में आकर किसी बिल का समर्थन नहीं करना चाहिए।

इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

निज संवाददाता। आरा

- बेटा बोला- गलत सुई देकर डॉक्टर ने ली पिता की जान, मरने के बाद नहीं दी जानकारी

आरा में संदेहास्पद स्थिति में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। इलाज के दौरान पटना के पाटलिपुत्रा स्थित निजी अस्पताल में रविवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं, परिजन ने निजी अस्पताल के डॉक्टर और कर्मचारी पर इलाज में लापरवाही बरतने के कारण उनके मौत होने का आरोप लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बखरिया गांव निवासी स्व. शिव जतन सिंह के 80 वर्षीय पुत्र बिंदेश्वरी सिंह है एवं वह पेशे से किसान थे।

बेटे ने कहा- नशे की सुई देकर पिता की जान ले लीः मृतक के बेटे प्रदीप सिंह ने बताया कि उनके पिता काफी समय से शुगर की बीमारी से पीड़ित थे। जिसको लेकर वह शुक्रवार को उनका शुगर चेक करने के लिए पटना के पाटलिपुत्रा स्थित निजी अस्पताल ले गए थे। जहां चिकित्सक द्वारा उन्हें कहा गया कि आपके पिता को हम लोग दो दिन एडमिट रखेंगे ताकि हमलोग उनके पूरे बॉडी का चेकअप कर सके। जिसके बाद निजी अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा उनके पिता को नशे की सुई दे दी गई। जिससे कारण वह सो गए और उसके बाद परिजनों को बाहर कर दिया गया। पिताजी जब भी जगते तो चिकित्सक उन्हें नशे की सुई दे देते थे, जिससे वह सो जाते थे। इसी बीच उनके पिता की मौत हो गई लेकिन इसके बावजूद निजी अस्पताल के डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों ने उनके मरने की जानकारी नहीं दी और उन्हें बुलाकर पेपर वर्क करने के लिए कहा गया। कागजी काम के दौरान कई कागजात पर उनके सिग्नेचर भी करवाए गए। सिग्नेचर करवाने के बाद बताया गया कि आपके पिता की मौत हो गई है। जब हमलोगों ने पूछा कि आपने क्यों नहीं बताया कि मेरे पिता की मौत हो गई है। अब मुझे इनके शव पोस्टमार्टम करवाना है लेकिनउनलोगों ने शव का पोस्टमार्टम नहीं करवाया। जब शोर मचाने लगे तो वहां के स्वास्थ्य कर्मियों और वहां मौजूद बाउंसर ने हॉस्पिटल से बाहर कर दिया गया और पिता के शव को भी बाहर निकाल कर रख दिया गया। जिसके बाद कहा गया कि तुम डेड बॉडी को लेकर यहां से चले जाओ। घटना के बाद परिजन उनके शव को आरा सदर अस्पताल ले आए। जिसके पश्चात उन्होंने इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया।

अस्पतालकर्मी पर लापरवाही करने का आरोपः वहीं दूसरी तरफ मृतक के बेटे प्रदीप सिंह ने निजी अस्पताल के डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों पर इलाज में लापरवाही बरतने व नशे का सुई देने के कारण अपने पिता के मौत होने का आरोप लगाया है।

भोजपुर में कपड़े की दुकान में लगी आग

निज संवाददाता। आरा

- 10 लाख से ज्यादा की संपत्ति जलकर राख, ईंद के लिए लाए थे कपड़े

आरा शहर के नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत धर्मन चौक के समीप शनिवार की रात शॉर्ट सर्किट से हादी मार्केट में एक कपड़े की दुकान में भीषण आग लग गई। आग लगने एक कारण दुकान में रखे करीब दस लाख की संपति जलकर राख हो गई।वही घटना को लेकर दुकानदारों के बीच अफरा–तफरी मची रही।इसके बाद स्थानीय लोगों ने आगलगी की सूचना नगर थाना पुलिस को देने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम को दी।इस घटना की जानकारी मिलते ही दुकान मालिक मौके पर पहुंचे और आग पर किसी तरह काबू पाने की जद्दोजहद करने लगे।

पूरा पूंजी ही जलकर खाकः घटना की जानकारी देते हुए नगर थाना क्षेत्र के दूध कटोरा निवासी मो. सहाब के पुत्र व दुकान मालिक मो. पप्पू ने बताया कि उनके पिता जी ने दुकान की शुरुआत पिछले 30 साल पहले किए थे। उसी समय से पप्पू सूट हाउस एक नाम से पूरे मार्केट में अच्छे कपड़े बचने को लेकर दुकान का नाम था। दुकान में ईंद को लेकर सभी तरह के लेडीज कपड़ों का अंबार लगा हुआ था। पप्पू ने बताया कि हर रोज की तरह शनिवार को दुकान खुला था। इसके बाद रोजा खोलने के बाद देर शाम दुकान को देखकर बंदकर घर चले गए थे। इसी बीच दूसरे दुकान के तरफ से फोन किया गया कि मार्केट में आग लग गई है। इस घटना की जानकारी मिलते ही मार्केट पहुंचे तो देखा कि मेरे ही दुकान में भीषण आग लग गई। आगलगी में मेरा दस लाख से ज्यादा का नुकसान हो गया है। यही नहीं ईंद को लेकर दुकान में एक्स्ट्रा कपड़ा बिक्री के लिए रखा हुआ था। पूरा पूंजी ही जलकर खाक हो गई है। वही स्थानीय ने बताया कि अचानक मार्केट से धुंआ निकलकर रहा था, किसी की हिम्मत नहीं हुई कि अन्दर जाकर देखे। क्योंकि की दुकान में जाने के लिए जगह कम थे।

सड़क हादसे में शख्स की मौत, एक घायल

निज संवाददाता। बक्सर

- बक्सर में सुबह की सैर के दौरान हादसा, तेज रफ्तार वाहन ने दोनों को कुचला

बक्सर में रविवार सुबह हुए सड़क हादसे में अधेड़ की मौत हो गई। जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा डुमरांव-बिक्रमगंज सड़क पर नवानगर थाना के समीप हुआ। सुबह 6 बजे टहलने निकले दो शख्स वाहन की चपेट में आ गए। मृतक की पहचान स्व. सुरेंद्र नाथ गुप्ता के बेटे प्रेमचंद साह (65) के रूप में हुई है। घायल की पहचान अभी नहीं हो पाई है। हादसे के बाद प्रेमचंद साह को बेहतर इलाज के लिए वाराणसी ले जाया जा रहा था। लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। दूसरे घायल को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया है।

ग्रामीणों ने की स्पीड ब्रेकर लगाने की मांगः प्रेमचंद साह सामाजिक कार्यों में सक्रिय थे। ग्रामीणों ने सड़क पर स्पीड ब्रेकर लगाने और यातायात व्यवस्था सुधारने की मांग की है। स्थानीय लोग आरोपी वाहन चालक की गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। नवानगर थाना अध्यक्ष नंदू कुमार ने बताया कि यह हिट एंड रन का मामला है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है।

भोजपुर में तीन दोस्तों की बेहरमी से पिटाई

निज संवाददाता। आरा

- घर में गेंद जाने को लेकर हुआ विवाद, लाठी–डंडे से पीटा, अस्पताल में एडमिट

भोजपुर जिले कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के बभनगावां गांव में शनिवार को घर में गेंद चले जाने के विवाद को लेकर तीन दोस्तों की पिटाई कर दी गई, जिससे तीनों घायल हो गए। इसके बाद ज़ख्मियों में से दो को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार घायलों में कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के बभनगावां गांव निवासी मोतीलाल राम का बेटा करण कुमार (19),उसी गांव के निवासी जोगिंदर राम का बेटा धनु कुमार (16) और एक अन्य युवक शामिल है।

गेंद मांगने पर बेरहमी से पीटाः इधर, करण कुमार ने बताया कि गांव में क्रिकेट खेलने के दौरान उनका गेंद पड़ोसी के घर में चला गया। जब वे लोग पड़ोसी के घर गेंद मांगने गए तो पड़ोसी द्वारा उसके दो दोस्तों की पिटाई कर दी गई। उस समय मामला शांत हो गया था इसके बाद जब हमलोग वापस आए और जब अपने अन्य दोस्तों के साथ पूछताछ करने गया तो उन लोगों द्वारा उसकी भी पिटाई कर दी गई। वहीं दूसरी तरफ जख्मी करण कुमार ने क्रिकेट के दौरान घर में गेंद चले जाने और मांगने पर तीनों दोस्तों की डंडों से पिटाई कर जख्मी करने का आरोप लगाया है।वही मामला शांत होने के बाद जख्मी लड़कों के परिजनों ने इस घटना की शिकायत स्थानीय थाना पुलिस से की है। वही ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने बताया कि मारपीट में दो लड़के जख्मी हालत में सदर अस्पताल आए थे। एक के सिर में चोट आई थी। दोनों का प्राथमिक उपचार कर दिया गया है ।बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

बिजनस पार्टनर का 4 दिन तक अपहरण, सिगरेट से दागा...पिटाई

आरा। भोजपुर में चिक्का–लिट्टी फ्रेंचाइजी में नुकसान पर बिजनस पार्टनर शुभम कुमार ने अपने साथियों के साथ 18 मार्च को सोनू कुमार (26) का अपहरण कर लिया। अपहरण के दौरान चलती गाड़ी में उसकी जमकर पिटाई की गई। उसे शरीर के अलग-अलग जगहों पर सिगरेट से भी जलाया गया। पाइप से उसके प्राइवेट पार्ट पर बेरहमी से पिटा गया। चार दिनों तक अलग-अलग जगहों पर लेकर जाकर उसकी पिटाई की गई। इसके बाद पुलिस के डर से उसे 22 मार्च को उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बेलाउर सूर्य मंदिर पास छोड़कर फरार हो गए।

मां अहिल्या धाम में सनातनी सम्मान समारोह

निज संवाददाता। बक्सर

- विश्वामित्र कॉरिडोर की मांग, सभा में श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा

बक्सर के मां अहिल्या धाम अहिरौली स्थित मठ प्रांगण में महर्षि विश्वामित्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक और विश्वामित्र सेना प्रमुख राजकुमार चौबे के नेतृत्व में "सनातनी सम्मान समारोह" का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य सनातन धर्म की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को सम्मान देना था। राजकुमार चौबे ने इस कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "यह सम्मान समारोह केवल हमारी आध्यात्मिक जड़ों को नमन करने का अवसर नहीं है, बल्कि सनातन धर्म के मूल्यों और परंपराओं को सहेजने का सामूहिक प्रयास भी है। यह वही पावन भूमि है, जहां प्रभु श्रीराम के चरण रज से माता अहिल्या का उद्धार हुआ था।" राजकुमार चौबे ने जनप्रतिनिधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि बक्सर को आज तक जिन्होंने ठगने का काम किया है। उनकी राजनीतिक कैरियर दाव पर है। इसलिए जब तक बक्सर में विश्वामित्र कॉरिडोर और अहिरौली धाम में कॉरिडोर नहीं बनाता हम चुप बैठने वालों में से नही है।

राजकुमार चौबे के मार्गदर्शन में तैयारियांः कार्यक्रम में शामिल अशोक उपाध्याय ने बताया कि आयोजन की तैयारियां राजकुमार चौबे के मार्गदर्शन में की गईं। उन्होंने बताया कि सेवा दल के युवाओं ने विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर कार्यक्रम स्थल को साफ-सुथरा किया गया। स्थानीय युवाओं और श्रद्धालुओं में इस आयोजन को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें कपिल मुनि पांडे, शिव शंकर उपाध्याय, हीरा पाठक, शंभू पंडित, अभय कुमार चौबे, दीप नारायण चौबे, अभिषेक चौबे, हेमंत चौबे, मुकेश, शोले, मनीष, भूलन सहित अन्य प्रमुख लोग सम्मिलित रहे। कार्यक्रम में भजन-कीर्तन, आध्यात्मिक प्रवचन और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को सनातन संस्कृति की सेवा के लिए सम्मानित किया गया। इस आयोजन ने सनातन धर्म के अनुयायियों में नई ऊर्जा का संचार किया और इसके प्रति आस्था को और प्रगाढ़ किया।

न्यायिक प्रक्रिया की सफलता में बार और बेंच दोनों की भूमिका

निज संवाददाता। बक्सर

व्यवहार न्यायालय परिसर में शनिवार को जिला अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम बिजेंद्र कुमार के लिए विदाई समारोह हुआ। अधिवक्ताओं ने उन्हें सम्मानित किया।न्यायाधीश बिजेंद्र कुमार का स्थानांतरण बेतिया कर दिया गया है। उन्होंने न्यायिक प्रक्रिया में बार और बेंच के सामंजस्य पर बल दिया। कहा कि न्यायिक प्रक्रिया की सफलता में दोनों की अहम भूमिका होती है और इसका संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने यहां अपने कार्यकाल में काफी कुछ सीखा और अधिवक्ताओं के साथ अच्छे संबंध बनाए। जूनियर अधिवक्ताओं को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि इस पेशे में ईमानदारी और धैर्य आवश्यक है। जो व्यक्ति इन मूल्यों का पालन करेगा, वह निश्चित रूप से आगे बढ़ेगा। अधिवक्ता अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा से करें और न्याय के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं। अधिवक्ताओं ने कहा कि उनके मार्गदर्शन में न्यायालय परिसर में न्यायिक प्रक्रिया सुचारू रूप से चली और उन्होंने न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निभाया। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बबन ओझा, अपर लोक अभियोजक गोपाल जी शर्मा, शशि भूषण सिंह, सुरेंद्र सिंह, आदित्य कुमार वर्मा, रामनाथ ठाकुर, विनोद कुमार सिंह, जयराम सिंह, अजय कुमार, जयप्रकाश चौबे, मनोज प्रधान, विनय कुमार ओझा, जितेंद्र सिंह, धीरज राय आदि मौजूद थे।

बिहार दिवस पर बक्सर में गंगा महाआरती का आयोजन

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में 113वें बिहार दिवस के अवसर पर रामरेखा घाट पर भव्य गंगा महाआरती का आयोजन किया गया। प्रशासन और विभिन्न संस्थाओं की सहभागिता से कार्यक्रम संपन्न हुआ। 'जय गंगा मइया' के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। सिद्धाश्रम सेवा ट्रस्ट और जिला प्रशासन के संयुक्त देखरेख में आयोजित महाआरती में घाट के मुख्य पंडा लाला बाबा और धनजी तिवारी ने विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई। जिला प्रशासक अंशुल अग्रवाल और एसडीएम धीरेंद्र मिश्रा ने मुख्य यजमान के रूप में गंगा पूजन किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हुआ आयोजनः इसी अवसर पर नगर भवन में कला संस्कृति, युवा विभाग और जिला प्रशासन की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने सभी जिलेवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह बिहारवासी होने पर गर्व करने का दिन है। जिलाधिकारी ने बिहार की समृद्ध विरासत का जिक्र करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र की जननी है। यहां नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। चाणक्य की नीति, महात्मा बुद्ध को ज्ञान प्राप्ति और महावीर का अहिंसा संदेश यहीं से निकला। आर्यभट्ट ने शून्य की खोज की और गुरु गोविंद सिंह ने साहस का प्रकाश दिखाया।

बिहार ने देश को दिया प्रथम राष्ट्रपतिः उन्होंने बताया कि बिहार ने देश को प्रथम राष्ट्रपति दिया। उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की शहनाई ने विश्व में ख्याति प्राप्त की। बिहार के लोकगीतों ने सदियों से संस्कृति को संजोया है।

बक्सर नगर परिषद का 210 करोड़ का बजट

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर नगर परिषद ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 210.57 करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया है। इस बजट में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी गई है। कुल व्यय 200.98 करोड़ रुपए का अनुमान है। बजट में आधारभूत संरचना और विकास काम पर 132.77 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। स्थापना और अन्य राजस्व व्यय के लिए 68.21 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। वित्तीय वर्ष के अंत में 69.02 करोड़ रुपए के बचत का अनुमान है। नगर परिषद को राज्य और केंद्र सरकार से 189.08 करोड़ रुपए का अनुदान मिलेगा। संपत्ति कर से 5.19 करोड़ और स्टाम्प शुल्क से 10.45 करोड़ रुपए की आय का लक्ष्य रखा गया है। प्रोफेशनल टैक्स, किराया आय और मोबाइल टावर कर से भी राजस्व की प्राप्ति होगी।

गर क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाने की कई योजनाएंः मुख्य पार्षद कमरून निशा के अनुसार, नगर क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाने की कई योजनाएं हैं। जल-जीवन हरियाली योजना के तहत वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया जाएगा। वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए सड़कों पर मशीन से पानी का छिड़काव होगा। वर्षा जल संचयन को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। आवास योजना के तहत जरूरतमंदों को घर मिलेंगे। रैन बसेरा का निर्माण भी प्रस्तावित है। शहरी जलापूर्ति को बेहतर बनाने के लिए नई पाइपलाइन बिछाई जाएगी। पुराने सिस्टम को अपग्रेड किया जाएगा। राजस्व बढ़ाने के लिए बड़े बकायेदारों की सूची जारी की जाएगी। समय पर भुगतान न करने वालों पर कानूनी कार्रवाई होगी। विभिन्न करों और शुल्कों से नगर परिषद की आय बढ़ाने की योजना है।

कुल व्यय 200.98 करोड़ रुपए रहने की संभावनाः वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नगर परिषद की अनुमानित प्रारंभिक शेष राशि 59.43 करोड़ रुपए है। इस साल कुल प्राप्ति का अनुमान 210.57 करोड़ रुपए लगाया गया है, जबकि कुल व्यय 200.98 करोड़ रुपए रहने की संभावना है।

ड्रेनेज सिस्टम और जलापूर्ति योजना शामिलः नगर परिषद ने बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए 132.77 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय का प्रावधान किया है। इसमें सड़क व नाला निर्माण, सार्वजनिक शौचालय, पार्क, सामुदायिक भवन, बस स्टैंड, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम और जलापूर्ति योजना शामिल हैं। शहरी गरीबों के लिए बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए बजट का 25.66% यानी 69.28 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इसके तहत विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं को लागू किया जाएगा। ठोस कचरा निपटान के लिए लैंडफिल साइट विकसित करने हेतु 3.87 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। साथ ही, स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत नगर की सफाई व्यवस्था को आधुनिक बनाने की योजना है। नगर परिषद अध्यक्ष ने कहा कि यह बजट शहर के समग्र विकास और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पीड़ित के पिता ने साइबर थाना में दर्ज कराया केस, नाथनगर का है पीड़ित छात्र

भागलपुर। मैट्रिक परीक्षा के दौरान सवाल का जवाब नहीं बताने पर उपद्रवी ने एक छात्र की पिटाई कर दी। पिटाई करते हुए का वीडियो भी बनाया। फिर वीडियो को सोशल मीडिया पर अपलोड कर वायरल कर दिया। मामले में पीड़ित के पिता ने आरोपी के खिलाफ साइबर थाना में केस दर्ज कराया है। पीड़ित छात्र मो. सारिक खान नाथनगर के नरगा स्थित दीन मोहम्मदपुर लेन निवासी मो. हसनैन खान का पुत्र है। हसनैन खान के आवेदन पर साइबर थाना में केस दर्ज किया गया है। हसनैन ने पुलिस को बताया कि मेरा बेटा पीएनए साइंस कॉलेज में अंग्रेजी विषय का परीक्षा दे रहा था। उसके आसपास बैठे लड़के बार-बार सारिक से सवाल पूछ रहे थे। लेकिन वह शांति से परीक्षा दे रहा था, लेकिन जैसे ही बेटा परीक्षा केंद्र से बाहर निकला तो बाहर वही लड़कों ने उसे घेर लिया। सारिक को पीटने के बाद उसका वीडियो बना लिया। वहीं, वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर अपलोड कर वायरल कर दिया। मुझे बाद में जानकारी हुई जब मोहल्ले के कुछ लड़कों ने मेरे बेटे का मजाक बनाया। साइबर पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन कर रही है।

बीमार बच्चे को न इलाज मिला न स्ट्रेचर निजी क्लीनिक ले गए परिजन

भागलपुर। मायागंज अस्पताल में मरीज का समय से इलाज नहीं किया जा रहा है। इलाज तो दूर स्ट्रेचर तक उपलब्ध नहीं होता। मजबूरन परिजन निजी क्लिनिक में मरीजों को ले जाने को मजबूर हो रहे हैं। शुक्रवार की शाम को कुछ ऐसा हीं नजारा देखने को मिला। जब बांका के पुनसिया से अपने बीमार बच्चे के दिखाने के लिए राकेश कुमार पहुंचे थे। खेलने के दौरान गिरने की वजह से बच्चा गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। पहले राकेश कुमार पुनसिया पहुंचे थे, लेकिन वहां कोई इंतजाम नहीं होने पर उसको मायागंज रेफर कर दिया गया। लेकिन यहां पहुंचने के बाद भी इलाज नहीं हुआ। राकेश ने बताया कि मायागंज से लेकर पुनसिया तक इंतजाम बेकार है। मायागंज अस्पताल में एक घंटे तक डॉक्टर देखने नहीं आए। सिटी स्कैन करवाने गए तो वह बंद था। बच्चे के लिए स्ट्रेचर तक नहीं दिया गया। गोद में बच्चे को लेकर मैं ऑक्सीजन लगा रखा हूं। मजबूरी में मुझे निजी अस्पताल ले जाना पड़ रहा है। बता दें कि इलाज में लापरवाही को लेकर लगातार हंगामा होता रहा है। इस माह फैब्रिकेटेड वार्ड में पांच मरीजों की मौत हुई थी, जिसमें परिजनों के द्वारा इलाज में देरी व गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए हंगामा और मारपीट की गई थी, लेकिन इसके बाद भी व्यवस्था में सुधार नहीं है।

झारखंड से शराब तस्करी करने वाला गिरफ्तार

भागलपुर। इशाकचक पुलिस ने झारखंड से शराब तस्करी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके घर से चार बोतल विदेशी शराब की बोतल भी मिली है। गिरफ्तार आरोपी हीरालाल मंडल छोटी लाइन के किनारे सच्चिदानंद मोहल्ले का रहने वाला है। शनिवार को दोपहर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। इसी के बाद इशाकचक थाना में तैनात एसआई रौशन कुमार के नेतृत्व में टीम ने आरोपी को उसके घर से पकड़ा। पूछताछ में हीरालाल मंडल ने बताया कि वह ट्रेन से झारखंड से शराब लाता है। हीरालाल मंडल पहले भी शराब तस्करी के मामले में जेल जा चुका है। तिलकामांझी पुलिस ने उसे शराब की बोतल के साथ पकड़ा था। इशाकचक पुलिस आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई कर रही है।

नेशनल सिटिंग वॉलीबॉल के लिए हरिमोहन चयनित हुए

मुंगेर। तमिलनाडु के इरोड में 21 से 23 मार्च 2025 तक होने वाली 13वीं मेंस और वूमेंस नेशनल सिटिंग वॉलीबॉल चैंपियनशिप के लिए बिहार पुरुष टीम में मुंगेर के हरिमोहन सिंह का भी चयन हुआ है। यह चैंपियनशिप पैरालंपिक वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया और पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है। इस टूर्नामेंट के प्रदर्शन के आधार पर वर्ल्ड पैरा सिटिंग वॉलीबॉल चैंपियनशिप हांगकांग 2025, सिटिंग वॉलीबॉल वर्ल्ड कप यूएसए 2025 और एशियन पैरा गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम के प्रशिक्षण कैंप का चयन किया जाएगा। हरिमोहन सिंह को बिहार पारा स्पोर्ट्स एसोसिएशन और स्पेशल ओलंपिक्स भारत बिहार द्वारा एक और दो फरवरी को पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 25वीं बिहार स्टेट स्पेशल ओलंपिक्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 25वीं बिहार स्टेट पारा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में टेक्निकल रेफरी की जिम्मेदारी दी गई। हरिमोहन सिंह ने कहा कि मुंगेर में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कमी नहीं है।

क्रिप्टो करेंसी में मुनाफे का झांसा देकर शख्स से 8 लाख की साइबर ठगी

भागलपुर। घर बैठे मोटी कमाई का झांसा देकर ठगी का सिलसिला जारी है। शातिर ठग ने सबौर के एक शख्स को क्रिप्टो करेंसी में मुनाफे का झांसा देकर आठ लाख की साइबर ठगी कर ली। मामले में सबौर के आनंद ग्राम निवासी पीड़ित विनोद शंकर सहाय ने साइबर थाना में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि मुझे एक अनजान नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने घर बैठे पार्ट टाइम जॉब का ऑफर दिया। मेरे काम करने पर कुछ पैसा भी मेरे खाता में आया। उसके बाद मुझे एक ग्रुप में जोड़ दिया गया। वहां पर क्रिप्टो करेंसी में इनवेस टमेंट का ऑफर दिया गया। मैंने लालच में आकर पैसा लगाया। विश्वास दिलाने के लिए दो बार पैसा भी आया। लेकिन उसके बाद पैसा नहीं आया। कुल आठ लाख पांच हजार रुपए की ठगी कर ली गई। साइबर थाना केस दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही है।

लापरवाहीः एक ही दिन 15,409 अनुपस्थित

भागलपुर। शिक्षा विभाग की महत्वाकांक्षी ई-शिक्षाकोष प्रणाली पर उपस्थिति व अनुपस्थिति दर्ज किए जाने की विश्वसनीयता को लेकर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। जिले में 21 मार्च को एक साथ 15,409 शिक्षक-शिक्षिकाओं को अनुपस्थित दिखाया गया है, जिससे शिक्षकों में आक्रोश है। इस मामले को लेकर शिक्षा विभाग ने संबंधित प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा है। प्रारंभिक माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. शेखर गुप्ता ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ई-शिक्षाकोष की तकनीकी खामियों के कारण आम शिक्षक मानसिक तनाव का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि विभाग को ज्ञात है कि उर्दू विद्यालयों में शुक्रवार को साप्ताहिक अवकाश रहता है, इसके बावजूद वहां के शिक्षकों को अनुपस्थित घोषित कर दिया गया।

टॉपरों ने कहा, आज नए संकल्पों का है दिन

मुंगेर। मुंगेर विवि के दूसरे दीक्षांत समारोह में टॉपर्स बनकर गोल्ड, सिल्वर एवं ब्रॉन्ज मेडल हासिल करने वाले 96 विद्यार्थी खासे उत्साहित नजर आ रहे थे। टॉपर आभा, मनीषा, सुरभि, आकाश, निक्की चांदनी, अदिति प्रकाश, अंकिता रंजन, अभिषेक कुमार, पुष्पा कुमारी, संपूर्णा राज, शालिनी प्रिया, रंजना, प्रियांशु रंजन, कृतिका भाव्या, मिली अग्रवाल, प्रियरंजन, सुप्रिया कुमारी, आकांक्षा, शालिनी प्रिया, हंसराज सहित अन्य ने बताया कि मेडल हासिल कर उनके मन में नए सपने हिलोरे ले रही है। आज का दिन नए संकल्पों एवं सपनों का दिन है। उनमें उच्च शिक्षा को जारी रखने की तमन्ना है। वे समाज की तरक्की के लिए अपनी डिग्री एवं ज्ञान का इस्तेमाल करना चाहते हैं। यह हमलोगों के जीवन में खास क्षण है।

केंद्र को भेजा गया है न्यू भागलपुर स्टेशन का डीपीआर

निज संवाददाता। भागलपुर

❐ मालदा रेल मंडल के डीआरएम बोले- सैटेलाइट सेंटर होगा डेवलप, यात्रियों को मिलेगी एंबुलेंस सुविधा

मालदा रेल मंडल के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने रविवार को भागलपुर स्टेशन के कई विभाग का निरीक्षण किया। उन्होंने रेलवे स्टेशन पर टिकट काउंटर, आरक्षण काउंटर, ओवर फुटब्रिज समेत स्टेशन पर चल रहे कई कार्य योजनाओं का जायजा लिया और इस संबंध में जरूरी दिशा निर्देश भी दिए। जहां कार्यों में अनियमितता पाई गई, वहां कर्मियों को फटकार भी लगाते दिखे। उन्होंने न्यू भागलपुर स्टेशन को बनाने को लेकर कहा कि डीपीआर केंद्र को भेजा जा चुका है जल्दी इस पर कार्य धरातल पर दिखेगा। मनीष गुप्ता ने सुबह भागलपुर दानापुर इंटरसिटी में ICF से बदलकर LHB रैक सेवा का सुनहरा तोहफा भागलपुर वासियों को दिया और इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वहीं, रेलवे स्टेशन परिसर में अवैध तरीके से चल रहे दुकानों को भी खाली कराया गया, ताकि यात्रियों को आने-जाने में किसी तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कोचिंग डिपार्टमेंट, बुकिंग लॉबी ईस्ट पैनल, रूम पानी की व्यवस्था बिजली की व्यवस्था से लेकर सभी मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया।

बोले- भागलपुर स्टेशन पर सुविधाएं बढ़ाने के लिए हम तत्परः मीडिया से बात करते हुए मालदा रेल मंडल के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने बताया कि आज का इंस्पेक्शन रूटिंग इंस्पेक्शन था। लॉबी कमी गैजेट्स सब ठीक से चल रहे हैं कि नहीं उसको देखा गया। भागलपुर मालदा मंडल का सबसे बड़ा स्टेशन भागलपुर है और इस स्टेशन में सभी सुविधाएं बढ़ाने के लिए हम लोग तत्पर हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भागलपुर स्टेशन काफी कंजस्टेड हो गया है, इस पर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा इसके विस्तार के लिए एक नई लोकेशन की भी तलाश कर ली गई है। जल्द ही चिह्नित कर इसमें नया सैटेलाइट सेंटर डेवलप किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि एनजीओ को रिक्वेस्ट किया गया है, कुछ लोग इसके लिए आगे बढ़े हैं जिससे स्टेशन पर अब एंबुलेंस की भी व्यवस्था कायम होगी।

पंजाब में बिहारियों पर हमले का विरोध

आरएलएम कार्यकर्ता ने पंजाब सरकार का फूंका पुतला

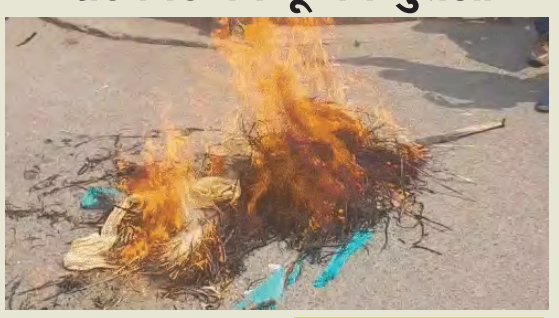

निज संवाददाता। भागलपुर

बिहारी स्टूडेंट्स की सुरक्षा की मांग

पंजाब में बिहारी छात्रों पर हो रहे हमले को लेकर भागलपुर में पंजाब सरकार का पुतला दहन किया गया। स्टेशन चौक पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान सिंह का पुतला दहन कर विरोध जताया। उन्होंने कहा कि बिहारी छात्रों पर किसी भी सूरत में हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान RLM ने पंजाब सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहीं, पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बिहार सरकार से मांग किया है कि पंजाब में रह रहे बिहार के छात्र-छात्राओं को सुरक्षा दी जाए। पंजाब में स्टूडेंट्स पर हमला न हो इसको लेकर बिहार सरकार सुनिश्चित करें।

डिप्टी CM ने भी जताई नाराजगीः बिहारी स्टूडेंट्स ने वीडियो जारी कर कई बार सरकार से सुरक्षा की मांग की है। इधर, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी इस मामले पर नाराजगी जताया। उन्होंने कहा है कि बिहारी छात्रों पर हमला बिहार सरकार कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। पंजाब सरकार बिहारियों को सुरक्षा मुहैया करवाए।

सरकारी कार्यालयों में लगे शहीदों की फोटो लगाने की मांग

भागलपुर में शहीद दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर रविवार को शहीद दिवस के अवसर पर बिहपुर के रेलवे मैदान पर नवगछिया बॉल बैडमिंटन संघ के तत्वाधान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। जिसकी संयोजन राज्य प्रवक्ता सह जिला सचिव ज्ञानदेव कुमार ने किया।

इस मौके पर खिलाड़ी व खेल संघ के पदाधिकारियों ने देश वीर शहीद सपूत भगत सिंह,सुखदेव व राजगुरु को श्रद्धांजलि दिया। जहां खिलाड़ियों ने इन महान सपूतों को देश का असली हीरो बताया। खिलाड़ियों ने इनके राष्ट्र प्रेम को हर एक हिंदुस्तानी के लिए प्रेरणा बताया। आज हम इन्ही सच्चे देश भक्त असली हिंदुस्तानी हीरो के कारण स्वतंत्रता की हवा में सांस ले रहे है।

सरकारी कार्यालयों में सपूतों की तस्वीर लगाने की मांगः खिलाड़ियों ने सरकार से सभी सरकारी कार्यालयों में इन सपूतों के तस्वीर आवश्यक रूप से लगे रहने की मांग की, जिससे हमारी नई और आने वाली पीढ़ी इनके देशभक्ति के बारे में जान सके। इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी राहुल कुमार,राष्ट्रीय खिलाड़ी साक्षी कुमारी, अभिलाषा कुमारी, प्रज्ञा भारती,मनीषा कुमारी,ज्योति कुमारी, शीतल कुमारी, कोमल कुमारी, मौसम कुमारी, राजा कुमार, राजीव कुमार, अमित कुमार, गुलशन कुमार, घनश्याम कुमार, मुकुल कुमार, आशीष कुमार उर्फ सन्नी, साकेत कुमार,विशाल कुमार, मन्नू कुमार,आदित्य राज व विकाश कुमार आदि खिलाड़ी मौजूद थे।

भागलपुर में फंदे से लटका मिला फल व्यवसायी का शव

♦ सुसाइड नोट भी बरामद, परिजन बोलें- हैंडराइटिंग उसकी नहीं, गर्भवती है पत्नी

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में फंदे से लटका फल व्यवसायी विक्की कुमार (35) का शव बरामद हुआ है। घटना जिले के जोकसर थाना क्षेत्र की है, जहां गमछे से लटका हुआ शव मिला है। दरअसल, विक्की बड़ी पोस्ट ऑफिस के पीछे वाली गली में डॉ. उदयकांत शाह के बेटे के मकान में रहता था। वहां ही फल का गोदाम बनाए हुए था। विक्की घंटाघर चौक पर फुटपाथ की दुकान लगाकर फल बेचता था। हालांकि कुछ दिनों से विक्की फल का थोक विक्रेता बन गया था। वहीं कमरे से सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, हालांकि लोगों का कहना है कि हैंडराइटिंग उसकी नहीं है।

गर्भवती है पत्नीः मृतक की पहचान मिरजान हाट कैलाशपुरी निवासी भोला प्रसाद के बेटे विक्की कुमार के रूप में हुई है। वह अपने पीछे अपनी गर्भवती पत्नी और तीन साल की बच्ची छोड़ गया है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। घटनास्थल पर जोकसर पुलिस पहुंच चुकी है और जांच में जुट गई है, वहीं FSL की टीम भी जांच में जुटी हुई है।

भाई ने 1 हजार रुपए भेजे थेः फल व्यवसाई विक्की को अपने किसी निजी काम से कल पटना निकलना था, जिसको लेकर उसके भाई ने 1 हजार रुपए भी इसके मोबाइल पर शाम में भेजा था। तब-तक सब कुछ ठीक था। वहीं परिजनों ने बताया कि विक्की पर कोई कर्ज नहीं था, जिससे वह प्रताड़ित हो।

भागलपुर में महा इफ्तार पार्टी आज, हजारों लोग होंगे शामिल प्रदेश युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के नेतृत्व में होगा आयोजन

निज संवाददाता। भागलपुर

सोमवार को शाहकुंड में भी होगी पार्टी

भागलपुर के सुल्तानगंज में बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सह पूर्व सदस्य परामर्शदात्री समिति, फिल्म सेंसर बोर्ड सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के सदस्य ललन कुमार के नेतृत्व में आज (रविवार) की शाम पांच बजे सुल्तानगंज स्थित दिलगौरी मोहल्ले में ईदगाह मैदान पर महागठबंधन का महा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया जाएगा। जबकि उनके ही नेतृत्व में शाहकुंड के जामिया हुसैनिया मदरसा हरनथ में सोमवार की शाम पांच बजे महा इफ्तार पार्टी आयोजित किया गया है। दोनों जगहों पर आयोजित महाइफ्तार पार्टी में 10-10 हजार से ज्यादा रोजेदारों और अन्य गणमान्य लोगों समेत महागठबंधन कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है।

पुलिसबलों की भी रहेगी तैनातीः इसको लेकर, शनिवार की शाम कांग्रेस नेता ने सुल्तानगंज के दिलगौरी ईदगाह मैदान का स्थलीय निरीक्षण करने के साथ-साथ आसपास के इस्लामनगर,कोलगामा आदि क्षेत्रों का दौरा कर इफ्तार पार्टी में शामिल होते हुए उपरोक्त कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की। इधर सुल्तानगंज सीओ और शाहकुंड थानाध्यक्ष के द्वारा सदर अनुमंडल पदाधिकारी भागलपुर को भेजे गए पत्र के आलोक में उपरोक्त दोनों जगहों पर आयोजित इफ्तार पार्टी को लेकर संयुक्त आदेश जारी किया गया है, जिसमें विधि व्यवस्था संधारण करने दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी, पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इस संबंध में ललन कुमार ने बताया कि सुल्तानगंज विधानसभा क्षेत्र में आज तक इतनी बड़ी इफ्तार पार्टी का आयोजन पहली बार किया जा रहा है, जिससे रोजेदारों के साथ-साथ अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों व महागठबंधन कार्यकर्ताओं में हर्ष है।

मुंगेर विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह, 585 छात्रों को बांटे डिग्री

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर विश्वविद्यालय का दूसरा दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं को डिग्री और मेडल प्रदान किए।

कुलपति ने किया राज्यपाल का स्वागतः राज्यपाल का हेलिकॉप्टर डीजे कॉलेज मैदान में उतरा। गार्ड ऑफ ऑनर के बाद उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच मुंगेर विश्वविद्यालय लाया गया। इस दौरान कुलपति डॉ संजय कुमार और रजिस्ट्रार करनाल विजय ठाकुर ने राज्यपाल का स्वागत किया। उन्हें बुके, शॉल और चांदी की मछली भेंट की गई। राज्यपाल और कुलपति सहित मौजूद अतिथियों ने दीप जलाकर दीक्षांत समारोह की शुरुआत की।

585 छात्र-छात्राओं को बांटे डिग्री और मेडलः कार्यक्रम में कुलपति के स्वागत भाषण के बाद गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय और बड़ौदा के कुलपति प्रोफेसर रामा शंकर दूबे ने छात्रों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताया। राष्ट्रगान के बाद राज्यपाल की मौजूदगी में 585 छात्र-छात्राओं को डिग्री और मेडल प्रदान किए गए।

बिहारियों को दिया एकजुटता का संदेशः अपने संबोधन में राज्यपाल ने बिहार के बारे में काफी चर्चित की। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जब आप लोग बाहर जाते हैं तो खुद को बिहारी कहते हैं। बिहार के अलावा अन्य राज्यों में जहां भी बिहार के रहने वाले लोग हैं। वे सभी वहां पर काफी एकजुट होकर रहते हैं। लेकिन बिहार में ही लोग जात-पात और धर्म में बढ़कर अपने आप में टूट रहे हैं। इस दौरान राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान ने मुंगेर विवि को दिए गए 19 एकड़ जमीन को बढ़ाकर 39 एकड़ जमीन देने की घोषणा की है।

श्री कृष्ण सेवा सदन पहुंचे राज्यपालः दीक्षांत समारोह के बाद राज्यपाल श्री कृष्ण सेवा सदन पहुंचे। उन्होंने वहां पुस्तकालय और पूर्व मुख्यमंत्री श्री कृष्णा सिंह के कार्यालय का निरीक्षण किया। सेवा सदन के ट्रस्ट अध्यक्ष, सचिव, डीएम और एसपी के साथ बैठक में सुधार के लिए निर्देश दिए। राज्यपाल ने पुस्तकालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां की पुस्तकें पठन-पाठन के लिए बेहद उपयोगी हैं। इस दौरान उन्होंने लगभग आधे घंटे तक अपने विचार साझा किए।

भाजपा प्रवक्ता के घर पहुंचे राज्यपालः राज्यपाल भाजपा प्रवक्ता अजफर शमशी के घर पहुंचे और उनके परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें चांदी का मछली देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद वे हेलीपैड गए और हेलिकॉप्टर से पटना के लिए रवाना हो गए। वहीं, राज्यपाल के दौरान सुरक्षा में पुलिस जवान मौजूद थे।

शहीद भगत सिंह की मूर्ति पर किया गया माल्यार्पण

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में आज भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को याद किया गया। घंटाघर चौक स्थित भगत सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण के बाद देशभक्ति गीतों की भी प्रस्तुति की गई। सरदार भगत सिंह शहादत समिति और गुरुद्वारा कमेटी के द्वारा शहीद दिवस मनाया गया। दरअसल, भगत सिंह सुखदेव और राजगुरु की वीरता दिलेरी और बलिदान ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को एक नई दिशा और दशा दी थी। उस समय के युवा इन तीनों सूरमाओं की वीरता से काफी प्रभावित हुए थे।

क्रांतिकारियों को किया गया यादः आजादी की लड़ाई में 23 मार्च 1931 को ब्रिटिश हुकूमत ने भगत सिंह सुखदेव और राजगुरु को फांसी दे दी थी, लेकिन इसका बलिदान स्वतंत्रता आंदोलन को और भी तेज कर दिया था देश के इन्हीं तीन वीर सपूतों के सम्मान में हर साल 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है, इस बाबत आज गुरुद्वारा कमेटी द्वारा भी शहिद पर्व मनाया गया। इस शहिद पर्व कार्यक्रम में हेमचंद्र बच्चानी हरविंदर नारायण सिंह मनजीत सिंह राजेंद्र सिंह जसपाल सिंह संजय सिंह महादेव प्रसाद रजक के अलावे दर्जनों देशभक्तों ने शहीद भगत सिंह पर माल्यार्पण किया और शहीद भगत सिंह सुखदेव और राजगुरु जैसे क्रांतिकारी को याद किया गया।

दीक्षांत एक शुरुआत है, जो आगे ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है : प्रो. रमाशंकर

निज संवाददाता। मुंगेर

दीक्षांत का वास्तविक अर्थ शिक्षा की औपचारिक समाप्ति को दर्शाता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि ज्ञान अर्जन वहीं रुक जाए। सच्चाई यह है कि सीखने की प्रक्रिया जीवनभर चलती रहती है। दीक्षांत अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है, जो उन्हें आगे भी ज्ञान प्राप्त करते रहने के लिए प्रेरित करते हैं। यह बाते शनिवार को मुंगेर विवि के दूसरे दीक्षांत समारोह में बोलते हुए विशिष्ट अतिथि के रूप में गुजरात केन्द्रीय विवि के कुलपति व टीएमबीयू के पूर्व कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने कहीं। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए याद दिलाया कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था कि बड़े सपने देखिए, क्योंकि छोटे सपनों में वह शक्ति नहीं होती जो इंसान को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर सके। उनका मानना था कि सपने वह नहीं होते जो हम सोते समय देखते हैं, बल्कि सपने वे होते हैं जो हमें सोने न दें। उन्होंने हमेशा युवाओं को प्रेरित किया कि वे अपने जीवन में उंचे लक्ष्य तय करें और उन्हें हासिल करने के लिए मेहनत, इमानदारी और समर्पण के साथ प्रयास करें। वहीं स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि संघर्ष जितना कठिन होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी। उनका यह संदेश हमें यह सिखाता है कि जीवन में आने वाली कठिनाइयां हमें मजबूत बनाती हैं और यदि हम धैर्य, परिश्रम और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहें।

संक्षिप्त समाचार

धार्मिक स्थल हटाने लेकर जीएम समेत पांच पर कोर्ट में परिवाद

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जंक्शन परिसर स्थित धार्मिक स्थल हटाने के मामले में शनिवार को सीजेएम कोर्ट में सिकंदरपुर निवासी चंद्रकिशोर पारासर ने परिवाद दायर कराया। इसमें पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रपाल सिंह, सोनपुर मंडल के डीआरएम विवेक भूषण सूद, मुजफ्फरपुर स्टेशन के अधीक्षक अखिलेश कुमार, क्षेत्रीय अधीक्षक रविशंकर महतो और सहायक अभियंता कमलेश पाठक को आरोपित किया है। सीजेएम कोर्ट ने परिवाद को ग्रहण के बिंदु पर सुनवाई के लिए रखा है। दो अप्रैल 2025 को मामले में अगली सुनवाई होगी। चंद्रकिशोर पारासर ने आरोप लगाया है कि बीते 10 मार्च की रात करीब दो बजे करीब 150 पुलिस बलों ने मुजफ्फरपुर जंक्शन परिसर स्थित धार्मिक स्थल को घेर लिया। इसके बाद उसको वहां से हटवा दिया। अगले दिन 11 मार्च को इसके पुनः निर्माण के लिए रेलवे के अधिकारियों से आग्रह किया गया, लेकिन उन्होंने एक नहीं सुनी। मांग कर रहे लोगों को डांटकर भगा दिया गया। इस भवन के तोड़े जाने से बड़ी संख्या में लोगों की भावना आहत हुई है।

बिहार दिवस पर ताड़र कॉलेज में हुआ कार्यक्रम

भागलपुर, एजेंसी। बिहार दिवस के अवसर पर ताड़र कॉलेज में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कॉलेज के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मियों ने जुलूस निकाला। कॉलेज के सभागार में छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में बिहार की गौरवमयी विरासत को प्रस्तुत किया।

आग से बचाव को लेकर किसानों को किया गया जागरुक

गया, एजेंसी। अनुमण्डल अग्निशमन विभाग की ओर से आग से बचाव को लेकर शनिवार को मखपा गांव में जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। दीवार लेखन व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। विभाग के कर्मियों द्वारा आग से सुरक्षित रहने व आग लगने की स्थिति में बचाव करने के उपाय बताये गये। अग्निशमन कर्मियों ने मॉक ड्रील कर लोगों को जागरूक किया। फायर ऑफिसर ने बताया कि गर्मी का मौसम दस्तक देना शुरू कर दिया है। इस मौसम में आग लगने की संभावना ज्यादा होती है। ऐसी स्थिति में घरों में सुबह नौ बजे से पहले खाना पका लेना, खाना बनाने के दौरान सूती वस्त्र पहनना, गैस सिलिंडर को स्टोव से दूर रखना जैसे जरूरी एहतियात बरतने की अपील की गई। फायर ऑफिसर ने किसानों से कहा कि खेतों में खलिहान लगाने की स्थिति में यह सुनिश्चित करना चाहिए कि खलिहान के आसपास बिजली के तार न हो। पास में पम्पिंग सेट हो ताकि आग लगने की स्थिति में पम्प सेट चालू कर आग पर काबू पाया जा सके। मौके पर अग्निशमन कर्मी राजू कुमार, कुनील कुमार, आलोक कुमार, नीरज कुमार के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

राष्ट्रगान मामले में महागठबंधन ने निकाला विरोध मार्च

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। राष्ट्रगान के अपमान मुद्दे को लेकर जिला राजद के साथ महागठबंधन ने शनिवार को विरोध मार्च निकाला। यह मार्च जिलाध्यक्ष रमेश गुप्ता के नेतृत्व में जूरन छपरा स्थित जिला परिषद मार्केट स्थित पार्टी कार्यालय से निकाला गया। जूरन छपरा, डीएम आवास मोड़, कंपनीबाग रोड होते हुए सरैयागंज टावर पर पहुंचा। जहां सभा आयोजित हुई। इस दौरान महागठबंधन के तमाम घटकदलों के मौजूद कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रगान का अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान का नारा भी लगाया। वहीं, जिलाध्यक्ष रमेश गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रगान हमारी राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है। इसके साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ या अपमान बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभा में प्रधान महासचिव सुधीर यादव, विधायक निरंजन राय, अमर पासवान, पूर्व मंत्री ईसराइल मंसूरी, विधायक विजेंद्र चौधरी, पूर्व विधायक नंद कुमार राय, सुरेन्द्र यादव, सीपीआई एमके अब्दुल गफ्फार, नमिता सिंह, वीआईपी के महावीर सहनी, सीपीआई के रामकिशोर झा, महेश चौधरी, भाकपा माले के सूरज सिंह, शमी इकबाल, जयशंकर यादव, विनोद यादव, बबलू कुशवाहा, जितेन्द्र किशोर, शंकर राय, तुलसी राय, पृथ्वीनाथ राय आदि थे।

भागलपुर में महिला से गैंगरेप :गांव के ही तीन लोगों ने घटना को दिया अंजाम

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में महिला के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। घटना पुलिस जिला नवगछिया के खरिक थाना क्षेत्र की है, जहां महिला के साथ गांव के ही तीन लोगों ने घटना को अंजाम दिया है। पीड़िता का कहना है कि मेरा किराना दुकान है। 19 मार्च की रात दुकान लॉक कर हम वापस घर जा रहे थे। इस दौरान कि इलाके के तीन लोग राकेश कुमार, राजाराम शाह, दिलीप कुमार दास आए और जबरदस्ती घर के अंदर ले गए। बारी-बारी से मेरे साथ सामूहिक बलात्कार किया। हाथ बांधकर मुंह में कपड़ा ठूंस दिया था। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

पप्पू यादव बोले- मैं मुख्यमंत्री बना तो 3 महीने में भ्रष्टाचार खत्म करुंगा

महागठबंधन में कांग्रेस को बड़े भाई की भूमिका में लाना जरूरी

किशनगंज, एजेंसी। कोलकाता जाने के दौरान शनिवार की देर रात किशनगंज पहुंचने पर कांग्रेस सांसद पप्पू यादव का कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने राजद द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को खलनायक बताने वाले पोस्टर पर कड़ी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि जब नीतीश कुमार राजद के साथ सरकार में थे, तब महिलाओं पर की गई टिप्पणी पर इन लोगों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। पप्पू यादव ने कहा कि राजनीति बिहार के मुद्दों पर होनी चाहिए। उन्होंने देश में बंटवारे जैसी स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि 15 साल सरकार रही उस दौरान सबसे अधिक तिरस्कार कोशी सीमांचल का किया गया । वही उनसे जब पूछा गया कि आप यदि मुख्यमंत्री बनते है तो क्या करेंगे इसके जवाब में उन्होंने कहा कि तीन महीने के अंदर भ्रष्टाचार को समाप्त कर देंगे ।

विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की मांग की

विशेष राज्य का दर्जा न मिलने को मुद्दा बनाने की बात कही। तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनने पर उन्होंने कहा कि उन्हें भी मुख्यमंत्री बनने का शौक है। उनका कहना था कि बिना कांग्रेस को बड़े भाई की भूमिका दिए भाजपा-जेडीयू को नहीं हराया जा सकता। लालू यादव पर बिना नाम लिए निशाना साधते हुए कहा कि देवगौड़ा और गुजराल को प्रधानमंत्री बनवाने की बात करते हैं, लेकिन 65प्रतिशत आरक्षण क्यों नहीं लिया। उन्होंने कहा कि 15 साल की सरकार में कोशी सीमांचल का सबसे ज्यादा तिरस्कार हुआ। मुख्यमंत्री बनने पर तीन महीने में भ्रष्टाचार समाप्त करने का वादा किया।

बिहार के मुद्दों पर होना चाहिए राजनीति

सांसद पप्पू यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए राजद द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पोस्टर लगाकर उन्होंने खलनायक बताए जाने को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जब राजद के साथ नीतीश कुमार सरकार में थे उस वक्त महिलाओं को लेकर किए गए टिप्पणी पर कोई प्रतिक्रिया इन लोगों के द्वारा नहीं किया गया था। उन्होंने कहा पिता की तरह जब आप किसी से कुछ सीखते है उनके लिए मर्यादा रहनी चाहिए। पप्पू यादव ने कहा की राजनीति बिहार के मुद्दों पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज देश में बंटवारे जैसे हालत उत्पन्न हो चुके है जिसपर चर्चा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिला इसे मुद्दा बनाए।

तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनने का शौक

उन्होंने कहा कि लालू यादव भी कई मामले पर बहक जाते है तो क्या उन्हें लेकर भी राजनीति किया जाना चाहिए । वही जब उनसे तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करने को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुझे भी मुख्यमंत्री बनने का शौक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को बगैर बड़े भाई की भूमिका में लाए आप भाजपा जेडीयू को नहीं हरा सकते । उन्होंने लालू प्रसाद यादव का बिना नाम लिए निशाना साधते हुए कहा कि देवगौड़ा और गुजराल को प्रधानमंत्री बनाने की बात करते है ,तब 65प्रतिशत आरक्षण क्यों नहीं लिया।

मत्था टेक सदाकत आश्रम में हुए दाखिल, कांग्रेस के नए बॉस राजेश कुमार ने वोटरों को जोड़ने का बनाया प्लान

पटना, एजेंसी। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद राजेश कुमार शनिवार को पहली बार पार्टी प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम पहुंचे। सदाकत आश्रम की सीढ़ियों पर माथा टेक कर उन्होंने 42वें प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। आश्रम में मौजूद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस के परंपरागत मतदाताओं को फिर पार्टी के साथ जोड़ना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। कांग्रेस के पास 36-40 दलित, अल्पसंख्यक और सवर्ण मतदाताओं का बड़ा समाजिक आधार था। अब पिछड़े और अतिपिछड़ों को भी कांग्रेस में जोड़ने की पहल की जा रही है।

राजेश कुमार ने केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के पहले प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी को वह चुनौती के रूप में ले रहे हैं। पार्टी के सभी नेताओं के सहयोग से इसे पूरा करेंगे। बिहार की जनता विकल्प की तलाश में है। कांग्रेस राज्य में विकल्प के रूप में उभरेगी, जिसमें सभी को भरोसा होगा। आगामी विधानसभा चुनाव में राजद के साथ सीटों के बंटवारे के सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व तय करेगा कि हम कितनी सीटों पर लड़ेंगे।

राजद प्रमुख लालू प्रसाद से मिलने और महागठबंधन पर चर्चा करने को लेकर उन्होंने कहा कि समय आने पर वह उनसे मिलेंगे। इसके पहले उन्होंने सदाकत आश्रम में स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मौके पर पूर्व मंत्री वीणा शाही, मोती लाल शर्मा, जमाल अहमद भल्लू, विधायक प्रतिमा दास, राजेश कुमार सिन्हा, राजेश राठौड़ आदि मौजूद रहे।

फर्जी हस्ताक्षर में तीन जेई और पांच ठेकेदार पर केस

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। शिक्षा विभाग में कार्यरत तीन जूनियर इंजीनियर ने पांच हेडमास्टर के फर्जी हस्ताक्षर से पांच ठेकेदारों को 8.35 लाख रुपये का फर्जी भुगतान करा दिया। इस तरह साजिश रचकर सरकारी राशि के गबन में विभागीय संलिप्तता सामने आई है। तीनों इंजीनियर और पांचों ठेकेदारों के खिलाफ छद्म कागजात के आधार पर सरकारी राशि गबन करने के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई गई है। जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार सिंह ने एडीएम विभागीय जांच के निर्देश पर एफआईआर दर्ज कराई है। सभी इंजीनियर और ठेकेदारों की गिरफ्तारी का भी आदेश मिठनपुरा थाने की पुलिस को दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने एफआईआर में कहा कि मड़वन प्रखंड के प्रावि. विशुनदत्तपुर मुशहर में सबमर्सिबल बोरिंग के नाम पर हेडमास्टर के फर्जी हस्ताक्षार से जेई बेगूसराय के तेलिया पोखर निराला नगर निवासी संजय कुमार ने ठेकेदार मीनापुर के हरकामन शाही निवासी विकास कुमार शाही, मोतीपुर के उमवि. मंसूरपुर के हेडमास्टर के फर्जी हस्ताक्षर से जेई नवादा जिले के अकबरपुर थाना के बलिया बुजुर्ग निवासी जयंत कुमार ने ठेकेदार संजय इंटरप्राइजर, नालंदा जिले के नूरसराय थाना के मंडाछ गांव निवासी जेई साकेत रंजन ने प्रावि. चंदन बखरी के हेडमास्टर के फर्जी हस्ताक्षर से ठेकेदार रितु शाही व उमवि. के हेडमास्टर के फर्जी हस्ताक्षर से ठेकेदार सद्दाम मिर्जा को राशि का भुगतान कराया। वहीं कटरा के प्रावि. चंगेल में बेंच डेस्क के नाम पर आपूर्तिकर्ता सीतामढ़ी के अनीस शाह को भुगतान किया गया है। सभी नामजद जेई और ठेकेदार को गिरफ्तार करने का निर्देश एसडीपीओ सीमा देवी ने मिठनपुरा थानेदार राम इकबाल प्रसाद को दिया है।

लकड़ी तोड़ने को लेकर विवाद पीट-पीटकर युवक की हत्या

सासाराम (रोहतास), एजेंसी। रोहतास के चिकलिस गांव में जलावन के लिए लकड़ी तोड़ने को लेकर हुई मारपीट में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान चिकलिस बाल के रहने वाले नन्हु के 37 वर्षीय बेटे बिरेंद्र के रूप में हुई है। मृतक के परिजन पचरतन ने बताया कि वे लोग बाल स्थित एक बगीचे में जलावन के लिए लकड़ी तोड़ रहे थे। इसी दौरान बगीचे का मालिक वहां पहुंचा और मारपीट शुरू कर दी। पचरतन भागने में सफल रहा। लेकिन बिरेंद्र को पकड़कर बुरी तरह पीटा गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया । जिसे परिजनों की मदद से घर लाया गया। जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने रविवार को शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सासाराम भेज दिया।

बागान मालिक पर एफआईआर दर्ज

काराकाट थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर बगीचा मालिक के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

भोजपुर में तीन दोस्तों की बेहरमी से पिटाई घर में गेंद जाने को लेकर हुआ विवाद

लाठी-डंडे से पीटा, अस्पताल में एडमिट

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के बभनगावां गांव में शनिवार को घर में गेंद चले जाने के विवाद को लेकर तीन दोस्तों की पिटाई कर दी गई, जिससे तीनों घायल हो गए। इसके बाद ज़ख्मियों में से दो को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार घायलों में कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के बभनगावां गांव निवासी मोतीलाल राम का बेटा करण कुमार (19),उसी गांव के निवासी जोगिंदर राम का बेटा धनु कुमार (16) और एक अन्य युवक शामिल है।

गेंद मांगने पर बेरहमी से पीटा

इधर, करण कुमार ने बताया कि गांव में क्रिकेट खेलने के दौरान उनका गेंद पड़ोसी के घर में चला गया। जब वे लोग पड़ोसी के घर गेंद मांगने गए तो पड़ोसी द्वारा उसके दो दोस्तों की पिटाई कर दी गई। उस समय मामला शांत हो गया था इसके बाद जब हमलोग वापस आए और जब अपने अन्य दोस्तों के साथ पूछताछ करने गया तो उन लोगों द्वारा उसकी भी पिटाई कर दी गई। वहीं दूसरी तरफ जख्मी करण कुमार ने क्रिकेट के दौरान घर में गेंद चले जाने और

मांगने पर तीनों दोस्तों की डंडों से पिटाई कर जख्मी करने का आरोप लगाया है।वही मामला शांत होने के बाद जख्मी लड़कों के परिजनों ने इस घटना की शिकायत स्थानीय थाना पुलिस से की है। वही ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने बताया कि मारपीट में दो लड़के जख्मी हालत में सदर अस्पताल आए थे। एक के सिर में चोट आई थी। दोनों का प्राथमिक उपचार कर दिया गया है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

मोतिहारी में 200 जगहों पर छापेमारी:एसपी ने खुद संभाला मोर्चा

बोले-अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई रहेगी जारी

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर जिले में एक साथ 200 जगहों पर छापेमारी की गई। इस अभियान में सभी एसपी, एसडीपीओ, सर्किल इंस्पेक्टर, थानाध्यक्ष और रिजर्व बल के जवान शामिल रहे। एसपी स्वर्ण प्रभात के नेतृत्व में चलाए गए इस विशेष अभियान को स्-ड्राइव नाम दिया गया है। इसमें फरार वारंटी और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई। पुलिस ने कई स्थानों पर वाहनों की भी जांच की। एसपी स्वर्ण प्रभात ने चिरैया और शिकारगंज में टीम के साथ खुद छापेमारी का नेतृत्व किया। उन्होंने सड़क पर वाहनों की जांच की और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। पुलिस के इस अभियान से जिले के अपराधियों में हड़कंप मच गया है। कई अपराधी कार्रवाई की भनक लगते ही फरार हो गए। कुछ जगहों से पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं।

अपराधियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई रहेगी जारी

एसपी ने कहा कि जिले में अपराध और असामाजिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अपराधियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी। जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की पहली प्राथमिकता है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि स्-ड्राइव अभियान के तहत आगे भी छापेमारी जारी रहेगी। वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें सक्रिय की गई हैं।

स्मैक धंधेबाजों पर स्पीडी ट्रायल की तैयारी

मुजफ्फरपुर , एजेंसी। स्मैक व अन्य मादक पदार्थ के धंधे में शामिल धंधेबाजों पर नकेल कसने के लिए विशेष रणनीति तैयार की गई है। जेल में बंद इन आरोपितों के खिलाफ समय से चार्जशीट दायर करने के साथ स्पीडी ट्रायल से सजा दिलाने की कवायद में पुलिस जुटी है। इसके अलावे वर्तमान में सक्रिय धंधेबाजों के संबंध में भी पुलिस जानकारी इकट्ठा कर रही है। सिटी एसपी विश्वजीत दयाल ने स्मैक व अन्य मादक पदार्थों के धंधेबाजों के खिलाफ संबंधित थानेदारों को कार्रवाई का निर्देश दिया है। कहा है कि पूर्व से चिह्नित और वर्तमान में सक्रिय सभी धंधेबाजों के खिलाफ विशेष अभियान चला कर सख्ती करें। बताया जाता है कि बीते साल शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अभियान चलाकर दर्जनो धंधेबाज और स्मैकियों को गिरफ्तार किया गया था। इन सभी केस के संबंधित जांच पदाधिकारियों द्वारा चार्जशीट दायर करने के साथ कोर्ट की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जानकारी हो कि बीते माह नगर थाने की पुलिस ने छापेमारी कर चर्चित स्मैक माफिया मनोज साह को पकड़ा था। थाने ले जाने के दौरान पुलिस पदाधिकारी का पिस्टल छीनकर फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया था। हालांकि, पुलिस मुठभेड़ के बाद उसे गिरफ्तार किया गया था। पुलिस अभिरक्षा में इलाज के दौरान पूछताछ में उसने मादक पदार्थ के सिंडिकेट से जुड़े दर्जनो धंधेबाजों के नाम व ठिकाने बताए थे। इसकी गोपनीय तरीके से जांच कर पुलिस की विशेष टीम आगे की कार्रवाई में जुटी है।

औरंगाबाद सदर अस्पताल के उपाधीक्षक को हटाने की मांग

आज से हड़ताल पर रहेंगे चिकित्सक, कहा- छुट्टी के बदले पैसे की मांग की जाती है

औरंगाबाद, एजेंसी। सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने उपाधीक्षक डॉ. सुरेंद्र सिंह को हटाने की मांग की है। चिकित्सक सोमवार से हड़ताल पर जाने की तैयारी में हैं। चिकित्सकों का आरोप है कि डॉ. सिंह की नियुक्ति राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग के आदेश का उल्लंघन करते हुए की गई है। स्वास्थ्य विभाग के आदेश ज्ञापन संख्या-507(3) के अनुसार संस्थान के सबसे वरिष्ठ सदस्य को ही उपाधीक्षक बनाया जा सकता है। इस मामले में डॉ. सुभाष सिंह, डॉ. उदय कुमार, डॉ. विनेश कुमार समेत 11 चिकित्सकों ने डीएम श्रीकांत शास्त्री और सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह को पत्र लिखा है। पत्र पर डॉ. अरुण कुमार, डॉ. देवेश भट्ट, डॉ. जमुना पांडेय, डॉ. रविभूषण शर्मा, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, डॉ. खालिद राजा, डॉ. अमृत कुमार और डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने भी हस्ताक्षर किए हैं।

उपाधीक्षक पर लगाए कई गंभीर आरोप

सदर अस्पताल में पदस्थापित चिकित्सकों ने उपाधीक्षक पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। चिकित्सकों ने आवेदन में उल्लेख किया है कि उपाधीक्षक भ्रष्टाचार में डूबे हैं। छुट्टी स्वीकृत करने, सरकारी कागजात पर हस्ताक्षर करने और चिकित्सकों की ड्यूटी में छूट देने के लिए भी उनके द्वारा पैसे की मांग की जाती है। अन्यथा वो धमकी देते हैं कि चिकित्सक को अनुपस्थित कर दिया जाएगा। इसके साथ ही अतिरिक्त ड्यूटी करनी होगी। इससे पहले क्षेत्रीय निदेशक मगध क्षेत्र और लोक शिकायत विभाग जैसे उच्च अधिकारियों को सूचित किया जा चुका है। मामले की जांच चल रही है, फिर भी उन्हें उपाधीक्षक बना दिया गया है, जबकि वो इसके योग्य नहीं हैं। आरोप है कि उपाधीक्षक ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए दुर्व्यवहार करते हैं। उपाधीक्षक कहते हैं कि मैं स्थानीय निवासी हूं। मुझे पद से हटाने की किसी की हिम्मत नहीं है, क्योंकि मेरी जेब में कुछ राजनेता हैं। उनके इशारे पर स्थानीय नेता ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों को धमकाते हैं और उनके काम में बाधा डालते हैं। उपाधीक्षक चोट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट बदलने, बदले में पैसे लेने, मरीजों को सर्जरी के लिए निजी क्लीनिक भेजने का दबाव बनाते हैं। उनका कहना है कि उपाधीक्षक को पद से हटाने के लिए 24 मार्च से हड़ताल पर जाने को मजबूर होंगे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

डीसी ने की समीक्षा बैठक में दिए गए कालाजार उन्मूलन के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश

निज संवाददाता | पाकुड़

पाकुड़ जिले में कालाजार उन्मूलन को लेकर प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। उपायुक्त मनीष कुमार ने जिले में कालाजार से सबसे अधिक प्रभावित 52 गांवों के लिए विशेष माइक्रोप्लान तैयार किया है, ताकि इस बीमारी को पूरी तरह से जड़ से खत्म किया जा सके। इसी को लेकर जिला समाहरणालय में एक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसमें उपायुक्त ने कीटनाशी छिड़काव अभियान के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने इस अभियान को पूरी गंभीरता से लागू करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में उपायुक्त ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, सहिया, सेविका, मुखिया, वार्ड सदस्य, प्रधान, पंचायत सेवक, जेएसएलपीएस, जल सहिया, शिक्षक और प्रज्ञा केंद्र के सदस्यों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि वे कीटनाशी छिड़काव से पहले जनजागरुकता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें। उन्होंने कहा कि इन सभी लोगों को स्वास्थ्य कर्मियों और छिड़काव कर्मियों की सहायता करनी होगी, ताकि हर घर तक यह अभियान सफलतापूर्वक पहुंच सके और शत-प्रतिशत छिड़काव सुनिश्चित किया जा सके। उपायुक्त ने सभी मल्टी-पर्पस वर्कर (एमपीडब्ल्यू), कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) और सहिया को निर्देश दिया कि वे अपने क्षेत्रों में रहकर कीटनाशी छिड़काव अभियान की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें और इसे बारीकी से मॉनिटर करें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को सख्त निर्देश दिया कि कालाजार से पीड़ित किसी भी मरीज की अनदेखी न हो। उन्होंने विशेष रूप से पीकेडीएल (पोस्ट-कालाजार डर्मल लिशमैनियासिस) मरीजों का पता लगाकर उन्हें समुचित उपचार देने पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जिले में प्रतिवेदित कालाजार रोगियों की विस्तृत जानकारी रखी जाए और उनके यात्रा इतिहास को दर्ज किया जाए, ताकि संक्रमण के प्रसार को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि जिले को कालाजार इन्डिमिक सिटी की सूची से बाहर निकालना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए आवश्यक है कि बुखार से पीड़ित प्रत्येक मरीज की पहचान कर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाया जाए और उन्हें उचित उपचार उपलब्ध कराया जाए। उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग को यह सुनिश्चित करने को कहा कि सभी वीएल (विसेरल लिशमैनियासिस) और पीकेडीएल मरीजों को दी जाने वाली सरकारी सहायता राशि का भुगतान जल्द से जल्द किया जाए। उन्होंने सभी प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि लंबित भुगतान को अविलंब निपटाया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग को जिले में अब तक चिन्हित कालाजार मरीजों के आधार पर उच्च घनत्व और कम घनत्व वाले गांवों को चिह्नित करने और जिले के मानचित्र में रेड, ग्रीन और येलो जोन दर्शाने का निर्देश दिया। इससे प्रशासन को यह पता चल सकेगा कि किन इलाकों में कालाजार का सबसे अधिक प्रभाव है और वहां किस तरह से प्राथमिकता के आधार पर काम करना है। इसके अलावा, उपायुक्त ने निर्देश दिया कि प्रत्येक कालाजार अतिप्रभावित गांव में उन मरीजों में से एक को चिन्हित किया जाए, जो पूरी तरह से ठीक हो चुका हो और उसे 'कालाजार चैंपियन' बनाया जाए। इससे लोगों में इस बीमारी को लेकर जागरूकता बढ़ेगी और वे इसके इलाज के प्रति ज्यादा गंभीर होंगे। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कीटनाशी छिड़काव शुरू होने से पहले गांवों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। इसके तहत प्रचार-प्रसार के लिए बैनर, पोस्टर, हैंडबिल्स, माइकिंग और रात्रि चौपाल जैसी गतिविधियों को अपनाया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान के महत्व को समझें और इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। बैठक में आईटीडीए निदेशक अरुण कुमार एक्का, सिविल सर्जन डॉ. मंटू कुमार टेकरीवाल, जिला भीबीडी पदाधिकारी डॉ. अमित कुमार, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. केके सिंह समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे। सभी ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए अपनी ओर से हरसंभव प्रयास करने की प्रतिबद्धता जाहिर की। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इस अभियान की सतत निगरानी करें और प्रत्येक गांव में किए जा रहे छिड़काव की रिपोर्ट नियमित रूप से दें, ताकि योजना के क्रियान्वयन में किसी भी तरह की कमी न रहे। प्रशासन का लक्ष्य है कि जिले से कालाजार को पूरी तरह समाप्त किया जाए और इसके लिए यह विशेष माइक्रोप्लान तैयार किया गया है। यदि यह अभियान पूरी गंभीरता और प्रभावी ढंग से लागू किया गया, तो आने वाले समय में पाकुड़ को कालाजार मुक्त जिला बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिल सकती है।

पशुपालन कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं लाभुक : डीसी

निज संवाददाता | पाकुड़

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना 2024-25 के तहत प्रांतीयकृत पशु चिकित्सालय प्रांगण में लाभुकों के बीच पशुधन का वितरण शिविर आयोजित हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त मनीष कुमार ने किया। मौके पर डीएएचओ डॉ. अनिल कुमार सिन्हा, बीडीओ टुडू दिलीप, सीओ मनोज कुमार मौजूद रहे। आयोजित शिविर में जिले के सभी प्रखंडों के कुल 17 चयनित लाभुकों को जोड़ा बैल का परिसंपत्ति का वितरण किया गया। वहीं लाभुकों को दस यूनिट सुकर वितरण की गई। इसमें चार मादा एवं एक नर सुकर शामिल है। उपायुक्त ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लाभुकों को पशु पालन कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रात्साहित किया। कहा कि पशुपालक विभिन्न पशुओं को पालकर अपने परिवार के जीविकोपार्जन कर सकते हैं। जबकि सरकार पशुपालकों को सशक्त बनाने के लिए कई योजनाएं चला रही है। प्रखंड पशुपालक पदाधिकारी डॉ. कलीमुद्दीन अंसारी, डॉ. अभिषेक यादव, डॉ. सुशील कुमार तिग्गा, डॉ.राकेश कुमार, डॉ. कल्पना कुमारी आदि मौजूद थे।

चोर-चोर का शोर मचाकर वनरक्षियों को ग्रामीणों की भीड़ ने पीटा, पांच जख्मी

- माइंस और क्रशर माफियाओं के इशारे पर ग्रामीणों ने किया हमला, ट्रैक्टर छुड़ाकर फरार
- पुलिस ने शुरू की जांच, हमलावरों की पहचान कर जल्द होगी गिरफ्तारी

निज संवाददाता | पलामू

पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र के बसडीहा जंगल में शनिवार की देर रात वन विभाग की टीम पर जानलेवा हमला किया गया। अवैध पत्थर सीज करने गए वनरक्षियों पर अचानक ग्रामीणों की भीड़ ने हमला बोल दिया, जिससे पांच वनरक्षी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना के तुरंत बाद उन्हें इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि माइंस और क्रशर माफियाओं के इशारे पर ग्रामीणों ने इस हमले को अंजाम दिया। हमलावरों ने न केवल वन विभाग की टीम को घेर लिया, बल्कि लाठी-डंडे और पत्थरों से हमला कर दिया और अवैध पत्थर लदे दो ट्रैक्टर छुड़ाकर फरार हो गए। वन विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि बसडीहा जंगल में बड़े पैमाने पर अवैध पत्थर तोड़ने और ट्रांसपोर्टिंग का काम किया जा रहा है। यह भी जानकारी मिली थी कि रात के अंधेरे में ट्रैक्टर के जरिए इन पत्थरों को इधर-उधर भेजा जाता है। इसी आधार पर शनिवार की दोपहर वन विभाग की टीम ने जंगल का निरीक्षण किया, जिसमें अवैध पत्थर तोड़े जाने की पुष्टि हुई। अधिकारियों ने रात में कार्रवाई करने की योजना बनाई और 16 वनरक्षियों की टीम रात 11 बजे जंगल में पहुंची। उसी दौरान दो ट्रैक्टर पत्थर लादकर जाते हुए मिले। वनरक्षियों ने ट्रैक्टर को रोक लिया और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने लगे। इसी बीच अचानक आसपास के ग्रामीण इकट्ठा होने लगे और चोर-चोर का शोर मचाना शुरू कर दिया। यह पूरी तरह से साजिश के तहत किया गया ताकि वन विभाग की टीम पर दबाव बनाया जा सके और ट्रैक्टर छुड़ाया जा सके। कुछ ही देर में ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई और वन विभाग की टीम पर हमला कर दिया। हमलावरों ने वनरक्षियों पर लाठी-डंडे और पत्थरों से हमला किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इस बीच, ट्रैक्टर चालक मौका देखकर पत्थर लदा ट्रैक्टर लेकर जंगल के रास्ते फरार हो गया। वनरक्षी आशुतोष तिवारी ने बताया कि अचानक हुए हमले के कारण वे लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

हमलावरों ने चारों ओर से घेरकर मारपीट शुरू कर दी, जिससे कुछ वनरक्षी गंभीर रूप से घायल हो गए और जमीन पर गिर पड़े। घटना की सूचना मिलते ही एसडीओ और एसडीपीओ को जानकारी दी गई। रात में ही पुलिस की टीम अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक हमलावर जंगल में भाग चुके थे। हमले में वनरक्षी आशुतोष तिवारी का पैर टूट गया, वहीं सरसिज उरांव, लक्ष्मीकांत, राकेश रौशन और पंकज कुमार के सिर और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। अधिकारियों ने तुरंत सभी घायलों को उठाकर हॉस्पिटल भेजा, जहां उनका इलाज चल रहा है। वन विभाग की टीम पर हुए इस हमले के बाद पुलिस प्रशासन सख्त हो गया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आरोपियों की पहचान करने के लिए जंगल के आसपास के गांवों में छानबीन की जा रही है। वन विभाग की ओर से इस हमले को लेकर उच्च अधिकारियों को जानकारी दी गई है और मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई है। गौरतलब है कि पलामू के जंगलों में अवैध खनन और पत्थर तस्करी का धंधा लंबे समय से चल रहा है, जिसे रोकने के लिए वन विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। लेकिन इस बार जिस तरह से वन विभाग की टीम पर हमला हुआ, उसने प्रशासन को भी चौंका दिया है। पुलिस का कहना है कि हमलावरों की पहचान कर जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी। इस मामले में अबतक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन वन विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि अवैध खनन करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी और जंगलों को माफियाओं के चंगुल से बचाने के लिए कड़ी रणनीति बनाई जाएगी।

ग्रामीण युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दिया गया प्रशिक्षण, रोजगार से जोड़ने की दी गई जानकारी

निज संवाददाता | साहिबगंज

धरमपुर पंचायत भवन में रविवार को दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अजीविका महिला संकुल संगठन की सदस्याओं और कई ग्रामीण युवतियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य युवतियों को व्यावसायिक कौशल से सशक्त बनाना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था। कार्यक्रम में प्रशिक्षक उज्जवल कुमार ने महिलाओं को स्वरोजगार और वेतन आधारित रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत युवतियों को विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक कौशल में प्रशिक्षित किया जाता है और प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्हें मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र दिया जाता है, जिससे वे अच्छे वेतन वाले रोजगार प्राप्त कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान युवतियों को हुनर बढ़ाने, नए व्यवसाय अपनाने और अपने कार्यक्षेत्र में कुशलता प्राप्त करने के गुर सिखाए गए। साथ ही, रोजगार प्राप्त करने की प्रक्रिया, साक्षात्कार की तैयारी और कार्यक्षेत्र में आत्मविश्वास बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा की गई। प्रशिक्षक उज्जवल कुमार ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की बेरोजगार युवतियों और महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाकर स्वावलंबी बनाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और प्रशिक्षण से ही महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी हो सकती हैं और रोजगार के बेहतर अवसर हासिल कर सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रशिक्षित महिलाओं की सफलता की कहानियां भी साझा की गईं, जिन्होंने इस योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त किया है।

शहीद दिवस के मौके पर निकला तिरंगा यात्रा

साहिबगंज (नि.सं.)। शहर के शहीद भगत सिंह डिफेंस युवा क्लब, चरवाहा मैदान के द्वारा शहीद दिवस के मौके पर विशाल तिरंगा यात्रा निकाला गया। यात्रा नया बाजार मोड़ से नीकल कर कोयला बाजार मोड, नौवगछि, होते हुए नया बाजार मोड़ पर आकर पुनः समाप्त हुआ। इस दौरान भारत माता की जय, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु अमर रहे आदि नारों से पुरा क्षेत्र गूंज उठा। क्लब के संरक्षक गौतम राय ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 23 मार्च को देस के लिए शहीद हुए वीर पुरुषों को श्रद्धांजलि देने के लिए क्लब के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

ऑटो-बाइक के बीच टक्कर में एक की मौत, आठ घायल

निज संवाददाता | पश्चिमी सिंहभूम

गुमला जिले के पालकोट थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें ऑटो और बाइक की सीधी टक्कर के बाद अफरा-तफरी मच गई। नाथपुर मोड़ पर हुए इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि खूंटी जिले के जमुआ डाड़ गांव से 11 लोग एक ऑटो में सवार होकर कोनकेल गांव गए थे। वहां से देर रात लौटते समय यह भीषण दुर्घटना हो गई। जैसे ही ऑटो नाथपुर मोड़ के पास पहुंचा, विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे उसमें सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में ऑटो में सवार शंकर साहू की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बालेश्वर महतो, विराज देवी, शर्मिला देवी, सुनीता देवी, जितनी देवी और तीन वर्षीय मासूम प्रियांशु कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक पर सवार दोनों युवक भी इस दुर्घटना में बुरी तरह जख्मी हुए हैं। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य में जुट गए। उन्होंने सभी घायलों को ऑटो और सड़क से बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार देने की कोशिश की। इसके बाद घायलों को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई। गुमला सदर थाना के एसआई अरविंद कुमार मौके पर पहुंचे और पूरी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मृतक शंकर साहू के शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

साथ ही, उन्होंने स्थानीय लोगों से घटना के संबंध में पूछताछ की और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। इधर, हादसे के बाद घायलों को तत्काल गुमला सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने शंकर साहू को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। बाइक सवार दो युवकों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए पालकोट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। घर में मातम पसर गया और परिजन शव को देखकर बिलख पड़े। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सड़क हादसा काफी दर्दनाक था। ऑटो में सवार सभी लोग काफी डरे और सहमे हुए थे। दुर्घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बाइक की तेज रफ्तार और मोड़ पर अचानक सामने आ जाने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस भी इस एंगल से जांच कर रही है कि बाइक सवार नशे में तो नहीं थे। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है और हादसे की वजहों की विस्तृत जांच में जुट गई है।

कंटेनर से टकराई कार, चालक की मौके पर मौत

निज संवाददाता | गिरिडीह

गिरिडीह जिले के निमियाघाट थाना क्षेत्र के लाल बाजार के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई। इस दुर्घटना में कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। मृतक की पहचान जमशेदपुर के आजाद नगर मानगो निवासी मोहम्मद तालिब अंसारी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि कार एक तेज रफ्तार कंटेनर से टकरा गई, जिससे कार के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि कार के आगे का पूरा हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत निमियाघाट पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कार से बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि शव को निकालने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों से घटना की जानकारी ली और मृतक की पहचान के बाद उसके परिजनों को सूचित किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक मोहम्मद तालिब अंसारी अपने ससुराल वासेपुर, धनबाद आए हुए थे। वे अपने साले की कार लेकर कोडरमा के जयनगर गए थे। हादसा उस समय हुआ जब वह कोडरमा से धनबाद लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि कार की रफ्तार काफी तेज थी और जैसे ही वह निमियाघाट के लाल बाजार इलाके में पहुंचे, तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार कंटेनर से उनकी कार टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई और तालिब अंसारी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों ने बताया कि इस इलाके में पहले भी कई सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां अक्सर तेज रफ्तार वाहनों के कारण दुर्घटनाएं होती रहती हैं। हादसे के बाद मृतक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जैसे ही यह खबर जमशेदपुर स्थित उनके घर पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार और कंटेनर को अपने कब्जे में ले लिया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि दुर्घटना किसकी गलती से हुई। शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि दोनों वाहनों की रफ्तार काफी तेज थी, जिसके चलते यह हादसा हुआ। फिलहाल पुलिस कंटेनर चालक से पूछताछ कर रही है और मामले की तहकीकात में जुटी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस इलाके में सड़क सुरक्षा के कड़े उपाय किए जाएं ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। दुर्घटना के बाद क्षेत्र में मातम का माहौल है और लोग मृतक के परिवार के प्रति संवेदना जता रहे हैं। तो वह तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके अपनी शिकायत दर्ज कराए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। डीसी ने कहा कि प्रशासन की ओर से साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है, ताकि जिले के हर व्यक्ति को इस तरह की ठगी से बचाया जा सके।

71 चेतना केंद्रों पर साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा आयोजित

साहिबगंज (नि.सं.)। बुनियादी साक्षरता मूल्यांकन को लेकर बोरियो प्रखंड के 71 चेतना केंद्रों पर निरक्षरों की आकलन परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा का उद्देश्य निरक्षरों की साक्षरता स्थिति का मूल्यांकन कर उन्हें शिक्षित बनाना और आगे की शिक्षा से जोड़ना था। यूएमएस नया टोला, सोसो टोला, मरांगटांड़, चालधोवा, शहरपुर, हरिणचरा, खैरवा सहित कुल 71 केंद्रों पर यह परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा केंद्रों पर साक्षरता अभियान के तहत पंजीकृत अभ्यर्थियों ने भाग लिया और अपने बुनियादी ज्ञान का मूल्यांकन कराया।

रामनवमी को लेकर अखाड़ा समिति की बैठक

निज संवाददाता | पाकुड़

रामनवमी अखाड़ा समिति की बैठक रविवार को रेलवे कॉलोनी दुर्गा मंदिर में आयोजित की गई, जिसमें हिंदू समाज के विभिन्न संगठनों के प्रमुख, समाज के गणमान्य लोग, धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि और अखाड़ा समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में इस वर्ष रामनवमी अखाड़े को और अधिक भव्य और अनुशासित रूप में निकालने तथा इसके सफल आयोजन को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान अखाड़ा समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद साहा ने बताया कि रेलवे कॉलोनी में वर्षों से युवाओं को अखाड़े में अस्त्र-शस्त्र संचालन का प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने सनातन धर्म के अनुयायियों से आग्रह किया कि वे इस बार रामनवमी के पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में अखाड़े में भाग लें और अपने धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि जो युवा शस्त्र संचालन सीखना चाहते हैं, उनके लिए अखाड़े में विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी ताकि वे इस परंपरा को आगे बढ़ा सकें। अखाड़ा समिति के सक्रिय सदस्य अमित साहा ने कहा कि इस वर्ष अखाड़े को और अधिक आकर्षक, भव्य और अनुशासित तरीके से निकालने की योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि यह पारंपरिक अखाड़ा रेलवे कॉलोनी से निकलकर पूरे शहर का भ्रमण करते हुए नगर थाने तक पहुंचेगा। इस दौरान श्रद्धालु विभिन्न प्रकार की धार्मिक झांकियों, शस्त्र प्रदर्शन और पारंपरिक नृत्य के माध्यम से भगवान राम की गाथा का प्रदर्शन करेंगे। अखाड़ा समिति ने जानकारी दी कि इस अखाड़े की स्थापना वर्ष 1961 में की गई थी और तब से लेकर आज तक हर वर्ष रामनवमी के दिन यह भव्य आयोजन पारंपरिक रूप से किया जाता रहा है। अखाड़े के मार्ग और इसकी तैयारियों को लेकर विशेष चर्चा की गई।

शहीद दिवस पर भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को दी गई श्रद्धांजलि

निज संवाददाता | पाकुड़

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई द्वारा रविवार को भगत सिंह चौक पर शहीद दिवस के अवसर पर महान क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की 94वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस दौरान नगर सह मंत्री जीत साहा ने भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष सरोज पांडेय ने कहा कि 23 मार्च 1931 को स्वतंत्रता संग्राम के इन वीर सेनानियों को अंग्रेजों ने फांसी दी थी। इसलिए हर वर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने भारत की आजादी के लिए जो सर्वोच्च बलिदान दिया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके साहस और देशभक्ति ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। सरोज पांडेय ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भगत सिंह ने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ जिस साहस के साथ संघर्ष किया, वह आज भी प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने अपने विचारों और क्रांतिकारी गतिविधियों के माध्यम से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई ऊर्जा दी। उनका दिया हुआ "इंकलाब जिंदाबाद" का नारा आज भी युवाओं के दिलों में जोश और उत्साह भरता है। इस मौके पर जिला संयोजक गुंजन तिवारी, विशेष आमंत्रित सदस्य राहुल मिश्रा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सन्नी तिवारी, सरोज पांडे, जीत साहा, बीरबल मंडल, बिक्की राय, देवाशीष चौधरी, पीयूष चौबे, शिवम् चौबे, रोहित यादव, विवेक दास, रौशन यादव, परेश घोष और देव यादव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने और शहीदों के सपनों को साकार करने का संकल्प लिया।

मकान की ढलाई के दौरान मिस्त्री घायल

साहिबगंज (नि.सं.)। रविवार को विजयपुर में मकान की ढलाई के दौरान सेटरिंग का काम करते वक्त एक मिस्त्री गंभीर रूप से घायल हो गया। निर्माण कार्य के दौरान हुए इस हादसे से स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विजयपुर निवासी अब्दुल समद नामक मिस्त्री मकान की ढलाई के लिए सेटरिंग का काम कर रहा था। वह लकड़ी के तख्तों को ठोककर मजबूत कर रहा था, ताकि छत की ढलाई सुचारू रूप से हो सके। इसी दौरान अचानक हथौड़ा फिसलकर सीधे उसके हाथ पर जा लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। चोट इतनी गहरी थी कि उसके हाथ से तेजी से खून बहने लगा, जिससे मौके पर मौजूद अन्य मजदूर भी घबरा गए। घटना के तुरंत बाद निर्माण स्थल पर काम कर रहे अन्य मजदूरों ने घायल अब्दुल समद को प्राथमिक उपचार देने की कोशिश की। खून बहते देख स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंचे और उसे तुरंत पास के स्थानीय चिकित्सक के पास इलाज के लिए ले जाया गया।

सुदूर क्षेत्रों में चलाया गया कालाजार उन्मूलन अभियान

निज संवाददाता | पाकुड़

पाकुड़ जिले में कालाजार उन्मूलन अभियान के तहत सुदूर क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर कीटनाशक छिड़काव किया गया। विशेष रूप से प्रखंड के चिरूडीह, दुर्गापुर एवं घूरनी गांव में आईआरएस (इनडोर रेसिडुअल स्प्रे) कीटनाशक का छिड़काव किया गया, ताकि क्षेत्र को कालाजार जैसी घातक बीमारी से मुक्त किया जा सके। पूरे अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने घर-घर जाकर छिड़काव सुनिश्चित किया और नालियों समेत हर संभावित स्थान पर कीटनाशक का उपयोग किया। छिड़काव की निगरानी कर रहे केटीएस संजय मुर्मू ने बताया कि अभियान के तहत तीनों गांवों के कुल 450 घरों में कीटनाशक का छिड़काव सफलता पूर्वक पूरा कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि आईआरएस कीटनाशक दवा कालाजार एवं मलेरिया जैसे रोगों के रोकथाम में बहुत कारगर सिद्ध होती है। इस दवा के प्रभाव से न केवल कालाजार के वाहक बालू मक्खी का सफाया होता है, बल्कि मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों सहित अन्य हानिकारक कीटाणुओं का भी नाश होता है। इससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि प्रभावित क्षेत्रों में संक्रमण का खतरा कम हो और लोग सुरक्षित रहें। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को कालाजार उन्मूलन को लेकर जागरूक भी किया।

टीम ने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने घर के हर कमरे में कीटनाशक छिड़काव करवाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही न करें और स्वास्थ्य विभाग की टीम का पूरा सहयोग करें। उन्होंने यह भी बताया कि कई बार लोग कीटनाशक छिड़काव से बचने की कोशिश करते हैं या इसे अनावश्यक मानते हैं, लेकिन यह कालाजार और अन्य संक्रमण से बचाव के लिए बेहद जरूरी है। स्वास्थ्य कर्मियों ने ग्रामीणों को बताया कि यह अभियान केवल सरकारी निर्देश का पालन करने के लिए नहीं, बल्कि उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए चलाया जा रहा है। अभियान के तहत न केवल घरों के अंदर बल्कि नालियों, जलभराव वाले स्थानों और घरों के आसपास भी कीटनाशक का छिड़काव किया गया, ताकि बीमारी फैलाने वाले किसी भी तरह के कीटाणु को समाप्त किया जा सके। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी डॉ. भरत भूषण भगत, चिकित्सक डॉ. मंजर आलम, केटीएस संजय मुर्मू, प्रभात दास, एमपीडब्ल्यू मिशन शेख, गांव की सेविका, सहिया एवं जल सहिया ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को इस बात की भी जानकारी दी कि कालाजार और मलेरिया से बचाव के लिए स्वच्छता का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। यदि घरों और आसपास की नालियों को साफ रखा जाए और नियमित रूप से कीटनाशक छिड़काव किया जाए, तो इन बीमारियों को पूरी तरह से खत्म किया जा सकता है। ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि यदि किसी को लंबे समय से बुखार हो या कालाजार के लक्षण नजर आएं, तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर जांच करानी चाहिए, क्योंकि समय पर इलाज न मिलने से यह बीमारी गंभीर रूप धारण कर सकती है। स्वास्थ्य विभाग के इस अभियान से ग्रामीणों में काफी जागरूकता देखी गई और लोगों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रशासन की ओर से यह स्पष्ट कर दिया गया है कि कालाजार उन्मूलन के लिए इस तरह के अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे, ताकि जिले को इस बीमारी से पूरी तरह मुक्त किया जा सके।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संपादकीय

तुलसी गबार्ड की यात्रा -भारत-अमेरिका सहयोग पर लगेगा ब्रेक या बढ़ेगा भरोसा?

ऐसे समय में जब अमेरिकी राष्ट्रपति के भारी शुल्क थोपने को लेकर भारत में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं, दोनों देशों के बीच सहयोग के रिश्तों में रुकावट आने का अनुमान लगाया जा रहा है, अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की भारत यात्रा कई अर्थों में महत्वपूर्ण है। गबार्ड ने प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से मुलाकात की और कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने जिस तरह आतंकवाद, रक्षा, सुरक्षा और सूचनाओं को साझा करने जैसे मुद्दों पर बेबाक ढंग से ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं का उल्लेख किया और भारत की चिंताओं पर सहयोग का भरोसा दिलाया, उससे साफ हो गया कि अमेरिका के साथ भारत के रिश्तों में खटास की आशंकाओं में कोई दम नहीं है। गबार्ड ने स्पष्ट कहा कि डोनाल्ड ट्रंप इस्लामिक आतंकवाद खत्म करने को लेकर गंभीर हैं। आतंकवाद ने हमें चारों ओर से घेर लिया है और इसका दूरगामी असर पड़ेगा। उन्होंने पाकिस्तान और बांग्लादेश का नाम लेकर आतंकवाद और सांप्रदायिक उन्माद से निपटने पर जोर दिया। दरअसल, भारत और अमेरिका के संबंध केवल व्यापारिक मुद्दों से नहीं जुड़े हैं। दोनों के बीच आतंकवाद भी एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा है। इसके खिलाफ युद्ध छेड़ने का दोनों का साझा वादा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ गबार्ड की बैठक में सुरक्षा और सूचनाओं के साझाकरण पर विशेष रूप से बातचीत हुई। रक्षामंत्री ने खालिस्तानी अलगाववादियों पर अंकुश लगाने का मुद्दा उठाते हुए मांग की कि सिख फार जस्टिस जैसे संगठनों पर अमेरिका प्रतिबंध लगाए। अगर ट्रंप प्रशासन इस दिशा में कोई सकारात्मक कदम उठाता है, तो भारत के लिए पन्नू जैसे अलगाववादियों के खिलाफ नकेल कसने में आसानी होगी। ये अलगाववादी अमेरिका और ब्रिटेन, कनाडा जैसे देशों की नागरिकता प्राप्त कर सुरक्षा घेरे में पहुंच गए हैं। भारत लगातार उनके खिलाफ दस्तावेज पेश करता रहा है, मगर अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा के कानून कुछ ऐसे हैं कि भारत-विरोधी गतिविधियों के आरोप में उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो पाती।

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की ओर दिया जा रहा है विशेष ध्यान

(प्रह्लाद सबनानी)

भारत में, नागरिकों की दिनचर्या में आ रही गिरावट एवं खानपान में आए बदलाव के चलते देश में कैंसर के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और इसका इलाज महंगा होने के कारण आम नागरिकों के लिए इस बीमारी का इलाज कराना बहुत मुश्किल कार्य होता जा रहा है। प्राचीनकाल में भारत के नागरिकों में स्वास्थ्य के प्रति चेतना का भाव जागृत रहता था। जागरूकता तो यहां तक थी कि किस प्रकार जीवन की दिनचर्या स्थापित हो कि परिवार में कोई बीमार ही नहीं हो, बीमारी का निदान तो आगे की प्रक्रिया रहती है। उस खंडकाल में प्रत्येक नागरिक इतना सजग रहता था कि प्रातःकाल एवं सायंकाल में 5/10 किलोमीटर तक नियमित रूप से पैदल चलना एवं योगक्रिया तथा प्राणायाम आदि का अभ्यास नियमित रूप से करता था ताकि शरीर को किसी भी प्रकार का रोग ही नहीं लगे एवं शरीर स्वस्थ बना रहे। इसके साथ ही खानपान, सामान्य दिनचर्या, सूरज डूबने के पूर्व भोजन करना, रात्रि में जल्दी सोना और प्रातःकाल में जल्दी उठना, दिन भर मेहनत के कार्य करना, जैसी प्रक्रिया सामान्यजन की हुआ करती थी। परंतु, आज परिस्थितियां बदली हुई सी दिखाई देती हैं। पश्चिमी सभ्यता की ओर बढ़ रहे रुझान के चलते युवाओं के खानपान में आमूलचूल परिवर्तन दिखाई देता है, दिनचर्या में परिवर्तन दिखाई देता है, रात्रि में बहुत देर से सोना और सूर्य नारायण के उदित होने के पश्चात दिन में बहुत देर से उठना आदि कारणों के चलते विभिन्न प्रकार की बीमारियां नागरिकों को घेरने लगी हैं। अतः केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों को नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए अपने बजट में विशेष प्रावधान करने पड़ रहे हैं। आज, केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा यह प्रयास किए जा रहे हैं कि समाज के हर वर्ग तक सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से पहुंचें और आज सरकार की यह प्राथमिकता बन गई है। देश में नागरिकों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा 175,000 आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए गए हैं। इन सभी प्रयासों के चलते आज भारत में मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में भी व्यापक कमी दृष्टिगोचर हुई है और केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे प्रयासों के चलते एवं अस्पताल, इलाज और दवा की व्यवस्था के कारण एक सामान्य परिवार में स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च निरंतर कम हो रहा है। भारत में, नागरिकों की दिनचर्या में आ रही गिरावट एवं खानपान में आए बदलाव के चलते देश में कैंसर के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और इसका इलाज महंगा होने के कारण आम नागरिकों के लिए इस बीमारी का इलाज कराना बहुत मुश्किल कार्य होता जा रहा है। अतः केंद्र सरकार ने कैंसर दवाओं के आयात पर कस्टम ड्यूटी को समाप्त कर दिया है। केंद्र सरकार द्वारा, अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन करते हुए, सर्वाइकल कैंसर के लिए अब तक लगभग नौ करोड़ महिलाओं की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। देश में लगातार बढ़ रही कैंसर के मरीजों की संख्या को देखते हुए देश के समस्त जिलों में आगामी 3 वर्षों के दौरान डे केयर कैंसर सेंटर की स्थापना कर दी जाएगी। इस प्रकार, वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 200 डे केयर कैंसर सेंटर की स्थापना की जा रही है। इसी प्रकार केंद्र सरकार द्वारा किए गए प्रयासों से दिमागी बुखार से लड़ने में देश को बहुत सफलता मिली है। इससे होने वाली मृत्यु दर अब घटकर छह प्रतिशत रह गयी है। केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी के मरीजों की संख्या भी घटी है। भारत को टीबी मुक्त बनाए जाने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण कार्यक्रम की सही ट्रैकिंग रखने के लिए डब्ल्यूआईएन नामक पोर्टल लॉन्च किया गया है। इस पोर्टल पर अब तक लगभग तीस करोड़ वैक्सीन खुराक दर्ज हो चुकी है। टेली मेडिसिन के माध्यम से तीस करोड़ से अधिक ईङ्कटेली-कन्सल्टेशन से नागरिकों को स्वास्थ्य लाभ मिला है। देश में यदि विभिन्न प्रकार की बीमारियां फैल रही हैं तो इन बीमारियों के पहचानने के लिए उचित संख्या में डॉक्टरों की उपलब्धता बनी रहे एवं विशेष रूप से गांवों में भी डॉक्टर उपलब्ध रहें इस हेतु केंद्र सरकार द्वारा देश में डॉक्टरों की संख्या को बढ़ाने के लिए पिछले 10 वर्षों के दौरान देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में 110,000 नई मेडिकल सीटों का सृजन, 130 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ, किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 10,000 अतिरिक्त मेडिकल सीटों का सृजन भी किया जा रहा है ताकि आगामी पांच वर्षों के दौरान देश के मेडिकल कॉलेजों में 75,000 नई सीटों के सृजन के लक्ष्य को हासिल किया जा सके। साथ ही, केंद्र सरकार हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और मेडिकल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग को भी बढ़ावा दे रही है। देश में नए बल्क ड्रग और मेडिकल डिवाइसेस के पार्क भी बनाए जा रहे हैं। इनमें रोजगार के अनेक नए अवसर भी उपलब्ध हो रहे हैं। जल जनित बीमारियों के बचाव के उद्देश्य से, विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में स्वच्छ जल उपलब्ध कराने की दृष्टि से, ताकि दूषित जल पीने से होने वाली बीमारियों से नागरिकों की रक्षा की जा सके, केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 से जल जीवन मिशन चलाया जा रहा है और अभी तक 15 करोड़ परिवारों (भारत की 80 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या) को इस योजना के अंतर्गत नलों के माध्यम से शुद्ध जल उपलब्ध कराया जा चुका है। स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की दृष्टि से भारत में निवासरत नागरिक एक तरह से स्वर्ग में निवास कर रहे हैं। अन्यथा, अन्य कई विकसित देशों में आज स्वास्थ्य सेवाएं न केवल अत्यधिक महंगी दरों पर उपलब्ध हो रही हैं बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं का समय पर उपलब्ध होना भी बहुत मुश्किल हो रहा है। अमेरिका में किसी नागरिक को यदि किसी डॉक्टर से अपाइंटमेंट लेना हो तो कभी कभी तो एक माह तक इसका इंतजार करना होता है। इमर्जेन्सी की स्थिति में विशेष इमर्जेन्सी अस्पताल में दिखाना होता है, जहां अत्यधिक महंगी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होती है। यदि किसी नागरिक के पास स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध नहीं है तो सम्भव है कि पूरे जीवन भर की कमाई इन विशेष इमर्जेन्सी अस्पतालों में खर्च हो जाए। अतः स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में अमेरिका में आज डॉक्टर को दिखाकर दवाई लेना अति मुश्किल काम है।

आज अमेरिका में स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि वहां के नागरिक बीमार होने की स्थिति में, स्थानीय डॉक्टर से चूंकि तुरंत समय नहीं मिल पाता है अत:, ये बीमार नागरिक आस पास के देशों में जाकर अपना इलाज करा रहे हैं। अमेरिका सहित अन्य विकसित देशों में बिना मेडिकल बीमा के आप इन देशों में जिंदा नहीं रह सकते। अब आप कल्पना करें कि भारत में इलाज कराना कितना आसान है एवं वास्तव में ही इस दृष्टि से हम भारत में एक तरह से स्वर्ग में निवास कर रहे हैं।

कब खत्म होगी रूस-यूक्रेन की जंग?

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच मंगलवार को हुई टेलिफोन बातचीत उस कदर कामयाब भले न हुई हो जैसी उम्मीद की जा रही थी, फिर भी सीमित युद्धविराम पर सहमति शांति की दिशा में एक कदम जरूर है। पिछले हफ्ते एक महीने के अस्थायी युद्धविराम पर यूक्रेन की सहमति मिलने के बाद कई हलकों में माना जा रहा था कि शांति अब ज्यादा दूर नहीं है। इस लिहाज से रूसी राष्ट्रपति पुतिन का यह कड़ा रुख पहली नजर में बहुतों को अप्रत्याशित लग सकता है। लेकिन यूक्रेन युद्ध में दोनों पक्षों का जितना कुछ दांव पर लगा है, उसे देखते हुए उनका फूंक-फूंक कर कदम बढ़ाना अस्वाभाविक नहीं है। सीमित युद्धविराम पर सहमति के बाद शांति की बढ़ी हुई उम्मीदों के बीच दोनों ही पक्ष अपना रुख और कड़ा करते हुए दिख रहे हैं। जहां रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने स्थायी युद्धविराम के लिए यूक्रेन को मिलने वाली हर तरह की बाहरी सहायता पर पूर्ण रोक और उसे नैटो सदस्यता न देने की प्रतिबद्धता जैसी शर्तें रखी हैं वहीं यूक्रेन कह रहा है कि वह अपनी संप्रभुता को लेकर कोई सौदेबाजी नहीं करेगा और रूस को उसकी कब्जा की गई जमीन वापस करनी होगी। यूरोपीय देश यूक्रेन के पलड़े का वजन बढ़ाने की कोशिश में अभी भी लगे हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टॉर्मर ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत में यह बात दोहराई कि स्थायी और न्यायपूर्ण शांति सुनिश्चित करने के लिए यूक्रेन की स्थिति को अधिकाधिक मजबूती देने की जरूरत है। निश्चित रूप से पूर्ण युद्धविराम की ओर ले जाने वाली आगे की राह मुश्किलों से भरी है। यूक्रेन की कुल भूमि का करीब पांचवां हिस्सा रूस के कब्जे में है। क्या रूस यह जमीन लौटा देगा? न लौटाने पर क्या यूक्रेन इस जमीन पर अपना दावा छोड़ देगा? दोनों में से कोई विकल्प आसान नहीं, लेकिन याद रखना होगा कि विश्व बैंक के मुताबिक तीन साल से चल रहे इस युद्ध में अकेले यूक्रेन को 152 बिलियन डॉलर यानी करीब 13 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है।

बेहतरी की ओर बढ़ रहे भारत-चीन संबंध

(उमेश चतुर्वेदी)

अमेरिकी पाडकास्टर को दिए इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा, उसे देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा है, भारत और चीन के बीच संबंध कोई नई बात नहीं है। दोनों देशों की संस्कृतियां और सभ्यताएं प्राचीन हैं। आधुनिक दुनिया में भी, वे एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत और चीन की ओर से एक-दूसरे के लिए जिस तरह की हाल के दिनों में बयानबाजी हुई है, उससे लगता है कि दोनों देशों के रिश्ते बेहतरी की ओर लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इसका हालिया मुलाहिजा तब हुआ, जब भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्चर एवं पाडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन को दिए करीब तीन घंटे के इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने चीन की प्रशंसा की की। मोदी पिछले साल अप्रैल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिकी पत्रिका न्यूजवीक को दिए इंटरव्यू में भी चीन को लेकर सकारात्मक संदेश दिए थे। इसके बाद अमेरिकी पॉडकास्टर से की गई बातचीत ने चीन और भारत के रिश्तों को एक तरह से नया आयाम दिया है। अच्छे और बेहतर पड़ोसी होने के नाते चीन का इस पर खुश होना स्वाभाविक था। चीन की ओर से आई प्रतिक्रिया भी जबरदस्त रही। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग का यह कहना कि चीनी ड्रैगन और भारतीय हाथी के सामंजस्यपूर्ण नृत्य की प्रतीक्षा चीन के उत्साह का ही वर्णन करता है। अमेरिकी पाडकास्टर को दिए इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा, उसे देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा है, भारत और चीन के बीच संबंध कोई नई बात नहीं है। दोनों देशों की संस्कृतियां और सभ्यताएं प्राचीन हैं। आधुनिक दुनिया में भी, वे एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि आप ऐतिहासिक अभिलेखों को देखें, तो सदियों से भारत और चीन ने एक-दूसरे से सीखा है। साथ मिलकर, उन्होंने हमेशा किसी न किसी तरह से वैश्विक भलाई में योगदान दिया है। प्रधानमंत्री मोदी की यह टिप्पणी चीन और भारत के रिश्ते बेहतर बनाने की दिशा में पहला कदम नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की रूसी शहर कजान में पिछले साल की मुलाकात के बाद भारत और चीन के रिश्ते लगातार बेहतरी की ओर बढ़ रहे हैं। हाल ही में चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भी भारत को लेकर अपनी बेहतर राय जाहिर की थी। जिसका भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्वागत किया था। इस कड़ी में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की ताजा टिप्पणी ने एक तरह से भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को बेहतरी की ओर तेजी से बढ़ा दिया है। मोदी ने भारत- चीन के आपसी और गहरे रिश्तों और ऐतिहासिक संबंधों की भी इस पाडकास्ट में चर्चा की। वैसे चीन और भारत के रिश्तों की एक बड़ी और ऐतिहासिक कड़ी महात्मा गौतम बुद्ध हैं। यह ऐसी कड़ी है, जिसकी बुनियाद पर दोनों देशों के रिश्तों को और बेहतर बनाया जा सकता है। भारत-चीन संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में नई दिल्ली यह समझाने की कोशिश करती रही है कि जब तक दोनों देशों के बीच का सीमा विवाद और उससे उपजा तनाव खत्म नहीं हो जाता, तब तक संबंध बेहतर नहीं हो सकते हैं। लेकिन चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने पिछले दिनों जब कहा कि एशिया की दोनों आर्थिक महाशक्तियों को अपने विवाद भुलाकर साथ आना चाहिए, तब से हालात बदलने लगे हैं। वैसे भी जिस तरह ट्रंप लगातार चीन को घेरने की कोशिश कर रहे हैं और आयात पर टैरिफ बढ़ाने की बात कर रहे हैं, उससे चीन ही नहीं भारत को परेशान कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार चीन और भारत से आयातित होने वाली चीजों पर टैरिफ बढ़ाने की बात कर रहे हैं। इसका निश्चित तौर पर दोनों देशों की आर्थिकी पर असर पड़ सकता है। अगर दोनों देश कम से कम आर्थिक मोर्चे पर साथ आने को तैयार दिखें तो अमेरिका की धमकियां और उसके कदम बेअसर साबित हो सकते हैं। वैसे दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते जिस तरह बढ़ते रहे हैं, दोनों के बीच जारी सीमाई तनाव के बावजूद आपसी व्यापारिक संबंध मजबूत बने हुए हैं, वह बेहतर होते रिश्तों की ही कहानी कह रहे हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक-5679

	9	6		4			3	
	5	7	8	2				
1			9			5		
		9		1				8
5								2
4				9		6		
		4			3			1
				7	9	2	6	
	2			5		9	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5678

2	3	5	6	4	7	9	8	1
1	8	9	5	3	2	4	7	6
7	4	6	8	9	1	2	5	3
4	5	1	9	7	8	3	6	2
3	6	8	1	2	5	7	9	4
9	7	2	3	6	4	5	1	8
6	9	7	4	1	3	8	2	5
8	1	3	2	5	9	6	4	7
5	2	4	7	8	6	1	3	9

वर्ग पहेली 5679

1	2		3	4		5	
6			7		8		
		9		10			11
12	13		14		15	16	
17		18			19		
	20						
21				22		23	24
25						26	

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1941 को इस भारतीय अदम्य निर्भीकता वाले पत्रकार ने जन्म लिया था (5)
5. यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर है जिसकी स्थापना 12 जून 1829 का हुई थी (2)
6. मास, महिना, तीस दिनों का समय (2)
7. काजल लगा हुआ, अंजनयुक्त (4)
9. शास्त्रीय संगीत में ऋषभ स्वर सूचक शब्द (1)
10. झुका हुआ, प्रणाम करता हुआ (2)
12. बहादुर, सूरमा, योद्धा (2)
15. संतान, वंशज (3)
17. वह जो ब्राह्मणों से अपने धार्मिक कृत्य करवाता है (4)
19. झूले की पेंग, झमने का भाव, तरंग (3)
20. रूप या अस्तित्व प्रदान होना (3)
22. अपनी इच्छानुसरा काम करने वाला (4)
25. महाभारत के अनुसार यह दुर्योधन का मंत्री था (3)
26. मुस्लिम पद्धति से विवाह करवाने वाला (2)

ऊपर से नीचे
1. जो मनुष्य के योग्य न हो, क्रूर (5)
2. आत्मा, जान, प्राण-वायु (2)
3. चसका, सुख-भोग, मनपसंद (2)
4. कारण (अंग्रेजी)(3)
5. नादरूपिणी वाणी, ब्रह्म विद्या (2)
8. बतौर नायिका यह नरगिस की अंतिम फिल्म थी जिसमें प्रदीप कुमार और फिरोजखान भी थे (6)
11. वाद्य बजाने वाला, साजिंदा (3)
13. इस्लामी सातवां महिना (3)
14. श्रवण करना, बर्दाश्त करना (3)
16. ब्रिगेड, दस्ता, उर्दू का एक अक्षर (2)
18. किसी की प्रतिष्ठा या इज्जत को हानि पहुंचाना (4)
21. प्रसिद्धि, ख्याति, नाम होना (2)
22. सत्ताइस नक्षत्रों में दसवां जो शिशुमार से लगा हुआ है(2)
23. अवसर, घटना स्थल (2)
24. बडी बहन के लिए एक संबोधन, दीदी (2)

वर्ग पहेली 5678 का हल

ढा	का		वि	त	रं	ज	न
लू	म		रा	ल		य	म
	न	वा	ग	त		प्र	
सी	क	र		म		का	श
न	र			ह	ता	श	
	ना	का		मू	ल		न
पं		म	द	द		क	र्म
यु	म	ना	म		शा	र	दा

आज का राशिफल

मेष
मेष राशि वालों के लिए दिन करियर के लिए अच्छा है और आपके लिए तरक्की के योग बन रहे हैं। धन लाभ भी हो सकता है और आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शाम से रात तक का समय विशेष रूप से शुभ रहेगा और आपको धन लाभ होगा। हालांकि, खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है और आपका भाग्य साथ देगा। आपके सम्मान में वृद्धि के योग हैं।

वृष
वृष राशि वालों के लिए दिन तरक्की और सफलता से भरा रहेगा। किस्मत आपका साथ देगी। आप जो भी काम करेंगे, उसमें आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आप अपने काम की प्रशंसा सुनकर खुश होंगे और रात के समय किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा। आपको रुका धन मिल सकता है और आपके लिए तरक्की के योग हैं।

मिथुन
मिथुन राशि वालों को व्यापार में भाग्य का साथ मिलेगा और सम्मान में वृद्धि होगी। आपके घर या ऑफिस में विवाद हो सकते हैं, इसलिए सावधान रहें। आपका शत्रु पक्ष आपको परेशान कर सकता है, जिससे आपका मन काम में नहीं लगेगा।

कर्क
कर्क राशि वालों को करियर में सफलता मिलेगी और आप हर क्षेत्र में अपना नाम कमाएंगे। आपके सभी काम बनेंगे और पुराने झगड़े और विवाद खत्म होंगे। व्यापार में भाग्य का साथ मिलेगा और आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति भी हो सकती है। आपकी कोई खोई हुई कोई कीमती चीज भी मिल सकती है।

सिंह
सिंह राशि वालों के लिए दिन तरक्की से भरा रहेगा और आपको करियर में मनचाही सफलता मिलेगी। आपका सहकर्मियों पर खोया हुआ विश्वास वापस मिलेगा और आपको संतान पक्ष के लोगों से फिर से कोई शुभ समाचार मिलेगा। किसी बाहरी व्यक्ति के हस्तक्षेप से सावधान रहें और अपनी प्रगति का रहस्य किसी को न बताएं। दूसरों की बातों पर भरोसा न करें।

कन्या
कन्या राशि वालों के लिए दिन असमंजस से भरा होगा। आपको समझ नहीं आएगा कि क्या करना सही होगा और क्या गलत। इस वजह से काम लटके रहेंगे और उलझन महसूस होगी। रचनात्मक कार्यों में गति आएगी और आपके ज्ञान, विज्ञान, कला और लेखन में आपकी दक्षता रंग लाएगी।

तुला
तुला राशि वालों को जोखिम भरे काम से बचने की सलाह है। कार्यक्षेत्र में हर तरह के रिस्क से दूर रहें और आप हर कदम सोच-समझकर बढ़ाएं। आपकी योजनाएं सफल होंगी शाम के समय तरक्की के योग बनेंगे और आपका दिन सफलता से भरा होगा। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी और कहीं से कोई शुभ सूचना आपके लिए आ सकती है।

वृश्चिक
वृश्चिक राशि वालों के लिए दिन उथल-पुथल से भरा रहेगा और आपको कई तरह के विवाद और झंझट का सामना करना पड़ सकता है। शाम तक समय निकालकर इन विवादों को सुलझा लें, तो काम बन जाएंगे।अपनी कार्यकुशलता से मुसीबतें कम कर पाएंगे। रात का समय किसी सामाजिक या राजनीतिक कार्यक्रम में बीतेगा। आपको करियर के मामले में कोई बेहतरीन ऑफर आ सकता है।

मकर
मकर राशि वालों के लिए दिन अच्छा रहेगा और आपको सुबह से ही मूड अच्छा रहेगा। आपको किसी बड़े लाभ के चक्कर में दिनभर भागदौड़ कर सकते हैं।आपको भाग्य का साथ मिलेगा और आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। कोई मेहमान घर आ सकता है। व्यर्थ की भागदौड़ और तनाव खत्म होग और आपके आपको कहीं से करियर के मामले में काम की जानकारी मिल सकती है। आपको धन लाभ होगा।

कुंभ
कुंभ राशि वालों के लिए दिन व्यस्त रहेगा। एक साथ कई काम आपके हाथ में आने से आपकी बेचैनी बढ़ सकती है। विरोधी आपको फालतू काम में उलझ सकते हैं, इसलिए सावधान रहें। वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी दें, दिन परेशानियों और कठिनाइयों से भरा हो सकता है और आपके खर्चे बढ़ सकते हैं। आपको ऐसे में सूझबूझ से काम लेने की सलाह है, अपने काम पर फोकस करें।

धनु
धनु राशि वालों को करियर में लाभ होगा और आपके सभी काम समय पर पूरे होंगे। मेहनत से किया गया हर प्रयास सफल होगा। लाभ होगा और आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। रात में माता को अचानक कोई परेशानी हो सकती है, जिससे आपको दौड़-भाग करनी पड़ सकती है। भाग्य में वृद्धि होगी और मन प्रसन्न रहेगा।

मीन
मीन राशि के लोगों के लिए अच्छी खबर है और आपको उन्हें सफलता मिलेगी और भाग्य का साथ मिलेगा। मानसिक शांति बनी रहेगी और रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे। प्रमोशन मिलने की संभावना है और आपके लिए धन में वृद्धि के योग हैं। रात में अचानक मेहमान आ सकते हैं, जिससे काम बढ़ सकता है। पैसों के मामले में भी अच्छी खबर मिल सकती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : soneversha vani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

मंईयां सम्मान योजना के नाम पर लाभ दिलवाने वाले कॉल और मैसेज से रहें सावधान : उपायुक्त

निज संवाददाता | देवघर

हाल ही में साइबर ठगों ने मंईयां सम्मान योजना के नाम पर लोगों को गुमराह कर उनके बैंक खाते से पैसे निकालने की साजिश शुरू कर दी है। इसे लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर ने जिलेवासियों से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी फोन कॉल या मैसेज के माध्यम से लोगों को जाल में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। वे खुद को विभागीय अधिकारी या कर्मचारी बताकर लोगों को यह भरोसा दिलाते हैं कि उन्हें मंईयां सम्मान योजना के तहत आर्थिक सहायता दी जाएगी, लेकिन वास्तव में यह एक ठगी का जाल है। उपायुक्त ने लोगों को सचेत करते हुए कहा है कि यदि कोई व्यक्ति फोन करके योजना की किस्त मिलने की बात कहे या फिर लाभ दिलाने के नाम पर बैंक खाता, पासवर्ड, ओटीपी या अन्य गोपनीय जानकारी मांगे, तो किसी भी परिस्थिति में ऐसी जानकारी साझा न करें। यह पूरी तरह से साइबर ठगी का मामला हो सकता है। उपायुक्त ने कहा कि ऐसे जालसाजों से बचने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है कि किसी भी अनजान कॉल पर भरोसा न करें। यदि कोई व्यक्ति इस तरह की फोन कॉल या मैसेज भेजकर बैंक अकाउंट की जानकारी मांगता है, तो उसकी सूचना तुरंत अपने नजदीकी थाना, साइबर थाना या पुलिस नियंत्रण कक्ष (100 नंबर) पर दें, ताकि पुलिस तुरंत कार्रवाई कर सके और ठगी के प्रयास को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि सावधानी ही सुरक्षा की कुंजी है, इसलिए हर नागरिक को सतर्क रहने की जरूरत है। डीसी ने जिलेवासियों से अपील की कि किसी भी सरकारी योजना से संबंधित जानकारी केवल सरकारी वेबसाइट या अधिकृत कार्यालयों से ही लें। किसी अज्ञात व्यक्ति के कहने पर ऑनलाइन ट्रांजेक्शन न करें और न ही किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करें। साइबर अपराधी तरह-तरह के प्रलोभन देकर लोगों को जाल में फंसाने का प्रयास करते हैं। वे यह दावा कर सकते हैं कि आपको योजना के तहत कुछ राशि दी जाएगी, लेकिन इसके लिए पहले आपको कुछ पैसे जमा करने होंगे या फिर आपके बैंक खाते की पूरी जानकारी देनी होगी। लेकिन ऐसी किसी भी बात पर विश्वास न करें और तुरंत पुलिस को सूचित करें। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि मंईयां सम्मान योजना सहित किसी भी सरकारी योजना से जुड़ी कोई भी आर्थिक सहायता सीधे लाभुकों के बैंक खाते में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से भेजी जाती है। इसके लिए किसी भी व्यक्ति को बैंक से संबंधित कोई अतिरिक्त जानकारी देने की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह से सजग है और जिले के सभी लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है, ताकि साइबर अपराधियों के जाल में न फंसा जाए। देवघर जिला प्रशासन ने साइबर अपराध से बचने के लिए लोगों को अपने मोबाइल फोन पर अज्ञात नंबरों से आने वाले कॉल और मैसेज को अनदेखा करने, किसी भी तरह की व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने और ऑनलाइन धोखाधड़ी की शिकायत तुरंत पुलिस को देने की सलाह दी है। प्रशासन ने यह भी कहा कि यदि कोई व्यक्ति ठगी का शिकार हो जाता है। तो वह तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके अपनी शिकायत दर्ज कराए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। डीसी ने कहा कि प्रशासन की ओर से साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है, ताकि जिले के हर व्यक्ति को इस तरह की ठगी से बचाया जा सके। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि अफवाहों और धोखाधड़ी वाले कॉल-मैसेज से सतर्क रहें और किसी भी प्रकार की वित्तीय जानकारी अज्ञात व्यक्तियों के साथ साझा न करें। इससे न केवल स्वयं की सुरक्षा होगी, बल्कि समाज में साइबर अपराध को रोकने में भी मदद मिलेगी।

शहीद दिवस पर उपायुक्त ने भगत सिंह को दी श्रद्धांजलि

निज संवाददाता | देवघर

शहीद दिवस के अवसर पर देवघर के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर ने अपने आवासीय कार्यालय में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने आजादी के महानायक भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु सहित देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले सभी अमर शहीदों को नमन किया। उपायुक्त ने कहा कि शहीदों का संघर्ष और त्याग भारतीय इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि भगत सिंह केवल एक नाम नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम का वह चमकता सितारा हैं, जिन्होंने अपने अदम्य साहस और अटूट देशभक्ति के बल पर ब्रिटिश हुकूमत की नींव हिला दी थी। वे न केवल युवाओं के प्रेरणास्रोत थे, बल्कि उनके विचार और क्रांतिकारी सोच आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शहीदों के जीवन से प्रेरणा लें और राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने इस अवसर पर सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और जिलेवासियों से देश की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता को बनाए रखने के लिए हमें अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहना होगा। उन्होंने खासतौर पर युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे भगत सिंह के विचारों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र सेवा को सर्वोपरि रखें और देश की प्रगति में योगदान दें। शहीद दिवस के इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु जैसे वीर सेनानियों ने जिस साहस के साथ अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई, वह हर भारतीय के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उनका बलिदान हमें बताता है कि देश की स्वतंत्रता केवल हथियारों से नहीं, बल्कि दृढ़ निश्चय, बलिदान और एकजुटता से भी प्राप्त की जा सकती है। हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की जरूरत है ताकि देश को और सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने इस मौके पर जिले के सभी नागरिकों को यह संकल्प लेने का आग्रह किया कि वे देशहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज में शांति, सद्भाव और विकास की भावना को मजबूत करें। शहीद भगत सिंह के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि भगत सिंह का जीवन हमें यह सिखाता है कि अपने अधिकारों की रक्षा के लिए हमें सदैव तैयार रहना चाहिए और अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

वाहन दुर्घटना क्लेम के लिए पुलिस का सजग होना जरुरी : जिला जज

निज संवाददाता | गोड्डा

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में रविवार को व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित पुस्तकालय सभागार में मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल से संबंधित एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन जिला जज द्वितीय निरूपम कुमार, जिला जज तृतीय रिचा श्रीवास्तव, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अर्जुन साव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रेमी प्रफुल्ल बा, रजिस्ट्रार सतीश कुमार मुंडा, एसीजेएम प्रताप चंद्रा और डीएसपी जेपीएन चौधरी सहित अन्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश निरुपम कुमार ने मोटर दुर्घटना क्लेम ट्रिब्यूनल से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। नए प्रावधानों के तहत अब मोटर वाहन दुर्घटनाओं में पुलिस पदाधिकारियों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। दुर्घटना के 48 घंटे के भीतर ही अनुसंधानकर्ता (आईओ) को ट्रिब्यूनल को रिपोर्ट सौंपनी होती है, जिससे पीड़ित को समय पर उचित मुआवजा मिल सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि दुर्घटना के बाद एफआईआर दर्ज करने के समय से ही पुलिस को सभी आवश्यक सूचनाओं को संकलित करने के प्रति गंभीर रहना चाहिए। निरूपम कुमार ने कहा कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन के बीमा की स्थिति की जानकारी भी तत्काल जुटाई जाए। यदि वाहन का बीमा नहीं है, तो तीन महीने के भीतर वाहन की नीलामी कर मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। इसके अलावा, पुलिस को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि दुर्घटना स्थल पर घायल व्यक्ति को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाया जाए, जिसे 'गोल्डन आवर' के तहत सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि जो भी व्यक्ति घायल को अस्पताल पहुंचाने में सहायता करता है, उसे प्रोत्साहित किया जाए ताकि लोग मानवीय संवेदना दिखाने से पीछे न हटें। कार्यशाला में जिला जज तृतीय रिचा श्रीवास्तव ने मोटर वाहन दुर्घटना क्लेम से जुड़े विभिन्न कानूनी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं के मामलों में पुलिस और प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ कार्य करना चाहिए, जिससे पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके। दुर्घटना स्थल से घायल को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोगों को यह डर नहीं होना चाहिए कि घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने पर पुलिस की अनावश्यक पूछताछ का सामना करना पड़ेगा। इस मानसिकता को बदलने की आवश्यकता है ताकि अधिक से अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की मदद करने के लिए आगे आएं। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अर्जुन साव ने भी कार्यशाला में विचार व्यक्त किए और कहा कि दुर्घटनाओं के मामलों में मुआवजा मिलने की प्रक्रिया को तेज और सरल बनाने की आवश्यकता है। डीएसपी जेपीएन चौधरी ने कहा कि पुलिस को निर्देश दिए गए हैं कि दुर्घटनाओं की सूचना मिलते ही वे तत्परता से कार्रवाई करें और आवश्यक दस्तावेज जल्द से जल्द तैयार करें ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके। कार्यशाला में चिकित्सा प्रभारी डॉ. आकाश कुमार ने सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों के त्वरित इलाज की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कई बार इलाज में देरी होने के कारण दुर्घटना में घायल व्यक्ति की स्थिति गंभीर हो जाती है। उन्होंने 'गोल्डन आवर' की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्ति को अगर एक घंटे के भीतर प्राथमिक उपचार और उचित चिकित्सा सुविधा मिल जाए, तो उसकी जान बचने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। कार्यक्रम का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रभारी सचिव रेमी प्रफुल्ल बा ने किया।

भागवत कथा पंडाल के पास बाइक और ट्रैक्टर की टक्कर में दो किशोर गंभीर रूप से घायल

निज संवाददाता | रामगढ़

रामगढ़ प्रखंड के मयूरनाथ मोड़ के पास भागवत कथा पंडाल के समीप रविवार सुबह करीब 9 बजे एक बाइक और अज्ञात ट्रैक्टर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दो किशोर बुरी तरह घायल हो गए। घायलों की पहचान कुशमाहा गांव निवासी अजय राय और पंकज राय के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार में सफेद रंग की टीवीएस अपाचे बाइक से दोनों किशोर भागवत कथा पंडाल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार में आ रही एक ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि अजय राय का पैर बुरी तरह टूट गया, जबकि पंकज राय को हल्की चोटें आईं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रामगढ़ पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद अजय राय की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे रेफर कर दिया। परिजनों के अनुसार, बेहतर इलाज के लिए उसे देवघर के कुंडा अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच के बाद उसका इलाज शुरू किया जाएगा। गौरतलब है कि मयूरनाथ मोड़ के समीप सात दिवसीय भागवत कथा का आयोजन किया गया था, जिसका रविवार को अंतिम दिन था। कथा स्थल के आसपास श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि रामगढ़-गुहियाजोरी मुख्य मार्ग पर पेट्रोल पंप से लेकर मयूरनाथ मोड़ तक का इलाका 'डेंजर जोन' बन चुका है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस सड़क पर दिनभर बालू लदे ट्रैक्टरों की आवाजाही लगी रहती है,

बाइक सवार युवक पर हमला, घायल

गोड्डा (नि.सं.)। गोड्डा जिले में एक युवक पर तीन बदमाशों ने चाकू से हमला किया। घटना बलबड्डा थाना क्षेत्र के बिरनियां मोहनगाय संथाली टोला के बुडबा बांध के पास हुई। घायल युवक बिहार के बेलडीहा गांव निवासी आलोक कुमार (28) है। वह कपिल देव पासवान का बेटा है। हमले में उनके दाहिने हाथ में चोट आई है। आलोक महागामा से पेंटिंग का काम करके रात में अपने घर लौट रहा था। स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां उनका इलाज चल रहा है। बलबड्डा थाना प्रभारी अमित मार्की अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

भाजपा के संगठन पर्व के तहत मंडल अध्यक्ष चुनाव को लेकर दुमका विस के लिए रायशुमारी बैठक आयोजित

निज संवाददाता | दुमका

भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व के तहत मंडल अध्यक्ष चुनाव को लेकर भाजपा जिला कार्यालय में रविवार को महत्वपूर्ण रायशुमारी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत ने की, जबकि जिला चुनाव अधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर दुमका के पूर्व सांसद सुनील सोरेन, प्रदेश मंत्री रविकांत मिश्रा, जिला चुनाव सह अधिकारी सुरेश मुर्मू और बबलू मंडल विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक के दौरान भाजपा संगठन को मजबूत करने की दिशा में विस्तार से चर्चा हुई। रायशुमारी प्रक्रिया के तहत मंडल अध्यक्ष पद के दावेदारों के नामों पर विचार-विमर्श किया गया। सभी मंडलों के संभावित उम्मीदवारों की सूची तैयार की गई, जिसे अंतिम निर्णय के लिए प्रदेश नेतृत्व को भेजा गया। इस प्रक्रिया का उद्देश्य संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाना है। बैठक में नेताओं ने पार्टी के कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि भाजपा एक अनुशासित और संगठनात्मक रूप से मजबूत पार्टी है, जहां सभी कार्यकर्ताओं को समान अवसर मिलता है। जिला चुनाव अधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का संगठन पर्व केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं के लिए आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा कि पार्टी के संगठनात्मक चुनावों की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और लोकतांत्रिक है, जिससे योग्य एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को नेतृत्व का अवसर मिलेगा। इससे पार्टी का आधार और अधिक मजबूत होगा तथा जमीनी स्तर पर संगठन को ऊर्जावान नेतृत्व प्राप्त होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी की विचारधारा और नीतियों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का संकल्प लें, ताकि संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सके। भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत ने कहा कि भाजपा के संगठन पर्व का मुख्य उद्देश्य पार्टी को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि मंडल अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि योग्य एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को संगठन की जिम्मेदारी मिले। उन्होंने यह भी कहा कि संगठनात्मक चुनावों के माध्यम से पार्टी की जड़ें और अधिक मजबूत होंगी, जिससे आगामी चुनावों में भाजपा को बढ़त मिलेगी। बैठक में उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाजपा की विचारधारा और संगठन को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। सभी ने मिलकर संगठन को और अधिक सशक्त करने की रणनीति पर विचार किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने सुझाव भी दिए और पार्टी के विस्तार और आगामी राजनीतिक चुनौतियों पर चर्चा की गई। भाजपा नेताओं ने कहा कि आने वाले चुनावों में पार्टी को और मजबूती देने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर कार्य करना होगा। बैठक में जिले के विभिन्न मंडलों से आए भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और चुनाव समिति के सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य, जिला महामंत्री, जिला उपाध्यक्ष, जिला मंत्री, मोर्चा अध्यक्ष सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने भाजपा संगठन को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

चलाया गया ग्राम सर्वे अभियान

मेहरमा (नि.सं.)। एसआरटी महाविद्यालय धमड़ी के एनएसएस वॉलेंटियर्स ने धमड़ी ग्राम में ग्राम सर्वे अभियान चलाया। ग्राम सर्वे अभियान के तहत गांव के प्रत्येक घरों व्यक्तियों की शिक्षा, रोजगारों सहित कई बिंदुओं की जानकारी ली। वहीं इस ग्राम सर्वे अभियान के बारे में एसआरटी महाविद्यालय धमड़ी के एनएसएस नोडल पदाधिकारी महेश्वर राम इंदरवार ने बताया कि यह सात दिनों तक चलने वाले एनएसएस के कार्यशाला के पांचवें दिन एनएसएस वोलेंटियर के द्वारा स्थानीय एनएसएस द्वारा गोद लिए गांवों के प्रत्येक घरों में रोजगार, शिक्षा सहित कई बिंदुओं की जानकारी ली जाती है।

दुमका रेलवे स्टेशन पर बने कोयला डंपिंग यार्ड हटाने की मांग को ले गोलबंद हो रहे हैं ग्रामीण

निज संवाददाता | दुमका

दुमका रेलवे स्टेशन पर स्थित कोयला डंपिंग यार्ड को हटाने की मांग को लेकर स्थानीय ग्रामीणों और नागरिकों का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। रविवार को एक बार फिर सैकड़ों लोगों ने रेलवे स्टेशन परिसर में प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी जाहिर की। ग्रामीणों का कहना है कि रेलवे साइडिंग से कोयले की लोडिंग और परिवहन के कारण इलाके में प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका है, जिससे आसपास के हजारों लोग प्रभावित हो रहे हैं। खासकर घनी आबादी वाले रसिकपुर और उसके आसपास के करीब बीस से अधिक गांव इस प्रदूषण की चपेट में आ चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कोयले के परिवहन के दौरान न तो ट्रकों और ट्रेनों के ऊपर पानी का छिड़काव किया जाता है और न ही सड़कों पर धूल नियंत्रण के लिए कोई ठोस उपाय किए जा रहे हैं। जिसके चलते घरों की दीवारें, छतें, गलियां और पेड़-पौधे तक काले डस्ट की परतों से ढक चुके हैं। इसके कारण सांस संबंधी बीमारियां, आंखों में जलन और त्वचा संबंधी दिक्कतें बढ़ रही हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कोयला रैक स्टेशन से सटे रिहायशी इलाकों से महज 50 से 100 गज की दूरी पर स्थित है, जिसके कारण आसपास के स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शिक्षण संस्थानों पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ रहा है। खासकर संत जेवियर स्कूल, वेस्टर्न इंग्लिश प्लस टू स्कूल, दुमका इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज, एसपी कॉलेज, एएन इंटर कॉलेज, एएन डिग्री कॉलेज और प्राथमिक विद्यालय दुर्गास्थान रसिकपुर जैसे शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले हजारों छात्रों के स्वास्थ्य पर इस प्रदूषण का गंभीर असर पड़ रहा है। कई छात्र लगातार खांसी, गले की समस्या और आंखों में जलन की शिकायत कर रहे हैं। प्रदूषण के कारण खेलकूद और अन्य शारीरिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। स्थानीय व्यापारियों और दुकानदारों का भी कहना है कि कोयले की वजह से उनकी दुकानों में रखे सामान और खाने-पीने की चीजों तक पर काले धूल की परत जम रही है। ग्रामीणों ने बताया कि वे वर्ष 2021 से हर रविवार को रेलवे स्टेशन परिसर में प्रदर्शन कर प्रशासन को अपनी मांगों से अवगत कराते रहे हैं, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। आंदोलनकारियों का कहना है कि उनकी मांग पूरी होने तक यह प्रदर्शन जारी रहेगा। इस मामले को लेकर सोमवार को ग्रामीण और प्रदर्शनकारी दुमका के उपायुक्त को ज्ञापन सौंपने वाले हैं, जिसमें कोयला डंपिंग यार्ड को जल्द से जल्द घनी आबादी से हटाने की मांग की जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि अगर प्रशासन जल्द कोई ठोस कार्रवाई नहीं करता है तो वे बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होंगे और उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। धरना प्रदर्शन में बड़ी संख्या में ग्रामीण और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे। विरोध प्रदर्शन में संजय मंडल, रवि शंकर मंडल, मनोज पंडित, एन एन पंडित, अमन सिंह, विष्णु यादव, गोवर्धन मंडल, ध्रुव मंडल, शैलेश कापरी, मनोज भगत, आशीष नायक, जिमी यादव, निरंजन यादव, चंदन तिवारी, लक्ष्मण पंडित, उपेंद्र चौधरी, अभय गुप्ता, लक्ष्मण सिंह, आकाश यादव, संजीत वर्मा, रंजन टूरी, विशाल मंडल, कालू केवट, रंजीत यादव, अजय कुमार, विनोद यादव समेत कई अन्य लोग शामिल हुए।

सड़क किनारे खड़ी पिकअप वैन चोरों ने चुराया

निज संवाददाता | नोनीहाट

दुमका-भागलपुर स्टेट हाईवे पर हँसडीहा थाना क्षेत्र अंतर्गत चंपातरी गाँव के समीप सड़क किनारे खड़ी एक पिकअप वाहन की चोरी कर ली गई। जानकारी के अनुसार दुमका-भागलपुर मुख्य मार्ग के सर्विस रोड चंपातरी से सड़क किनारे खड़ी एक पिकअप वेन (जेएच 04 ऐबी 3324) को शनिवार देर रात चोरों ने चुरा लिया। इन दिनों नोनीहाट में चोरों का आतंकः सड़क किनारे से खड़ी पिकअप वैन पर चोरों ने किया हाथ साफ, रात को खड़ी थी गाड़ी सुबह उठे तो गायब। पिकअप वेन के मालिक विश्वजीत दे ने बताया कि सड़क किनारे खड़ी पिकअप वैन पर चोरों ने किया हाथ साफ, रात को खड़ी थी गाड़ी सुबह उठे तो गायब पास के भवन मे लगे सीसीटीवी कैमरा मे देखने पर प्रतीत हुआ कि रात के 12:53 बजे के करीब पिकअप वेन को बासुकीनाथ की ओर लेकर जाया जा रहा है था।

ज्ञात हो की इसके पूर्व भी इसी व्यक्ति का पुराना पिकअप वेन इसी स्थान से चुरा लिया गया था और बीते कुछ वर्षों से चार पहिया वाहन की चोरी क्षेत्रो में लगातार बढ़ती जा रही है। बीते वर्ष हंसडीहा पुलिस के द्वारा बिहार के जगदीशपुर से एक चोरी की गई पिकअप वेन को जब्त कर लाया गया था। क्षेत्र में चोरी की घटना से लोगो मे हड़कंप मचा हुआ। इस संबंध में हँसडीहा थाना प्रभारी प्रकाश कुमार सिंह ने बताया कि आवेदन मिला है। आवेदन के आलोक में अनुसंधान जारी है और चोरों का पता लगाया जा रहा है। जिन लोगों की इस घटना में संलिप्तता होगी। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। चोरी की गई गाड़ी का पता लगाने और चोरों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

महिला के साथ छेड़खानी करने और विरोध करने पर उसके पति के साथ मारपीट, आरोपी गिरफ्तार

निज संवाददाता | सरैयाहाट

थाना क्षेत्र के चंदूबथान गांव में एक महिला के साथ छेड़खानी और विरोध करने पर उसके पति के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने आरोपी संजय राउत को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया। इस घटना को लेकर पीड़ित महिला ने सरैयाहाट थाना में मामला दर्ज कराया था, जिसमें उसने संजय राउत पर गंभीर आरोप लगाए थे। पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने गलत नीयत से उसके साथ छेड़खानी की और जब उसके पति ने विरोध किया तो उस पर जानलेवा हमला कर दिया। इसके अलावा आरोपी पर लूटपाट करने का भी आरोप लगाया गया है। इस मामले में पुलिस ने कांड संख्या 37/25 दिनांक 14/2/25 धारा 115(2)/351(2) 351(3)/76/126(2)/3(5) के तहत मामला दर्ज किया था। जानकारी के अनुसार, आरोपी संजय राउत और पीड़िता के पति सगे भाई हैं। यानी मामला पारिवारिक विवाद से भी जुड़ा हुआ है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस घटना के पीछे आपसी मनमुटाव और पारिवारिक विवाद भी कारण हो सकता है। घटना की जानकारी मिलते ही सरैयाहाट थाना पुलिस सक्रिय हो गई और तुरंत छापेमारी कर आरोपी संजय राउत को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। महिला के बयान के आधार पर पुलिस अन्य पहलुओं की भी पड़ताल कर रही है कि कहीं इस घटना के पीछे अन्य कारण तो नहीं हैं। वहीं, ग्रामीणों के अनुसार, यह विवाद पहले से चला आ रहा था, जो अब मारपीट और छेड़खानी तक पहुंच गया। सरैयाहाट थाना प्रभारी ने कहा कि किसी भी महिला के साथ अपराध करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से भी अपील की है कि यदि कोई घटना घटती है, तो तुरंत पुलिस को सूचना दें ताकि उचित कार्रवाई की जा सके। इस घटना से गांव में सनसनी फैल गई है और लोग इस पूरे मामले की चर्चा कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कि यदि किसी और की संलिप्तता इस मामले में पाई जाती है, तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शहीद दिवस पर आयोजित किया गया श्रद्धांजलि सभा

निज संवाददाता | दुमका

शहीद दिवस पर शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए रविवार को प्लस टू जिला स्कूल,दुमका में एनसीसी कैडेटों द्वारा एसोसिएट एनसीसी पदाधिकारी डॉ0 दिलीप कुमार झा के नेतृत्व में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप मे मैजूद प्रभारी प्राचार्य महेंद्रराज हंस, विशिष्ट अतिथि शिक्षक संजय कुमार सिन्हा, एसोसिएट एनसीसी पदाधिकारी डॉ0 दिलीप कुमार झा एवं एनसीसी कैडेटों ने माँ भारती के सच्चे सपूत शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। मुख्य अतिथि प्रभारी प्राचार्य महेंद्रराज हंस ने वीर अमर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता एवं संप्रभुता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले माँ भारती के सच्चे सपूत एवं अमर बलिदानी शहीदे आजम भगत सिंह,राजगुरु एवं सुखदेव की गौरवगाथा युगों युगों तक हर भारतीय के हृदय स्थल पर अमिट रूप से अंकित रहेगा। श्री राजहंस ने कहा कि 23 मार्च 1931 का दिन सभी भारतीयों को याद रहेगा, जिस दिन अंग्रेजी हुकूमत ने माँ भारती के तीन सपूतों को फांसी दे दिया। कहा कि अपने देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीद भगत सिंह,राजगुरु एवं सुखदेव का अमर बलिदान व्यर्थ नही गया। उन वीर सपूतों के बलिदान ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को और मजबूत कर दिया। विशिष्ट अतिथि संजय कुमार सिन्हा ने अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन करते हुए कहा कि अमर शहीद भगत सिंह,राजगुरु एवं सुखदेव सभी भारतीयों के लिए आदर्श हैं। श्री संजय ने कहा कि शहीद भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव ने अपने राष्ट्र को अंग्रेजी हुकूमत की गुलामी से मुक्त करने के लिए हँसते हँसते फांसी के फंदे को फूल का हार समझ कर गले मे लगा लिया। कहा कि उन वीर शहीदों का बलिदान अंग्रेजी हुकूमत को उखाड़ फेंकने के लिए लोहे का कील साबित हुआ। एसोसिएट एनसीसी पदाधिकारी डॉ0 दिलीप कुमार झा ने वीर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि वीर शहीदों से प्रेरित होकर एनसीसी कैडेटों को भी अपने देश की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। डॉ0 दिलीप ने कहा कि आज का दिन सभी अमर बलिदानियों को श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन करने का दिन है।मौके पर उपस्थित एनसीसी कैडेट्स कैप्टन विष्णु कुमार, श्रीधर झा,शुभम अग्रवाल, सोरेन कुमार यादव, सचिन राज, सत्यम मिश्रा, राहुल झा, प्रतीक प्रियांशू, देवराज गुप्ता, पियूष लायक एवं यशराज कश्यप ने भी वीर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया।

हाइवा ने पीछे खड़े मैजिक को ठोका, पथराव

गोपीकांदर (नि.सं.)। गोविंदपुर-साहिबगंज स्टेट हाईवे गोपीकांदर बजरंगबली मंदिर के पास कोयला परिचालन में लगे एक हाईवा चालक की लापरवाही की वजह से हाईवा के पीछे मैजिक वाहन ने ठोकर मार दिया। मैजिक में सवार बच्चे सहित दर्जन भर यात्री बाल बाल बच गए। मैजिक वाहन पर बैठे यात्री संजय भंडारी ने बताया कि काठीकुंड से पूरे परिवार हिरणपुर लंगटा मसान पूजा करने के लिए जा रहा था। गोपीकांदर के बजरंगबली मंदिर के समीप खड़ी हाईवा के पीछे मैजिक को खड़ा किया, इस दौरान हाइवा चालक ने लापरवाही से हाइवा को पीछे करने लगा, इसके वजह से पूरा मैजिक वाहन 5 फीट पीछे चला गया। इस दुर्घटना में मैजिक में बैठे सभी यात्री सुरक्षित है। बाल मैजिक का आगे का शीशा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। इस घटना के दौरान हाइवा और चालक पर किसी अज्ञात लोगों ने पथराव भी किया था, जिससे हाइवा का शीशा टूट गया और इसी दौरान खुद को बचाने के चालक हाईवा से उतरकर भाग गया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

दरवाजा बंद किया, एफबी पर लाइव गई;नोएडा में महिला ने की सुसाइड की कोशिश

नोएडा , एजेंसी। नोएडा की एक सोसायटी में महिला के सुसाइड की कोशिश का मामला सामने आया है। पुलिस और स्थानीय लोगों की सूझबूझ से महिला को बचा लिया गया है और वह इस वक्त अस्पताल में है। महिला ने खुद की जान लेने के लिए बहुत सारी नींद की गोलियां खा ली थीं। उसने अपनी आत्महत्या करते हुए का एक लाइव वीडियो भी बनाया था। महिला की उम्र 35 साल बताई जा रही है। नोएडा सेंट्रल के डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि हमें 22 मार्च को लोटस पनाश सोसायटी से सूचना मिली कि एक महिला ने खुद को कमरे में बंद कर लिया है और आत्महत्या करने की कोशिश कर रही है। वह फेसबुक पर लाइव भी गई थी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। आरडब्ल्यूए अधिकारियों की मदद से दरवाजा तोड़ा और उसे अस्पताल भेजा गया। उसने बहुत सारी नींद की गोलियां खा ली थीं। अब वह खतरे से बाहर है। आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सड़क हादसे में पुलिस अधिकारी की मौत

हयातनगर , एजेंसी। तेलंगाना के हयातनगर में शनिवार तड़के टहलने निकले 57 वर्षीय एक पुलिस अधिकारी को एक बस ने टक्कर मार दी, जिसमें उनकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना तड़के करीब चार बजकर 40 मिनट पर हुई।पुलिस ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टी एम नंदीश्वर बाबजी टहलने निकले थे, उसी दौरान यह घटना हुई। पुलिस ने बताया कि जब वह सड़क पार कर रहे थे, तभी आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) की एक बस ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अब्दुल्लापुरमेट से हयातनगर जा रही बस तेज गति और लापरवाही से चलाई जा रही थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बाबजी हैदराबाद में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के कार्यालय में पदस्थापित थे। पुलिस ने बताया कि एक मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

केरल के इडुक्की में लापता व्यक्ति का शव गटर में मिला, तीन संदिग्ध हिरासत में

इडुक्की, एजेंसी। केरल के इडुक्की जिले में बृहस्पतिवार सुबह से लापता एक व्यक्ति का शव गटर से बरामद किया गया है। इस मामले में तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि यह हत्या का मामला हो सकता है। उसने बताया कि मृतक की पहचान थोडुपुझा के चुंगम निवासी बीजू जोसफ के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि जोसफ का शव थोडुपुझा के पास कलायंथानी में खानपान से संबंधित कंपनी के गोदाम के गटर में मिला था। जोसफ बृहस्पतिवार सुबह घर से सुबह की सैर पर निकले थे और तब से लापता थे। उनके रिश्तेदारों ने थोडुपुझा पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस को जांच के दौरान जोसफ के कपड़े और जूते बरामद हुए। पुलिस ने बताया कि जांचकर्ताओं ने शुरू में जोसफ के व्यापारिक साझेदार रहे व्यक्ति से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसका फोन बंद था। उक्त व्यक्ति कलयंथानी का निवासी है। पुलिस ने बताया कि ऐसा बताया जा रहा है कि जोसफ की मौत का कारण उसके व्यापारिक साझेदार रहे व्यक्ति से वित्तीय विवाद है। पुलिस के अनुसार, दोनों ने एक ही कारोबार में पैसा लगाया हुआ था, लेकिन जोसफ ने कथित तौर पर बार-बार मांग के बावजूद अपने साझेदार का उसका हिस्सा देने से इनकार कर दिया था। पुलिस ने बताया कि ऐसा संदेह है कि इसी विवाद के कारण साझेदार ने कोच्चि से दो बदमाशों को जोसफ का अपहरण करने के लिए बुलाया, लेकिन अपहरण के दौरान हाथापाई हुई होगी जिसके कारण जोसफ की मौत हो गई। इसके बाद तीनों ने शव को गोदाम के अंदर एक गटर में फेंक दिया था और इसे खाद्य अपशिष्ट से ढक दिया था। पुलिस ने बताया कि खानपान से संबंधित जिस कंपनी में जोसेफ का शव मिला है, उसका मालिक जोसफ का पूर्व कारोबारी साझेदार है। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है।

वाहन की कीमत से अधिक चालान राशि, फरीदाबाद में कबाड़ बन रहे वाहन

फरीदाबाद , एजेंसी।
फरीदाबाद मंडल के 61 थानों में जब्त छह हजार से अधिक वाहन कबाड़ बन रहे हैं। अधिकांश वाहनों के कीमत से अधिक चालान होने के चलते मालिक उसे छुड़ाने नहीं आ रहे। इससे थानों में इसका जमावड़ा बढ़ रहा है। इससे पुलिस के साथ विभाग को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है।

गौरतलब है कि स्मार्ट सिटी फरीदाबाद में करीब 32 थाना के अलावा 31 पुलिस चौकी हैं। सूत्रों की मानें तो इन सभी थानों में तीन हजार से अधिक जब्त वाहनों को रखा गया है। वहीं पलवल में 14 थानों में करीब 1300 जब्त वाहन कबाड़ बन रहे हैं। नूंह के 18 थानों में करीब 1665 वाहन कबाड़ बन रहे हैं। फरीदाबाद मंडल में पड़ने वाले करीब 61 थाना में जब्त छह हजार से अधिक वाहनों में से अधिकांश को यातायात पुलिस ने जब्त किया है।

वाहन के कागजात नहीं होने, बस या ट्रक आदि के परमिट नहीं होने आदि नियमों के उल्लंघन में वाहनों को यातायात पुलिस जब्त करती है। इसके

अलावा कई ऐसे वाहन हैं, जिसपर वाहन की कीमत से अधिक ज्यादा जुर्माना लगा होता है। ऐसे में वाहन स्वामी उसे छुड़ाने से परहेज करते हैं। नतीजतन थानों, डंपिग यार्ड में लगातार इसकी संख्या बढ़ती जा रही है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बार-बार नोटिस देने के बावजूद जब मालिक वाहन पर क्लेम नहीं करते हैं तो फिर अदालत में वाहन के नीलामी के लिए अर्जी दिया जाता है। अदातल के आदेश पर पुलिस, जिला प्रशासन, परिवहन विभाग, पीडब्ल्यूडी आदि विभागों के अधिकारियों की कमेटी गठित की जाती है। फिर नीलाम किए जाने वाले वाहनों के रजिस्ट्रेशन नंबर के साथ समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किया जाता है। साथ ही अंतिम बार वाहन स्वामी से क्लेम करने की अपील जाती है। बावजूद वाहन स्वामी के नहीं पहुंचने पर वाहन का मूल्य निर्धारित कर उसे नीलाम किया जाता है।

सड़क सुरक्षा से जुड़े जानकारों का कहना है कि पुलिस की प्रक्रिया में देर होने के चलते यार्ड में खड़े अधिकांश वाहन कबाड़ बन जाते हैं। इसके अलावा यार्ड में वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से भी जंग आदि लग जाते हैं। इससे वाहन कबाड़ के भाव बिकते हैं और सरकार को भी राजस्व का नुकसान होता है।

पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि यातायात पुलिस के अलावा थाने भी वाहनों को जब्त कर रहे हैं। चोरी की वाहन, लूट आदि वारदातों में प्रयुक्त वाहन, सड़क हादसे के बाद जब्त वाहन, शराब आदि तस्करी में वाहनों को जब्त कर उसके मालिक व वाहन दोनों पर मुकदमा दर्ज किया जाता है। जब्त अधिकांश वाहनों के स्वामी की जानकारी नहीं मिलने पर वह कबाड़ की स्थिति बन जाती है।

जानकारी के अनुसार पुलिस द्वारा जब्त वाहनों में सबसे अधिक बाइक हैं। अधिकांश बाइक यातायात पुलिस द्वारा जब्त किए गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि जब्त बाइक में से अधिकांश पर उसकी कीमत से अधिक राशि का चालान है। जब्त वाहन को लेकर पुलिस अधिकतम तीन माह में अदालत में केस दायर करती है।

उद्धव ठाकरे ने मुझसे अपने बेटे का नाम प्रेस में ना लेने को कहा: नारायण राणे

मुंबई, एजेंसी।
भाजपा सांसद नारायण राणे ने दिशा सालियन की मौत मामले में शनिवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे ने उन्हें 2020 में इस केस को लेकर प्रेस में अपने बेटे आदित्य का नाम लेने से मना किया था। राणे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, दिशा सालियन के पिता को हाई कोर्ट जाना पड़ा क्योंकि उन्हें अभी तक न्याय नहीं मिला है। उनके पिता को लगा कि उन्हें पुलिस से न्याय नहीं मिलेगा, इसलिए वे एचसी गए। उद्धव ठाकरे के पीए (जो अब शायद विधायक हैं) ने मुझे फोन किया। मैं उस समय घर जा रहा था। उसने कहा कि उद्धव ठाकरे मुझसे बात करना चाहते हैं। पीए ने पूछा कि क्या आप बात करेंगे? मैंने कहा कि वह कहां हैं और उन्हें फोन दीजिए।

नारायण राणे ने कहा, जैसे ही उद्धव ठाकरे ने फोन लिया, मैंने कहा जय महाराष्ट्र। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं अभी भी जय महाराष्ट्र कहता हूं, तो मैंने जवाब दिया कि मैं मरते दम तक जय महाराष्ट्र कहता रहूंगा। जय महाराष्ट्र मातोश्री की संपत्ति नहीं है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज की संपत्ति है। राणे ने कहा कि जब वह मुख्यमंत्री थे, उद्धव ठाकरे ने कोरोना महामारी के दौरान मुझे 2 बार फोन किया। उन्होंने दिशा सालियन मामले में अपने बेटे को ना घसीटने की गुजारिश की। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आगे दावा किया, मैंने ठाकरे से कहा कि किसी का नाम नहीं लिया है। केवल अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक मंत्री का जिक्र किया था। राणे ने कहा कि अब तक जुटाए गए सबूतों के आधार पर एफआईआर दर्ज करें और उसे (आदित्य) गिरफ्तार करें।

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भाजपा नीत महायुति गठबंधन ने दिशा सालियान मामले को राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों में उठाया था, जिसके बाद तीखी नोकझोंक हुई। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि वह उन पर लगाए जा रहे आरोपों का जवाब अदालत में देंगे। महायुति के विधायकों ने जानना चाहा कि उसके पिता ने जिनके नाम लिए हैं, क्या उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

जब राजनीति का स्तर गिरता है, तो समाज की रक्षा के लिए साहित्य आता है आगे - शशि थरूर

भुवनेश्वर, एजेंसी। केरल के तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद और प्रसिद्ध लेखक शशि थरूर ने शनिवार को भुवनेश्वर में आयोजित 11वें कलिंग साहित्य महोत्सव 2025 में अपने संबोधन में कहा कि जब राजनीति गिरती है, तो साहित्य हमेशा समाज की रक्षा के लिए सामने आता है।

थरूर ने दिवंगत प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और प्रसिद्ध हिंदी लेखक रामधारी सिंह दिनकर के बीच हुई ऐतिहासिक बातचीत का उदाहरण दिया और बताया कि लेखक समाज में बदलाव लाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब समाज जवाब देना बंद कर देता है, तो साहित्यकार अपनी लेखनी से समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं। थरूर ने अपने भाषण में यह भी कहा कि अगर लेखकों को घुटन महसूस हो रही है, तो यह समाज की स्थिति का साफ संकेत है। उन्होंने वर्तमान में हो रहे ध्रुवीकरण पर चिंता जताते हुए कहा कि इस समय कुछ भी नया होने की उम्मीद नहीं है।

वरिष्ठ पत्रकार सतीश पद्मनाभन के साथ एक संवाद में थरूर ने कहा, मैं न तो कम्युनिस्ट हूं, न सांप्रदायिक, और न ही किसी एक विचारधारा से बंधा हूं। मैं हमेशा उन अच्छे पहलुओं के लिए खुला हूं जो समाज में हो रही हैं। उन्होंने भारत की विदेश नीति की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस और यूक्रेन के बीच संतुलन बनाए रखते हुए संयम और राजनीतिक सूझबूझ का परिचय दिया।

थरूर ने प्रधानमंत्री मोदी की अमेरि?का की यात्रा के बाद भारत के टैरिफ ढांचे पर बातचीत के सकारात्मक परिणामों का भी उल्लेख किया और कहा कि यह दर्शाता है कि सही नेतृत्व के तहत चीजें कैसे आकार ले सकती हैं। उन्होंने हाल ही में केरल की वामपंथी सरकार के व्यापार समर्थक रुख का भी समर्थन किया।

हरियाणा के बहादुरगढ़ में घर में हुआ विस्फोट, एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत; एक की हालत गंभीर

बहादुरगढ़ , एजेंसी।
दिल्ली से सटे हरियाणा के बहादुरगढ़ में शनिवार शाम को एक घर में हुए जोरदार विस्फोट होने से इलाके में हड़कंप मच गया। यह विस्फोट इतना भयानक था कि एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि विस्फोट का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। फोरेंसिक टीमें घटनास्थल की जांच कर रही हैं। स्थानीय लोगों को गैस सिलेंडर में विस्फोट का शक जताया है, लेकिन पुलिस ने इस संभावना को खारिज करते हुए कहा है कि विस्फोट बेडरूम में हुआ।

डीसीपी मयंक मिश्रा ने बताया कि यह सिलेंडर ब्लास्ट नहीं है, यह बेडरूम के अंदर हुआ है। इसका असर पूरे घर पर पड़ा है। चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मरने वाले सभी लोग परिवार के ही सदस्य थे।

धमाके के कारण का पता लगाने को पुलिस ने ब्लास्ट एनालिसिस एक्सपर्ट्स और फोरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल) की एक टीम को बुलाया है। डीसीपी मिश्रा ने कहा कि फोरेंसिक टीम अंदर है और विस्फोट के कारण का पता लगाने की कोशिश कर रही है। गैस सिलेंडर सही

सलामत है और जबकि एसी यूनिट बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। हम अभी इसकी पुष्टि नहीं कर सकते हैं कि यह एक एसी विस्फोट था नहीं। हम अब ब्लास्ट एनालिसिस एक्सपर्ट्स और फोरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल) की मदद ले रहे हैं और इनपुट के साथ आगे की स्थिति का आकलन करेंगे। इस घटना में मरने वालों में करीब 10 साल के दो बच्चे, एक महिला और एक पुरुष समेत चार लोग शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि विस्फोट के कारण जानने और मौके से नमूने एकत्र करने के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाया गया है। पुलिस को संदेह है कि विस्फोट एयर कंडीशनर कंप्रेसर में हुआ था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि विस्फोट शाम करीब 6.30 बजे बहादुरगढ़ के एक घर में हुआ, जिसके बाद वहां आग लग गई। उन्होंने कहा कि दमकल की गाड़ियों ने आग बुझाई और मौके से चार शव बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि इस घटना में घायल हुए हरिपाल सिंह को रोहतक के पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में ले जाया गया है। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

नोएडा टू गाजियाबाद तक घटेगा जाम, 25 से शुरू होगा शाहबेरी रोड चौड़ा करने का काम; 20 दिन रहेगा रूट डायवर्जन

गाजियाबाद एजेंसी।
ग्रेटर नोएडा के शाहबेरी मार्ग के चौड़ीकरण और मरम्मत का काम 25 मार्च से शुरू हो जाएगा। लगभग 3 किलोमीटर लंबी यह सड़क दोनों तरफ डेढ़-डेढ़ मीटर चौड़ी की जानी है। 20 दिन में काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस दौरान वाहन बदले हुए रास्ते से चलेंगे।

सड़क चौड़ी होने के बाद क्रॉसिंग रिपब्लिक (गाजियाबाद) तक आना जाना सुगम हो जाएगा। यहां लगने वाले जाम से कुछ हद तक राहत मिल जाएगी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के इटेड़ा गोलचक्कर से शुरू होने वाले शाहबेरी मार्ग की चौड़ाई अभी 3 मीटर के लगभग है। एक लेन की सड़क होने की वजह से यहां अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। नोएडा एयरपोर्ट चालू होने के बाद ट्रैफिक का दबाव और

अधिक बढ़ जाएगा। इसको देखते हुए प्राधिकरण ने इस मार्ग के चौड़ीकरण की योजना बनाई है। प्राधिकरण अधिकारी के मुताबिक, सड़क के दोनों तरफ डेढ़- डेढ़ मीटर चौड़ाई बढ़ाई जाएगी। दो लेन होने से आवागमन सुगम हो जाएगा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की बढ़ती आबादी और यातायात के दबाव को देखते हुए इस सड़क का चौड़ीकरण करना जरूरी हो गया था। शाहबेरी मार्ग से हर रोज हजारों वाहन गुजरते हैं, जिससे अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। चौड़ीकरण और मरम्मत के बाद यह मार्ग अधिक सुगम और तेज गति से यातायात के लिए सक्षम होगा।

बता दें कि यहां एलिवेटेड रोड का निर्माण प्रस्तावित है। केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) द्वारा इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है।

अंडरपास के काम में तेजी आएगी- शाहबेरी मार्ग के चौड़ीकरण व मरम्मत का कार्य पूर्ण होने के बाद चारमूर्ति गोलचक्कर पर निर्माणाधीन अंडरपास के काम में और अधिक तेजी आएगी। यहां रूट डायवर्जन करने पर शाहबेरी मार्ग को वैकल्पिक मार्ग के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा, इसलिए चौड़ीकरण का काम प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है।

एक्ट्रेस एंजेल राय को जान से मारने की धमकी, बांगुर नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में रहने वाली एक्ट्रेस एंजेल राय को जान से मारने की धमकी मिली। धमकी मिलने के बाद उन्होंने मुंबई के बांगुर नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। एक्ट्रेस के बयान के आधार पर पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और अब आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। एंजेल राय ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में बताया कि पिछले कुछ दिनों से एक शख्स उन्हें लगातार धमकी भरे ईमेल और अश्लील संदेश भेज रहा था। उस शख्स ने एंजेल राय को जिंदा जलाने और काटने जैसी घिनौनी धमकियां दीं। वह अपना नाम राकेश चंद्र पटेल और बिहार के नालंदा का निवासी बताता है। पहले वह इसे नजरअंदाज कर रही थीं, लेकिन जब से उनकी वेब सीरीज घोटाला का ट्रेलर लॉन्च हुआ है, तब से वह शख्स और भी आक्रामक हो गया है और लगातार जान से मारने की धमकी दे रहा है।

एक्ट्रेस ने कहा कि वह शख्स मुझे अपनी पूरी योजना के बारे में बताता है, जैसे वह मुंबई आकर मुझे मारेगा, मेरा सिर काटेगा और मुझे जला कर रख देगा। इस सब को नजरअंदाज करते हुए मैं अब दो साल तक शांत रही,

घर बैठे कमाई का लालच देकर ठगे 23 लाख, फरीदाबाद में महिला से साइबर फ्रॉड

फरीदाबाद एजेंसी। सेक्टर-17 निवासी एक महिला को घर बैठे मोटी कमाई का झांसा देकर साइबर ठगों ने महज दो दिन के अंदर करीब 23 लाख 65 हजार रुपये ऐंठ लिए। आरोपियों ने पीड़िता को ऑनलाइन टास्क दिया था और एक-दो टास्क पूरा करने के बाद प्री-पेड टास्क (पैसे देकर काम करना) पर और अधिक कमाई का झांसा दिया था। साइबर अपराध थाना सेंट्रल की पुलिस मामला दर्जकर आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार पीड़िता सेक्टर-17 में परिवार के साथ रहती हैं। वह घरेलू महिला हैं। उन्होंने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया है कि बीते दिन उनके व्हाट्सऐप पर एक विज्ञापन आया। उसमें घर बैठे मोटी कमाई की बातें लिखी थीं। उन्होंने संदेश में अंकित लिंक पर क्लिक कर दिया। इसके बाद उन्हें टेलीग्राम पर एक ग्रुप से जोड़ लिया गया। वहां उन्हें होटल की रेटिंग और यू-ट्यूब पर वीडियो के रिव्यू का ऑनलाइन टास्क करने की एक-दो घंटे तक जानकारी दी गई और टास्क पूरा करने के लिए दिया गया।

बीमा के 50 लाख रुपए पाने को बेटे ने ली थी पिता की जान, ग्रेटर नोएडा में 7 माह बाद ब्लाइंड मर्डर केस सॉल्व

ग्रेटर नोएडा एजेंसी।
ग्रेटर नोएडा में आर्थिक तंगी से जूझ रहे एक बेटे ने ही बीमा की रकम हड़पने के लिए अपने पिता की हत्या की थी। कासना कोतवाली पुलिस ने सात महीने की जांच और कड़ी मेहनत के बाद इस ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

ग्रेटर नोएडा के एडीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि मूलरूप से किशनगंज बिहार के रहने वाले प्रकाश बोसक परिवार के साथ सिकंदराबाद के बिस्वाना गांव में रहते थे। 8 अगस्त 2024 को कासना कोतवाली क्षेत्र के जंगल में प्रकाश बोसक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी।

इस मामले में मृतक के बेटे संतोष ने अज्ञात लोगों पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने छानबीन के बाद इस हत्याकांड का खुलासा कर दावा किया कि मृतक के बेटे

संतोष ने ही अपने पिता प्रकाश बोसक की हत्या की थी।

पुलिस ने बताया कि करीब 20 वर्ष पूर्व प्रकाश बोसक परिवार के साथ नोएडा में किराये पर रहते थे। प्रकाश और उसके बड़े बेटे संतोष ने वर्ष 2022 में निजी बैंक से लगभग साढ़े बारह लाख रुपये का होम लोन लेकर बुलंदशहर जिले में एक घर खरीदा था। इसकी प्रतिमाह किस्त लगभग 12,500 रुपये थी। हर महीने की किस्त चुका पाना मृतक के परिवार के लिए बहुत मुश्किल हो रहा था, इसलिए संतोष और उसके पिता प्रकाश ने सोचा कि हम दूसरा लोन ले लेते हैं। इससे होम लोन खत्म हो जाएगा और कुछ पैसे भी मिल जाएंगे। इसी कारण उन्होंने दूसरी कंपनी से लगभग 21 लाख रुपये का लोन ले लिया। साढ़े बारह लाख रुपये निजी बैंक के होम लोन में जमा कर दिए और शेष लगभग 7,69,000 रुपये संतोष ने फर्म पीएसजी मसाला के बैंक खाते में जमा कर दिए।

इस लोन पर मृतक प्रकाश का जीवन बीमा 60 प्रतिशत का था। इस लोन की किस्त लगभग 27,000 रुपये प्रतिमाह थी। कुछ महीने तक तक किस्त देने में इन्हें कोई दिक्कत नहीं हुई, लेकिन धीरे-धीरे बैंक का पैसा खत्म होने लगा और इनका काम भी ठीक नहीं चल रहा था। एक दिन संतोष को पता चला कि उसके पिता ने अपने 25-25 लाख रुपये के दो जीवन बीमा कराए हुए हैं, जिसमें संतोष की मां नॉमिनी है। संतोष का मसाला पैकेजिंग का काम था, जो उस समय अच्छा नहीं चल रहा था और वह आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। संतोष ने योजना बनाई कि यदि वह अपने पिता को मार देगा तो दोनों जीवन बीमा का पैसा लगभग 50 लाख उसे मिल जाएगा। जीवन बीमा का पैसा हड़पने के लिए उसने योजना के मुताबिक, उसने चाकू से अपने पिता की हत्या कर दी थी। पुलिस ने बताया कि पिता की हत्या करने के बाद आरोपी बेटे संतोष ने तुरंत अपने पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाया और मृत्यु के तीन महीने के अंदर ही जीवन बीमा की रकम लगभग 50 लाख रुपये अपनी मां के बैंक के खाते में प्राप्त कर लिए।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

आईपीएल 2025:

हैदराबाद ने आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया

ईशान ने सीजन का पहला शतक बनाया

हैदराबाद, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद ने IPL-18 के दूसरे मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को जीत के लिए 287 रन का टारगेट दिया। राजस्थान ने हैदराबाद के खिलाफ टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। हैदराबाद ने 6 विकेट पर 286 रन बनाए। यह आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड (287 रन) हैदराबाद के नाम ही है। हैदराबाद से ईशान किशन ने 106 रन की शतकीय पारी खेली। ट्रैविस हेड ने 31 बॉल पर 67 रन बनाए। हेनरिक क्लासन 34 रन, नीतीश कुमार रेड्डी 30 रन और अभिषेक शर्मा 24 रन बनाकर आउट हुए। राजस्थान के तुषार देशपांडे ने 3 विकेट झटके। महीश तीक्षणा ने 2 और संदीप शर्मा ने एक विकेट लिए।

कोहली के अर्धशतक के सेलीब्रेशन के बीच मैदान में आ घुसा फैन, पैरों में गिरा

कोलकाता, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2025 का आगाज जीत के साथ करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के बीच विराट कोहली की फैन फॉलोइंग ने एक बार फिर सबको हैरान कर दिया जब एक फैन कोहली के अर्धशतक के बाद तारों के उपर से निकलते हुए सुरक्षा घेरा तोड़कर मैदान में पहुंचा और उनके पैरों में जा गिरा। कोलकाता से मिले 175 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली ने 12.5 ओवर में हर्षित राणा की गेंद पर चौका लगाकर अर्धशतक पूरा किया।

कोहली अर्धशतक का जश्न मना रहे थे कि उनका एक फैन सुरक्षा घेरा तोड़कर मैदान में आ गया और कोहली के पांव में आ गिरा। इसके बाद कोहली के कहने पर उठा और कोहली ने फैन को गले लगाया जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने उसे मैदान से बाहर कर दिया। कोहली ने जीत में अहम भूमिका निभाते हुए 36 गेंदों पर नाबाद 59 रन बनाकर टीम का नेतृत्व किया। आरसीबी ने 175 रनों के लक्ष्य को केवल 16.2 ओवर में सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। कोहली के अलावा फिल सॉल्ट ने भी (56) अर्धशतकीय पारी खेली जबकि रजत पाटीदार ने 16 गेंदों पर 34 रन बनाए।

कोलकाता, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2025 का आगाज जीत के साथ करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के बीच विराट कोहली की फैन फॉलोइंग ने एक बार फिर सबको हैरान कर दिया जब एक फैन कोहली के अर्धशतक के बाद तारों के उपर से निकलते हुए सुरक्षा घेरा तोड़कर मैदान में पहुंचा और उनके पैरों में जा गिरा। कोलकाता से मिले 175 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली ने 12.5 ओवर में हर्षित राणा की गेंद पर चौका लगाकर अर्धशतक पूरा किया। कोहली अर्धशतक का जश्न मना रहे थे कि उनका एक फैन सुरक्षा घेरा तोड़कर मैदान में आ गया और कोहली के पांव में आ गिरा। इसके बाद कोहली के कहने पर उठा और कोहली ने फैन को गले लगाया जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने उसे मैदान से बाहर कर दिया। कोहली ने जीत में अहम भूमिका निभाते हुए 36 गेंदों पर नाबाद 59 रन बनाकर टीम का नेतृत्व किया। आरसीबी ने 175 रनों के लक्ष्य को केवल 16.2 ओवर में सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। कोहली के अलावा फिल सॉल्ट ने भी (56) अर्धशतकीय पारी खेली जबकि रजत पाटीदार ने 16 गेंदों पर 34 रन बनाए।

जिम्नास्ट प्रणति नायक का शानदार प्रदर्शन

एफआईजी विश्व कप में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जिम्नास्ट प्रणति नायक ने शनिवार को तुर्की के अंताल्या में एफआईजी कलात्मक जिम्नास्टिक एपरेट्स विश्व कप के वॉल्ट फाइनल में कांस्य पदक हासिल किया। टोक्यो ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली 29 वर्षीय प्रणति ने वॉल्ट फाइनल में कुल 13.417 का स्कोर बनाया तथा जयला हैंग (13.667) और क्लेयर पीज (13.567) की अमेरिकी जोड़ी के पीछे तीसरे स्थान पर रहीं।

प्रणति ने वॉल्ट क्वालिफिकेशन में 13.317 का स्कोर बनाया था। उन्होंने कहा, साल की शुरुआत पदक के साथ करना शानदार अहसास है। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। मैंने पिछले साल भी जीत हासिल की थी, इसलिए मैं वाकई बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा, मेरी नजरें अब एशिया चैंपियनशिप और विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने पर हैं, यही इस साल का लक्ष्य है। प्रणति ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक से पहले काहिरा में एफआईजी अपैरटस विश्व कप की महिला वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

उन्होंने 2019 (उलनबटेर) और 2022 (दोहा) में एशियाई चैंपियनशिप में वॉल्ट कांस्य पदक भी जीते। प्रणति वॉल्ट में अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय जिमनास्ट हैं, उनसे पहले दीपा करमाकर (2018 मर्सिन गोल्ड, 2018 कॉटबस कांस्य) और अरुणा रेड्डी (2018 मेलबर्न में विश्व कप) ने पदक जीता है। उन्होंने 2014 और 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के साथ-साथ 2014 और 2018 एशियाई खेलों में भी भाग लिया। इसके अलावा उन्होंने 2014, 2017 और 2019 विश्व चैंपियनशिप में भी देश का प्रतिनिधित्व किया।

डेविड वॉर्नर ने भारतीय एयरलाइंस पर निकाली भड़ास

बिना पायलट वाले विमान में घंटों करना पड़ा इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के स्टार क्रिकेटर डेविड वॉर्नर को शनिवार को नई दिल्ली में एयर इंडिया की फ्लाइट में असामान्य देरी का सामना करना पड़ा जिसके बाद उन्होंने भारतीय एयरलाइंस एयर इंडिया पर जमकर भड़ास निकाली। वॉर्नर और अन्य यात्रियों को एक ऐसे विमान में चढ़ने के लिए मजबूर किया गया जिसमें कोई पायलट नहीं था जिसके कारण उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ा। वार्नर को आईपीएल मेगा नीलामी में नहीं मिला जिसके बाद वह पाकिस्तान सुपर लीग सीजन 10 के ड्राफ्ट के लिए पंजीकृत हो गए। 2009 से आईपीएल में खेलने वाले वॉर्नर ने दिल्ली कैपिटल्स या सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला है और 2016 में सनराइजर्स को अपना पहला और एकमात्र आईपीएल खिताब दिलाने में भी मद की है। वह पिछली बार आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेले थे जिसमें उन्होंने आठ मैच खेले और 168 रन बनाए थे।

वॉर्नर ने सोशल मीडिया पर इसे लेकर अपनी निराशा व्यक्त की है। वॉर्नर ने एक्स पर लिखा, हम बिना पायलट वाले विमान में सवार हुए और घंटों विमान में इंतजार करते रहे। आप यात्रियों को क्यों चढ़ाएंगे, यह जानते हुए कि आपके पास विमान के लिए कोई पायलट नहीं है?

इस पर एयर इंडिया ने भी अपनी प्रतिक्रिया साझा की है। एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि बेंगलुरु में खराब मौसम की वजह से इस क्षेत्र में उड़ने वाली सभी एयरलाइनों में देरी हुई। एयर इंडिया ने जवाब में लिखा, आपकी फ्लाइट का संचालन करने वाला चालक दल इन व्यवधानों से प्रभावित पहले के असाइनमेंट पर रुका हुआ था जिसके कारण प्रस्थान में देरी हुई। हम आपके धैर्य की सराहना करते हैं और हमारे साथ उड़ान भरने का विकल्प चुनने के लिए आपका धन्यवाद करते हैं।

न्यूजीलैंड-पाकिस्तान: पाकिस्तान के नाम एक और फजीहत

टी20 सीरीज भी हाथ से निकली

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद शानदार आगाज किया है। पाकिस्तान के खिलाफ खेली जा रही 5 टी20 मैचों की सीरीज में उन्हें 3-1 की अजेय बढ़त हासिल हो चुकी है। न्यूजीलैंड ने माउंट माउंगानुई के बे ओवल में पहले खेलते हुए सीफर्ट के 44, फिन ऐलन के 50, कप्तान माइकल ब्रेसवेल के 46 रनों की बदौलत 220 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी पाकिस्तान 105 रन ही बना पाई। ऐसी उम्मीद थी कि पाकिस्तान यह मैच जीतकर सीरीज को 2-2 की बराबरी पर लाएगी ताकि पांचवां मुकाबला निर्णायक हो। लेकिन पाकिस्तान की टीम चौथे टी20 में घुटने टेक गई।

न्यूजीलैंड: 220/6 (20 ओवर)

फिन एलन और टिम सीफर्ट एक बार फिर से ओपनिंग पर आए और अपनी टीम को

उम्मीद मुताबिक शुरूआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 4.1 ओवर में ही 59 रन जोड़ दिए। सीफर्ट ने 22 गेंदों पर 3 चौके और 4 छक्कों की मदद से 44 रन बनाए। फिन ने 20 गेंदों पर 6 चौके और 3 छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। चापमैन ने 16 गेंदों पर 24 रन बनाए। वह हारिस रऊफ की गेंद पर बोल्ड हुए। डेरिल मिचेल ने एक छोर संभाला और 23 गेंदों पर 29 रन बनाए। कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने 26 गेंदों पर 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 46 रन बनाए और स्कोर 6 विकेट पर 220 तक पहुंचा दिया। पाकिस्तान के लिए हारिस रऊफ ने 27 रन देकर 3 विकेट लीं।

पाकिस्तान: 105/10 (16.2 ओवर)

हसन नवाज जिन्होंने पिछले मैच में शतक बनाया था। इस पर एक रन बनाकर जैकब डफी का शिकार हो गए। मोहम्मद हारिस 2 तो कप्तान सलमान अली आगा 1 ही रन बना पाए। 9 रन पर 3 विकेट गिर जाने के बाद इरफान खान ने एक छोर संभाला। इस दौरान शादाब खान 1 तो खुशदिल शाह 6 रन बनाकर आऊट हो गए। अब्दुल समद ने एक छोर संभाला लेकिन पाकिस्तान का टेल एंडर साथ छोड़ता गया। आखिरकार पाकिस्तान की पूरी टीम 105 रन पर ऑलआऊट हो गई। न्यूजीलैंड के लिए जैकब डफी ने 20 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट लिए।

जिला स्तरीय अंडर 7 शतरंज प्रतियोगिता में दिविशा और मेदांश बने चैंपियन

जोधपुर, एजेंसी। सरदारपुरा स्थित गुलाबदास जगन्नाथ धूत स्मृति भवन में एडहॉक समिति, जोधपुर जिला शतरंज संघ द्वारा जोधाणा शतरंज अकादमी के सहयोग से आयोजित अंडर 7 वर्ग शतरंज प्रतियोगिता संपन्न हुई। बालक वर्ग में चार चक्र तथा बालिका वर्ग में तीन चक्रों में मुकाबले पूर्ण हुए।

बालक वर्ग में मेदांश धाणदिया 4 में से 4 अंक प्राप्त कर विजेता बने जबकि बालिका वर्ग में दिविशा राठी चैंपियन बनी। बालक वर्ग में द्वितीय स्थान पर्व गट्टानी एवं तृतीय स्थान पर दुआशं भाटी, चौथे पर अर्श राव रहे। बालिका वर्ग में वाणी बिड़ला उप विजेता बनी।

तदर्थ समिति के संयोजक संजय पारख ने बताया कि चुने गए खिलाड़ी राज्य स्तरीय अंडर 7 प्रतियोगिता में जोधपुर जिला का

प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक डॉ जयमल सिंह राठौड़ ने स्विस पद्धति से मुकाबले पूर्ण करवाए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रोटेरियन विजय चौधरी, तथा विशिष्ट अतिथि दिनेश गौड़ उपस्थित थे। आयोजन सचिव मोहम्मद आरिफ ने अतिथियों का स्वागत किया। विरेंद्र हरखानी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

टीबी मुक्त भारत के लिए नेता और अभिनेता के बीच खेला गया टी-20 मैच

मुंबई, एजेंसी। भाजपा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने टीबी मुक्त भारत जागरूकता अभियान के लिए मुंबई के एमसीए क्रिकेट स्टेडियम में राजनेताओं और अभिनेताओं के बीच एक टी-20 क्रिकेट मैच का आयोजन किया।

इस पहल की सराहना करते हुए, अर्जुन कपूर ने कहा कि चूंकि आईपीएल अभी शुरू हुआ है, इसलिए यूसुफ पठान को भी खेलने का मन कर रहा है। 2 स्टेट्स के अभिनेता ने साझा किया कि उन्हें स्टेडियम से बाहर गेंद मारते हुए देखना अच्छा लगता है। उन्होंने कहा, मनोरंजन, राजनीति और खेल किसी भी तरह का संदेश पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण आधार हैं। इसलिए, यह बहुत अच्छा लगता है कि हम सभी ऐसे महत्वपूर्ण कार्य के लिए एक साथ आ सकते हैं। इसके अलावा, अभिनेता अर्जुन रामपाल ने कहा, मुझे लगता है कि यह पहल बहुत अच्छी है। यह प्रधानमंत्री मोदी द्वारा एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहल है।

अनुराग ठाकुर ने मुझे बताया कि हमारी 28 फीसदी आबादी टीबी का शिकार हो गई है। इसलिए, इस बारे में जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है। मुझे उम्मीद है कि यह संदेश सभी तक पहुंचेगा और हम 2025 तक टीबी मुक्त भारत के सपने को साकार करने में सक्षम होंगे। इसके अलावा, अभिनेता राजपाल यादव ने कहा कि रोग मुक्त होने के लिए फिटनेस बेहद जरूरी है। फिट रहने के लिए खेल एक बहुत प्रभावी तरीका है। अभिनेता डिनो मोरिया ने कहा, देश के तीन सबसे प्रिय क्षेत्र- मनोरंजन, क्रिकेट और राजनीति देश से टीबी को मिटाने की पहल का समर्थन करने के लिए एक साथ आए हैं।

वीरेंद्र सहवाग पर क्यों भड़क गए शोएब अख्तर

मैं गिनीज बुक में तेरी एंट्री करवा दूंगा...

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शोएब अख्तर का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में शोएब अख्तर पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग के बारे में बात कर रहे हैं. शोएब अख्तर कह रहे हैं कि हां जी, एक वीडियो देखा है वीरू पाजी का. यार तंग आ गया हूं उसकी बातें सुन-सुन कर. एक ही टेप 20 साल से चला रहा है. 300, 300, 300... अरे भाई मैं भी वहीं था, जब तूने 300 किया है, मैं भी देख रहा था, पूरा पाकिस्तान भी देख रहा था.

बहुत अच्छा खेला था, बहुत ही टॉप क्लास खेला था. तू जानता है ना कौन सा... बहरहाल, सोशल मीडिया पर शोएब अख्तर का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इसके अलावा सोशल मीडिया

यूजर्स लगातार कमेंट्स कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. बताते चलें कि भारतीय टीम तकरीबन 21 साल पहले पाकिस्तान के दौरे पर गई थी. उस दौरे पर भारत और पाकिस्तान के बीच 3 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली गई थी.

इस सीरीज का पहला टेस्ट मुल्तान में खेला गया था. उस टेस्ट में वीरेंद्र सहवाग ने 309 रन बनाए थे. उन्होंने अपनी इनिंग में 39 चौके और 6 छक्के जड़े थे.

वहीं, भारतीय टीम ने पहली पारी में 5 विकेट पर 675 रनों का स्कोर बनाया था. साथ ही राहुल द्रविड़ की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने पाकिस्तान को इनिंग और 52 रनों से हराया था.

● तुझे पता है ना मेरा रिलेशनशिप हैं वहां पर...

शोएब अख्तर आगे कह रहे हैं कि बस कर, अगर तुझे अगर तुझे गिनीज बुक में एंट्री चाहिए ना 300 की तो मैं सीधे करवा सकता हूं. तुझे पता है ना मेरा रिलेशनशिप हैं वहां पर. तेरी एंट्री मैं करवा सकता हूं. दुनिया में सबसे ज्यादा 300-300 का जिक्र करने वाला वीरेन्द्र सहवाग... और देख अगर तुझे चाहिए गिनीज बुक में एंट्री कराने के लिए तो अपने से बात कर भाई, क्योंकि अपने पास एक असली रिकॉर्ड है.

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

एक अप्रैल से कक्षा छह से आठवीं के बच्चे पढ़ेंगे एनसीइआरटी की किताब

पटना (नि. सं.)। सीबीएसइ के स्कूलों की तरह अब राज्य सरकार के स्कूलों में भी राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीइआरटी) की किताबें पढ़ायी जायेंगी। नयी शिक्षा नीति के तहत बदले पाठ्यक्रम के अनुसार राज्य के सरकारी स्कूलों में कक्षा छह से आठवीं तक के बच्चों को एनसीइआरटी की किताबों से पढ़ाई करायी जायेगी। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीइआरटी) के निदेशक सज्जन आर ने बताया कि अब तक सीबीएसइ स्तर के स्कूलों में एनसीइआरटी की किताबें चला करती थीं। लेकिन अब राज्य के सरकारी स्कूलों में एनसीइआरटी किताबें चलेगी। यह व्यवस्था नये सत्र यानी एक अप्रैल से कक्षा छह से आठवीं तक में लागू हो जायेगी। उन्होंने बताया कि कक्षा छह से आठवीं तक में चलायी जाने वाली एनसीइआरटी की पुस्तक में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इन बच्चों को वही चैप्टर पढ़ाये जायेंगे, जो सीबीएसइ से संबद्ध स्कूलों में पढ़ाये जाते हैं। केवल एनसीइआरटी के पुस्तक में बिहार के संदर्भ में चीजों को जोड़ा गया है। जैसे बिहार की संस्कृति, सभ्यता, बिहार के विभूति, पर्यटन स्थल, ऐतिहासिक स्थल आदि शामिल हैं। बांकी चैप्टर एनसीइआरटी के ही होंगे। कक्षा छह से आठवीं की सितंबर 2025 में होने वाली अर्द्धवार्षिक परीक्षा नये पाठ्यक्रम एनसीइआरटी के आधार पर ही ली जायेगी। मार्च 2026 में वार्षिक परीक्षा एनसीइआरटी की पुस्तक से ही ली जायेगी। शिक्षकों को भी इससे संबंधित दिशा-निर्देश जारी किये जा रहे हैं। इस संबंध में शिक्षकों को प्रशिक्षित भी किया जा रहा है। किताबों को स्कूलों तक पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। मार्च के अंत तक किताबें सभी स्कूलों में पहुंच जायेगी। एससीइआरटी के निदेशक सज्जन आर ने बताया कि नयी शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रम में बदलाव आवश्यक हो गया था। वर्ष 2026 से कक्षा नौ से 12वीं में भी एनसीइआरटी किताबें चलेंगी। इसकी तैयारी अभी से ही शुरू कर दी गयी है। एनसीइआरटी की पुस्तक पढ़ने से बच्चों को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने में आसानी होगी।

अपहरण के आरोप में तीन भाई गिरफ्तार

पटना (नि. सं.)। पटना में कंकड़बाग थाना क्षेत्र के शिवाजी पार्क के गेट के पास से सुजीत कुमार नाम के एजेंट को कुछ लोगों ने अगवा कर लिया था। घटना की जानकारी पुलिस को शनिवार को मिली। इस मामले में पुलिस ने पीड़ित सुजीत कुमार को आरोपियों के चंगुल से छुड़ा लिया है। घटना में शामिल गौतम प्रकाश, विक्की कुमार और संजू कुमार को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपी भाई हैं। गिरफ्तारी की पुष्टि एएसपी सदर अभिनव ने की है। इनके पास से दो मोबाइल फोन और पीड़ित की बुलेट बाइक बरामद की गई है। एएसपी अभिनव ने बताया कि पुलिस को देर शाम 7 बजे के करीब सूचना मिली कि बंधक बनाए गए शख्स की रिहाई के लिए आरोपियों ने रुपए की डिमांड की है। रुपए लेने के लिए कंकड़बाग ऑटो स्टैंड आ रहे हैं। इसके बाद इनकी गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई। रूपए लेने आए शख्स को पुलिस ने वहां पकड़ लिया। फिर युवक की निशानदेही पर अन्य दो लोगों की गिरफ्तारी हुई। एएसपी के मुताबिक पोंजी स्कीम रैपिडो बाजार कर के इनकी अपनी कंपनी है। इन लोगों ने पूरे देश में करोड़ों रुपए की धांधली की है। अगवा किया गया युवक इस कंपनी में एजेंट के तौर पर काम कर रहा थे। एजेंट के थ्रू इन लोगों ने रुपए लगाए थे।

गोदाम में हुई डकैती में दो आरोपी गिरफ्तार

पटना (नि. सं.)। पटना के फतुहा पुलिस ने दीदारगंज थाना क्षेत्र में हुई हुमाद के गोदाम में डकैती का खुलासा किया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फतुहा एसडीपीओ निखिल कुमार ने रविवार को यह जानकारी दी। गिरफ्तार आरोपियों में खाजेकला के दीवान मोहल्ला निवासी राहुल कुमार और गौरीचक के जकनपुर निवासी कमलेश कुमार उर्फ छोटू शामिल हैं। दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सड़क दुर्घटना में दोनों बाइक चालकों की मौत, मृतक शिक्षक की पत्नी गंभीर

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

प्रखंड के राजापुर मोड़ के समीप हुए दर्दनाक सड़क हादसे में दो बाइक चालकों की मौत हो गई, जबकि एक महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों की पहचान बंदेया थाना क्षेत्र के भूसा व्यवसायी अंशु कुमार और हसपुरा थाना क्षेत्र के सैदपुर निवासी शिक्षक इंद्रजीत कुमार के रूप में हुई है। वहीं, मृत शिक्षक की पत्नी सुनीता देवी गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज जारी है। रविवार को जैसे ही दोनों मृतकों के शव उनके घर पहुंचे, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। दोनों गांवों में मातम पसर गया और शोक की लहर दौड़ गई। शिक्षक इंद्रजीत कुमार की असामयिक मौत से उनके परिजन और ग्रामीण स्तब्ध हैं। वहीं, अंशु कुमार के परिवार के लोग भी इस अचानक हुए हादसे से पूरी तरह टूट गए हैं।

शनिवार को गोह थाना क्षेत्र के राजापुर मोड़ के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों युवक और एक दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत गोह पीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए गया स्थित मगध मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मगध मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान अंशु कुमार और इंद्रजीत कुमार ने दम तोड़ दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल सुनीता देवी की हालत चिंताजनक बनी हुई है और डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस दोनों बाइकों को जब्त कर आगे की कार्रवाई कर रही है। इस दर्दनाक घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर ट्रैफिक नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि राजापुर मोड़ के पास पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, इसलिए यहां पर यातायात नियमों को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

सदर अस्पताल के उपाधीक्षक को हटाने की मांग चिकित्सक हड़ताल पर जाने की तैयारी में

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

सदर अस्पताल में तैनात चिकित्सकों ने उपाधीक्षक डॉ. सुरेंद्र सिंह को हटाने की मांग को लेकर 24 मार्च से हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। चिकित्सकों का आरोप है कि डॉ. सिंह की नियुक्ति राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए की गई है। चिकित्सकों ने डीएम श्रीकांत शास्त्री और सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह को पत्र लिखकर इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि ज्ञापन संख्या-507(3) के अनुसार संस्थान के सबसे वरिष्ठ सदस्य को ही उपाधीक्षक बनाया जा सकता है, लेकिन इस नियम का पालन नहीं किया गया। इस संबंध में डॉ. सुभाष सिंह, डॉ. उदय कुमार, डॉ. विनेश कुमार समेत 11 चिकित्सकों ने हस्ताक्षर कर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। चिकित्सकों ने अपने आवेदन में उपाधीक्षक डॉ. सुरेंद्र सिंह पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि छुट्टी स्वीकृत करने, सरकारी कागजातों पर हस्ताक्षर करने और चिकित्सकों की ड्यूटी में छूट देने के लिए पैसे की मांग की जाती है। अगर कोई चिकित्सक पैसे देने से इनकार करता है, तो उसे अनुपस्थित कर दिया जाता है या अतिरिक्त ड्यूटी लगाने की धमकी दी जाती है।

चिकित्सकों का आरोप है कि उपाधीक्षक ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों से अभद्र भाषा में बात करते हैं और दुर्व्यवहार करते हैं। वे खुद को स्थानीय निवासी बताते हुए कहते हैं कि उन्हें कोई पद से हटा नहीं सकता, क्योंकि उनके संपर्क कई राजनेताओं से हैं। स्थानीय नेताओं के जरिए वे चिकित्सकों को धमकाते हैं और उनके कार्यों में हस्तक्षेप करवाते हैं। डॉक्टरों ने यह भी आरोप लगाया है कि उपाधीक्षक घायलों की मेडिकल रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हेरफेर कर पैसे वसूलते हैं। इसके अलावा, वे मरीजों को सर्जरी के लिए निजी क्लीनिक भेजने का दबाव बनाते हैं, ताकि वहां से कमीशन लिया जा सके। डॉक्टरों का कहना है कि इस मामले की शिकायत पहले ही क्षेत्रीय निदेशक, मगध क्षेत्र और लोक शिकायत विभाग को की जा चुकी है। मामले की जांच अभी जारी है, फिर भी उन्हें उपाधीक्षक के पद पर नियुक्त कर दिया गया।

रामनवमी पर गेट स्कूल मैदान में बॉलीवुड गायिका स्वाति मिश्रा की होगी प्रस्तुति

- **इस आयोजन की तैयारी को लेकर पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें कई प्रमुख समाजसेवियों और आयोजकों ने भाग लिया।**

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

रामनवमी के पावन अवसर पर एक विशेष सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जा रहा है। औरंगाबाद युवा शक्ति मंच के बैनर तले, गेट स्कूल के मैदान में 'रामोत्सव नाइट्स' का भव्य कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें बॉलीवुड की प्रसिद्ध गायिका स्वाति मिश्रा अपनी सुरीली आवाज से समां बांधेंगी। यह आयोजन 3 अप्रैल को संध्या 5:00 बजे से शुरू होगा, जिसमें शहरवासियों को भक्ति और सांस्कृतिक उल्लास का अनूठा अनुभव मिलेगा। इस रामोत्सव नाइट्स कार्यक्रम के जरिए न केवल आस्था और संस्कृति का संदेश प्रसारित होगा, बल्कि समाज में सामूहिक एकता और मेलजोल का भी उदाहरण प्रस्तुत होगा। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं और संगीत प्रेमियों से अपील की है कि वे 3 अप्रैल को गेट स्कूल मैदान में पहुंचें और इस भक्तिमय संध्या का भरपूर आनंद उठाएं।

इस आयोजन की तैयारी को लेकर पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें कई प्रमुख समाजसेवियों और आयोजकों ने भाग लिया। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई और इसे भव्य बनाने के लिए व्यापक तैयारियों पर चर्चा हुई। बैठक में युवा शक्ति मंच के आदित्य प्रताप सिंह ने कहा कि यह सांस्कृतिक आयोजन न केवल रामनवमी और छठ पूजा के महत्व को बढ़ाएगा, बल्कि हमारे शहर को भी नई पहचान दिलाएगा। कुणाल सिंह ने बताया कि यह आयोजन भगवान राम और बिहार के गौरव छठ महापर्व के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति और आस्था की जड़ों को और मजबूत करने के लिए इस तरह के आयोजन बेहद जरूरी हैं। इससे नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मनोज सिंह, जयंत सिंह, प्रकाश सोलंकी, अविनाश गुप्ता, जुगनू सिंह, राकेश, सतीश, रॉबिन, सोनू, नीतीश, आदर्श, अभिनव, गोलू, हिमांशु, प्रांजल, सुन्नी, अनिकेत, अंकित, भोली, साकेत और श्याम सहित कई युवा कार्यकर्ता जी-जान से जुटे हुए हैं। उन्होंने जिले के समस्त नागरिकों, माताओं और बहनों से अनुरोध किया कि वे इस सांस्कृतिक संध्या में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं।

शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा, राष्ट्रीय शहीद घोषित करने की मांग

निज सं. | दाउदनगर (औरंगाबाद)

दाऊदनगर के अरविंदो मिशन स्कूल प्रांगण में 23 मार्च को शहीद-ए-आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की पुण्यतिथि पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, समाजसेवी, शिक्षक, विद्यार्थी और गणमान्य लोग उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर और दो मिनट का मौन रखकर की गई। इस दौरान वक्ताओं ने शहीदों की वीरता, उनके बलिदान और उनके विचारों की प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की।

सभा को संबोधित करते हुए भाकपा (माले) के राज्य कमिटी सदस्य कॉमरेड अनवर हुसैन ने कहा कि भगत सिंह और उनके साथियों ने जिस समाजवादी भारत का सपना देखा था, वह आज भी अधूरा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में लोकतंत्र के चारों स्तंभ—विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया—भ्रष्टाचार की चपेट में आ चुके हैं और जनहित से अधिक पूंजीवाद हावी हो रहा है। उन्होंने भगत सिंह के विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि केवल सत्ता परिवर्तन से आम जनता का भला नहीं होगा, जब तक कि व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन न किया जाए।

संस्थान के सचिव सत्येंद्र कुमार ने कहा कि आज देश जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्रवाद की राजनीति में उलझा हुआ है। भगत सिंह ने जिस भारत की कल्पना की थी, उसमें अमन, भाईचारा और समानता थी। उन्होंने कहा कि सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि देश को एक समाजवादी राष्ट्र बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएं और लोगों के बीच आपसी सद्भाव बढ़ाया जाए। महिला नेत्री मीना सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगत सिंह और उनके साथियों का सपना था कि महिलाओं को समाज में बराबरी का स्थान मिले, लेकिन आज भी महिलाओं के अधिकारों के साथ समझौता किया जा रहा है। संसद में महिला आरक्षण को सिर्फ एक दिखावा बताया जा रहा है और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर नियंत्रण नहीं किया जा रहा है। उन्होंने महिलाओं को जागरूक होकर अपने अधिकारों के लिए लड़ने का आह्वान किया।

गोह कॉलेज के गणित विभागाध्यक्ष राजकमल कुमार सिंह ने कहा कि देश में जब तक समान शिक्षा प्रणाली लागू नहीं होगी, तब तक सामाजिक न्याय संभव नहीं है। भगत सिंह ने जिस समाज की कल्पना की थी, उसमें सभी को समान अवसर मिलने चाहिए थे, लेकिन आज की सरकारें शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा देकर समाज में असमानता पैदा कर रही हैं। समाजसेवी और शिक्षक नेता सुरेंद्र सिंह ने कहा कि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की शहादत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण मोड़ थी। 23 मार्च 1931 को जब तीनों ने अपने प्राणों की आहुति दी, तभी यह तय हो गया था कि भारत की आज़ादी अब ज्यादा दूर नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें इन शहीदों के बलिदान को केवल याद नहीं करना चाहिए, बल्कि उनके विचारों को भी अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

श्रद्धांजलि सभा में मौजूद सभी लोगों ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें मांग की गई कि नासरीगंज-दाऊदनगर सोन पुल का नाम 'शहीद भगत सिंह सेतु' रखा जाए। इसके अलावा, पूरे देश में 23 मार्च को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने, संसद भवन में तीनों शहीदों की तस्वीरें लगाने और उन्हें 'राष्ट्रीय शहीद' घोषित करने की मांग की गई। सभा में यह भी प्रस्ताव पारित किया गया कि देश की सभी राजधानियों में शहीद भगत सिंह और उनके साथियों के स्मारक बनाए जाएं और उनकी लिखी रचनाओं को सरकारी खर्च पर प्रकाशित कर सभी पुस्तकालयों में निशुल्क उपलब्ध कराया जाए। इसके अलावा, उनके जीवन और विचारों को स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल करने की भी मांग उठाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष कृष्णा प्रसाद चंद्रवंशी ने की, जबकि संचालन सचिव सत्येंद्र कुमार ने किया। सभा के अंत में 'इंकलाब जिंदाबाद' और 'शहीद-ए-आजम अमर रहें' के गगनभेदी नारों के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

ड्रोन से आपदा के दौरान बचाव की दी जानकारी

पटना (नि.सं.)। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पवेलियन में बच्चों को आपदा से बचाव की जानकारी दी जा रही है। रविवार को मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के तहत मध्य विद्यालय पुलिस लाइन, कन्या मध्य विद्यालय गोलघर और राजा राम मोहन राय सेमिनरी खजांची रोड के छात्र-छात्राओं ने आपदा से बचाव के गुर सीखे। बच्चों को कठपुतली शो, नुक्कड़ नाटक, अंताक्षरी प्रतियोगिता एवं चित्रकला के माध्यम से आपदाओं से बचाव की जानकारी दी गई। ड्रोन के जरिए आपदाओं से बचाव की तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। एनडीआरएफ की ओर से आयोजित डॉग शो में आपदा के समय खोज और बचाव अभियान की बारीकियां समझायी गईं। एआर-वीआर 365 डिग्री तकनीक के जरिए लू, आग, भूकंप जैसी आपदाओं की जानकारी वर्चुअल तरीके से दी गई। दिव्यांग बच्चों की ओर से नाटकों के जरिए भूकंप, बाढ़, डूबने की घटनाएं, आग से सुरक्षा, सड़क सुरक्षा एवं वज्रपात से बचाव की जानकारी दी गई।

संस्कार विद्या, नॉलेज सिटी में अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी और परिणाम दिवस का आयोजन

निज संवाददाता | दाउदनगर (औरंगाबाद)

दाऊदनगर के संस्कार विद्या, नॉलेज सिटी में अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी और उनके अभिभावक शामिल हुए। इस अवसर पर कुल 490 छात्र-छात्राओं ने अपने अभिभावकों के साथ अपने वार्षिक रिपोर्ट कार्ड प्राप्त किए। विद्यालय में हर कक्षा के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मोमेंटो, प्रमाण पत्र और रिपोर्ट कार्ड प्रदान किया गया, जबकि अन्य विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

विद्यालय के सीएमडी सुरेश कुमार गुप्ता ने कहा कि संस्कारयुक्त शिक्षा प्रदान करना उनका मुख्य उद्देश्य है, ताकि विद्यार्थी अपने भविष्य की चुनौतियों का डटकर सामना कर सकें। सीईओ आनंद प्रकाश ने परिणाम दिवस को विद्यार्थियों के लिए विशेष बताते हुए कहा कि यह दिन पूरे वर्ष की मेहनत का आकलन करने का अवसर होता है, जिसे लेकर विद्यार्थी बेसब्री से प्रतीक्षा करते हैं। इस दिन उनके शैक्षणिक प्रदर्शन और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का मूल्यांकन किया जाता है।

डिप्टी सीईओ विद्या सागर ने अपने संबोधन में कहा कि आज के बच्चे देश के भविष्य के कर्णधार हैं और इन्हें समयानुसार विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा केवल अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह बच्चों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

विद्यालय के प्राचार्य ए.के. मिश्रा, उप-प्राचार्य संतोष पांडेय और अन्य शिक्षकों ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों ने मिलकर शिक्षा के महत्व और भावी लक्ष्यों पर चर्चा की। परिणाम दिवस के इस आयोजन से विद्यार्थियों को न केवल प्रेरणा मिली, बल्कि अभिभावकों को भी अपने बच्चों की प्रगति को समझने का अवसर मिला।

यक्ष्मा उन्मूलन में औरंगाबाद की ऐतिहासिक सफलता, कई पंचायतें टीबी मुक्त घोषित, डॉ. रवि रंजन को राष्ट्रीय सम्मान

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले ने यक्ष्मा (टीबी) उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। स्वास्थ्य विभाग के प्रभावी प्रयासों के परिणामस्वरूप जिले की कई पंचायतें पूरी तरह से यक्ष्मा मुक्त घोषित की जा चुकी हैं। इस उपलब्धि को देखते हुए भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के केंद्रीय यक्ष्मा प्रभाग द्वारा औरंगाबाद के अपर उपाधीक्षक सह सहायक अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रवि रंजन को सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित विश्व यक्ष्मा दिवस समारोह में प्रदान किया जाएगा।

जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए गए व्यापक अभियान के तहत औरंगाबाद सदर प्रखंड की परसदीह पंचायत, देव प्रखंड की हसौली पंचायत, नवीनगर की जयहिंद तेंदुआ पंचायत और ओबरा सदर पंचायत को यक्ष्मा मुक्त घोषित किया गया है। केंद्रीय टीबी डिवीजन द्वारा इन पंचायतों की स्थिति की पुष्टि के बाद यह घोषणा की गई, जो राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

डॉ. रवि रंजन के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग ने न केवल टीबी मरीजों की पहचान की, बल्कि उन्हें समय पर समुचित चिकित्सा सहायता और परामर्श भी उपलब्ध कराया। इसके साथ ही, जागरूकता अभियानों के माध्यम से लोगों को यक्ष्मा के लक्षण, बचाव और उपचार की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा पदाधिकारियों और स्थानीय प्रशासन के सामूहिक प्रयासों से यह मिशन सफल हुआ।

डॉ. रवि रंजन को यह प्रतिष्ठित सम्मान मिलने की घोषणा के बाद औरंगाबाद जिले में हर्ष का माहौल है। जिला नागरिक परिषद समेत विभिन्न सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने उन्हें बधाई दी है। परिषद के सदस्यों का कहना है कि उनके अथक प्रयासों से जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा मिली है और यह उपलब्धि टीबी के खिलाफ संघर्ष में एक ऐतिहासिक सफलता है। नई दिल्ली में आयोजित होने वाले विश्व यक्ष्मा दिवस समारोह में स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और देशभर से चिकित्सा विशेषज्ञ शामिल होंगे। इस सम्मान के साथ औरंगाबाद जिले ने यक्ष्मा उन्मूलन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। डॉ. रवि रंजन का यह सम्मान उनके समर्पित प्रयासों का प्रमाण है और जिले के स्वास्थ्य तंत्र की मजबूती को दर्शाता है।

मध्याह्न भोजन में अब तेल की मात्रा होगी कम

निज संवाददाता | पटना

बिहार के सरकारी स्कूलों में (प्रारंभिक कक्षा एक से आठ तक) बनने वाले मध्याह्न भोजन में तेल की मात्रा में कटौती की जाएगी। प्रत्येक बच्चे पर जितना तेल भोजन बनाने में इस्तेमाल होता है उसमें 10 फीसदी की कटौती की जाएगा। बच्चों का स्वास्थ्य ठीक रहे और मोटापा या लिवर की बीमारी की चपेट में न आए इसके लिए यह कदम उठाया गया है। स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय ने राज्य शिक्षा विभाग को यह आदेश दिया है। मंत्रालय ने कहा है कि इसके लिए रसोइयों को निर्देश देने के साथ उन्हें प्रशिक्षण दिया जाए। बाल वाटिका और प्राथमिक में 5 ग्राम और उच्च प्राथमिक में 7.5 ग्राम प्रत्येक बच्चे पर इस्तेमाल : वर्तमान में बाल वाटिका और प्राथमिक में हर बच्चे पर 5 ग्राम और उच्च प्राथमिक में प्रत्येक बच्चे पर 7.5 ग्राम तेल का इस्तेमाल होता है। मंत्रालय की एडवाइजरी के बाद अब प्राइमरी में 4.5 ग्राम और उच्च प्राथमिक में 6.75 ग्राम तेल का इस्तेमाल किया जाएगा।

2 लाख 14 हजार 510 रसोइयों बताया जाएगा : राज्य में 68 हजार विद्यालय मध्याह्न भोजन योजना से आच्छादित हैं। इनमें एक करोड़ 3 लाख बच्चों का खाना 2 लाख 14 हजार 510 रसोइयों की ओर से तैयार किया जाता है। इन रसोइयों को हर दिन के भोजन के लिए राशन का सामान उपलब्ध कराया जाता है, जो कि प्रत्येक बच्चे के हिसाब से मिलता है। ऐसे में अब इन रसोइयों को यह जानकारी दी जाएगी कि इन्हें कितने बच्चों पर कितना तेल का इस्तेमाल करना है। गृह विज्ञान कॉलेज के आहार विशेषज्ञ इन्हें प्रशिक्षण देंगे : मंत्रालय ने राज्य शिक्षा विभाग को आदेश दिया है कि सभी एमडीएम आच्छादित विद्यालयों में आहार विशेषज्ञों को आमंत्रित करें, जो रसोइयों को कम तेल में भोजन बनाने और इसके फायदे के बारे में बताएंगे। मंत्रालय ने कहा है कि यह आहार विशेषज्ञ गृह विज्ञान कॉलेज के होंगे। शिक्षा विभाग ने जारी एडवाइजरी में कहा है कि एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है कि भारत में बच्चों में मोटापा बढ़ा है। 1990 में भारत में 4 लाख बच्चे मोटापा के शिकार थे। तो वहीं 2022 तक यह संख्या बढ़कर 125 लाख हो गई है। बच्चों में मोटापा और लिवर की समस्या को देखते हुए यह एडवाइजरी जारी की गई है।

जीविका दीदी गांव में घूम कर बच्चों का मापेंगी वजन

निज संवाददाता | पटना

आंगनबाड़ी केन्द्र में भी जाएंगी जीविका दीदी

आंगनबाड़ी केन्द्र में भी नियमित रूप से बच्चों के वृद्धि निगरानी की जाती है। ऐसे में जिन आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों के वृद्धि निगरानी के लिए वजन की जरूरत होगी तो ऐसे में जीविका दीदियां आंगनबाड़ी केन्द्र भी जाएंगी। बता दें कि बच्चों में कुपोषण की कमी को दूर करने के लिए जीविका दीदियों की ओर से बच्चों की माप की जाएगी।

जीविका दीदियां अब गांव में घर-घर जाकर बच्चों का वजन मापेंगी। बच्चों की उम्र के अनुसार उनकी लंबाई है या नहीं। बच्चों में कुपोषण तो नहीं है। इसके लिए हर जिले में जीविका दीदियों की टीम बनाई गयी है। 38 जिले के दस हजार गांव में इसे शुरू किया जाएगा। इसके लिए 21 हजार 564 दीदियों को जोड़ा गया है। ये दीदियां ग्राम संगठन में एक जगह सभी बच्चों का इकट्ठा करेंगी और उनका वजन लेंगी। पायलट प्रोजेक्ट के तहत अभी दस हजार गांव में इसे शुरू किया गया है। इसके बाद 12 हजार और गांव को जोड़ा जाएगा। इसके लिए जीविका दीदियों को वृद्धि निगरानी किट दिया गया है। इसमें स्टेडियोमीटर, इन्फैंटोमीटर और वजन मशीन शामिल है। इसमें देखा जाएगा कि उम्र के अनुसार बच्चों का नियमित लंबाई और वजन बढ़ रहा है या नहीं। इसकी साप्ताहिक जांच होगी। जांच में अगर किसी बच्चे की उम्र के अनुसार लंबाई या वजन नहीं होगा तो ऐसे बच्चों के अभिभावकों को पोषण चार्ट दिया जाएगा। पोषण चार्ट के अनुसार बच्चों को अगले एक महीने तक खाना दिया जाएगा। सप्ताह के बाद फिर संबंधित बच्चे की माप की जाएगी। बच्चों की वृद्धि निगरानी तीन रंगों से की जाएगी। मापते समय अगर हरा रंग आयेगा तो सामान्य कैटेगरी में बच्चे रखे जाएंगे। नारंगी रंग आएगा तो ऐसे बच्चों को गंभीर माना जाएगा, उसे तुरंत पौष्टिक आहार खाने के लिए सलाह दी जाएगी। अगर वजन काफी कम होगा तो ऐसे बच्चों को लाल रंग में रखा जाएगा। ऐसे बच्चों को अति गंभीर कैटेगरी में रखा जाएगा। ऐसे बच्चों को एएनएम के पास रेफर किया जाएगा।

दो तस्कर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पटना (नि.सं.)। दानापुर की शाहपुर पुलिस ने अकलुचक क्षेत्र से स्मैक की बिक्री करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर न्यू मुबारकपुर बीजापत के गौरीशंकर और उपेन्द्र कुमार हैं। पुलिस ने इनके पास से 25 पुड़िया स्मैक, 16 हजार 20 रुपए और एक ऑटो बरामद किया है। दानापुर एएसपी भानु प्रताप सिंह के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अकलुचक में फ्लिपकार्ट के पीछे कुछ युवक ऑटो से स्मैक की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। सूचना मिलते ही एक टीम ने छापेमारी की। पुलिस को देखकर ऑटो में बैठे चार युवक भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर दो तस्करों को पकड़ लिया। गौरीशंकर के पास से 15 पुड़िया स्मैक और 10 हजार 20 रुपए मिले। उपेन्द्र कुमार के पास से 10 पुड़िया स्मैक, एक मोबाइल और 6 हजार रुपए बरामद हुए। बरामद स्मैक का कुल वजन 3.5 ग्राम है।